नई दिल्ली ■ गुरुवार, 03 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 03 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 वृद्धों के लिये उजाला बना कोर्ट का फैसला | 11 आज होगी KKR बनाम सनराइजर्स की टक्कर | सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिब रहती हैं मृणाल 10

वक्फ अधिनियम में संशोधन से जुड़े विधेयक पर लोकसभा में चर्चा

विधेयक धर्म नहीं बल्कि संपत्ति प्रबंधन से जुड़ा है: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन से जुड़े विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। विधेयक को पिछले साल अगस्त में पेश किया गया था और बाद में चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। समिति की सिफारिशों पर विचार कर इसे सदन में आज चर्चा के लिए लाया गया। 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' के साथ इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024' लाया गया है। नए विधेयक का नाम अंग्रेजी में यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट इंपावरमेंट इफिशिएंट एंड डेवलपमेंट बिल (उम्मीद बिल) रखा गया है। हिन्दी में यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि विधेयक केवल वक्फ से जुड़ी संपत्तियों के प्रबंधन से जुड़ा है और इसका धार्मिक विषयों से कुछ लेना-देना नहीं है। विपक्ष मुसलमानों को अपना वोट बैंक मानता है और उसे गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। यह विधेयक न केवल मुसलमानों बल्कि देश के हित में है और इसके पारित होने पर विपक्ष को भी बदलाव अनुभव होगा। रिजिजू ने विधेयक पर चर्चा के दौरान वक्फ अधिनियम में 2013 में हुए संशोधन से उपजी गड़बड़ियों और

असिमित शक्तियों के कारण पैदा हुए विवादों को उठाया। उन्होंने विपक्ष पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कई मुद्दों पर स्पष्टीकरण भी दिया। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार ने 2014 के चुनाव के पहले संशोधन किया था।

रिजिजू ने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक वक्फ संपत्ति भारत में है। भारत में सबसे अधिक संपत्ति रखने वाली निजी संस्था भी वक्फ है। ऐसे में उसका उचित प्रबंधन और उससे समुचित आय सुनिश्चित की जानी चाहिए। ऐसा होने पर असल में मुस्लिम समुदाय खासकर पिछड़े, गरीब और महिलाओं को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने सच्चर कमेटी की सिफारिशों का जिक्र करते हुए आंकड़े दिए और कहा कि तब 4.9 लाख वक्फ संपत्तियां थी जिनसे मात्र 163 करोड़ की आमदनी होती थी। तब यह आमदनी 12 हजार करोड़ तक की जा सकती थी। अब

वक्फ कानून संसद का है, इसे सभी को स्वीकार करना पड़ेगा: अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह वक्फ पर प्रस्तावित कानून नहीं मानने की धमकी दे रहा, लेकिन यह संसद द्वारा पारित किया गया कानून होगा और इसे सभी को स्वीकार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए यह डर फैलाया जा रहा है कि वक्फ विधेयक मुसलमानों के धार्मिक मामलों और उनके द्वारा दान की गई संपत्तियों में दखल है। शाह ने स्पष्ट किया कि इसके कानून का रूप लेने के बाद इसे

पूर्व प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा, जबकि (विपक्ष द्वारा) मुस्लिम भाइयों को इस बहाने डराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि (विपक्षी दल के) एक सदस्य ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय इसे स्वीकार नहीं करेगा। यह क्या धमकी है...यह संसद का कानून है, सबको स्वीकार करना पड़ेगा। यह भारत सरकार का कानून है, हरेक (नागरिक) के लिए बाध्यकारी है (और) इसे स्वीकार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां बेच खाने वाले को इससे बाहर निकालने के लिए यह कानून लाया जा रहा है।

यह 8.72 लाख हो गई और आमदनी केवल 3 करोड़ बढ़कर 166 करोड़ हुई है। यह बहुत कम है और उचित प्रबंधन से इसे बढ़ाया जा सकता है, जिसका इस्तेमाल मुसलमानों के हित में ही होगा।

संशोधित विधेयक के प्रावधानों की जानकारी देते हुए रिजिजू ने कहा कि विधेयक में कई तरह की गड़बड़ियां थीं, जिसे हमने बदला। वक्फ बोर्ड को धर्मनिरपेक्ष और समावेशी बनाने का प्रयास किया गया है। इसमें विशेषज्ञ को भी शामिल किया गया है। अब शिया, सुन्नी, बोहरा, पिछड़े मुस्लिम, महिलाएं और विशेषज्ञ गैर-मुस्लिम भी वक्फ बोर्ड के सदस्य होंगे।

विधेयक पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव ने भी विधेयक का विरोध किया और कहा कि वह इसके विरोध में मत करेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे पार्टी अपने खोए हुए वोट बैंक को फिर से साधने की कोशिश कर रही है। वह कई क्षेत्र में अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक लाई है।

खबर लिखे जाने तक लोकसभा में वक्फ विधेयक पर चर्चा जारी रही।

लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हुआ अप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक

नई दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को अप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक का उद्देश्य देश में अप्रवासन से जुड़े कानूनों को नए सिरे से परिभाषित करना है। विधेयक का उद्देश्य केंद्र सरकार को भारत में प्रवेश करने और यहां से प्रस्थान करने वाले व्यक्तियों के संबंध में पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों की आवश्यकता और विदेशों से संबंधित मामलों को विनियमित करने के लिए कुछ शक्तियां प्रदान करना है। विधेयक के अधिनियम बनने पर यह विदेशियों और अप्रवास से संबंधित मामलों के वर्तमान के चार अधिनियमों- विदेशियों विषयक अधिनियम-1946, अप्रवास (वाहक दायित्व) अधिनियम-2000, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 और विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम-1939 का स्थान लेगा। लोकसभा इसे 27 मार्च को पहले ही पास कर चुका है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में अप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक-2025 चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। उन्होंने सदन में विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि आज हमारे देश में करीब 1 करोड़ 72 लाख एनआरआई हैं। इतना बड़ा डायसपोरा किसी और देश के पास नहीं है। उन सबके आने-जाने और उनकी सारी चिंताओं के निराकरण के लिए यह विधेयक मोदी सरकार ले कर आई है। राय ने कहा कि अभिषेक मनु सिंघवी जब बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि मोदी सरकार डराना चाहती है। मैं कहना चाहता हूं कि मोदी सरकार किसी को डराना नहीं चाहती है लेकिन डर उनको होना चाहिए जो भारत में आकर देश के खिलाफ साजिश करना चाहते हैं। ऐसे लोगों के मन में डर पैदा होना ही चाहिए।

विधेयक में क्या है खास

- प्रस्तावित अधिनियम में भारत में प्रवेश करने, रहने या बाहर निकलने के लिए जाली पासपोर्ट या वीजा का उपयोग करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित किया जाएगा।
- विधेयक में सात साल तक की जेल और 10 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।
- होटलों, विश्वविद्यालयों, अन्य शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम के लिए विदेशियों के बारे में जानकारी देना अनिवार्य होगा, ताकि निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने वाले विदेशियों पर नजर रखी जा सके।
- यह कानून केंद्र को उन स्थानों पर नियंत्रण करने का अधिकार देता है, जहां किसी विदेशी का आना-जाना लगा रहता है और मालिक को परिसर को बंद करने, निर्दिष्ट शर्तों के तहत इसके उपयोग की अनुमति देने या सभी या 'निर्दिष्ट वर्ग' के विदेशियों को प्रवेश देने से मना करने की आवश्यकता होती है।

इस विधेयक से एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ेगा, डेटा प्रबंधन की जटिलता समाप्त हो जाएगी। कुछ सदस्यों ने इस विधेयक को समिति को रेफर करने की सलाह दी है लेकिन तीन साल के गहन विचार के बाद गृह मंत्रालय ने इस विधेयक को तैयार किया है। देश की आवश्यकता के अनुरूप किया है। इसके प्रावधानों में भारत में प्रवेश और ठहरने के लिए वैध दस्तावेज को अनिवार्यता कर दी गई है। अप्रवास ब्यूरो पहले से ही काम कर रहा है। यह एकमात्र एजेंसी होगी जो विदेश से आने वाले लोगों का लेखा जोखा रखेगी। अब विदेशी लोगों को एक ही एजेंसी से संपर्क करना होगा। ऐसा प्रावधान कई देशों में है।

नित्यानंद राय ने कहा कि कुछ सदस्य आरोप लगा रहे हैं कि सरकार मेधावी, विदेशी विशेषज्ञों को रोकना चाह रही है लेकिन सरकार को अपने देश के मेधावी विशेषज्ञों पर गर्व है। इसलिए विदेशी लोग जो देश में आकर भारत के विकास के लिए काम करेंगे उनका विरोध नहीं किया जा रहा है लेकिन देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने वाले विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अच्छे मन से अगर विदेशी लोग आएंगे तो उनका स्वागत होगा और जो नुकसान पहुंचाएगा उसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

विधेयक पर चर्चा के दौरान इसका विरोध करते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह विधेयक यह संदेश देता है कि सभी विदेशी 'संभावित अपराधी' हैं, जिन्हें भारत को गंभीर संदेह की दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इसे स्थायी समिति के पास भेजा जाना चाहिए, क्योंकि यह निचले स्तर के अधिकारियों को अत्यधिक शक्ति प्रदान करता है और इसमें अपील, निगरानी और जवाबदेही के अलावा अन्य बातों के लिए प्रावधानों का अभाव है।

संक्षिप्त खबरें

बुलढ़ाणा सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, 23 से अधिक घायल

मुंबई। बुलढाणा जिले में शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर खामगांव के पास बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना में घायल 23 लोगों का इलाज आकोला और खामगांव के सरकारी अस्पताल में हो रहा है, इनमें छह घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे शेगांव से कोल्हापुर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो एक एसटी बस से टकरा गई। उसी समय पीछे से आ रही एक निजी बस ने इन दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को टक्कर मार दी। इस तरह हादसे में तीन वाहनों की टक्कर में मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। मृतकों की पहचान धनेश्वर मरावी, कृष्णकुमार मोहन सिंह सरोटे, शिवपाल, शिवाजी समाधान मुंडे, मेहरुनिसा शेख हबीब और रंजीत वानखेड़े के रूप में हुई है।

विकास यादव की अंतरिम जमानत याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड मामले में सजा काट रहे सजायाफ्ता विकास यादव की अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को करने का आदेश दिया। कोर्ट ने यूपी सरकार को निर्देश दिया कि वो चाहे तो विकास यादव की मां के स्वास्थ्य की स्थिति के आकलन के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन कर सकती है। विकास यादव की मां नोएडा के यशोदा अस्पताल में भर्ती हैं। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल बोर्ड यशोदा अस्पताल के डॉक्टरों से मेडिकल दस्तावेज देख सकती है। सुनवाई के दौरान विकास यादव की ओर से पेश वकील ने कहा कि विकास यादव की मां की अस्पताल में स्थिति लगातार खराब हो रही है। डॉक्टर उन्हें सर्जरी के लिए कह रहे हैं लेकिन वे सर्जरी करने की अनुमति नहीं दे रही हैं। इसलिए विकास यादव को अंतरिम जमानत दी जाए ताकि वे अपनी मां की सर्जरी करवा सकें।

पाकिस्तानी सेना ने पुंछ में किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एलओसी पर बारूदी सुरंग में विस्फोट के बाद बिना उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। सेना के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि भारतीय सेना ने संघर्ष विराम उल्लंघन का 'प्रभावी ढंग से' जवाब दिया और एलओसी पर स्थिति नियंत्रण में है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना मंगलवार अपराह्न एक बजकर 10 मिनट की है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया जबकि आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट और उसके बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी में दुश्मन सेना के 5 जवान घायल हो गए। जम्मू स्थित सेना के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा कि एक अप्रैल कृष्णा घाटी सेक्टर में बारूदी सुरंग में उस समय विस्फोट हुआ जब पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पर गश्त कर रही थी। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के गोलीबारी की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पर मजबूत है। स्थिति नियंत्रण में है।

शिवाजी महाराज ने आक्रमणकारियों से युद्ध हारने की लंबी परंपरा खत्म की: संघ प्रमुख

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में आक्रमणकारियों से लगातार युद्ध हारने की लंबी परंपरा खत्म की। उन्होंने शिवाजी महाराज को विदेशी आक्रांताओं को करारा जवाब देने वाला पहला योद्धा करार दिया। नागपुर में एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों से युद्ध हारने की परंपरा सिकंदर महान के समय से चली आ रही थी और यह इस्लाम के प्रसार की आड़ में किए गए बड़े आक्रमणों के दौरान भी जारी रही। उन्होंने कहा कि लड़ाई हारने और साम्राज्यों को नष्ट होते देखने की यह परंपरा सदियों तक जारी रही, जिसे विजयनगर साम्राज्य या राजस्थान के शासक भी खत्म नहीं कर सके।

संघ प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि 17वीं शताब्दी में मराठा साम्राज्य की स्थापना करने वाले शिवाजी महाराज ऐसे आक्रमणों का करारा जवाब देने वाले पहले योद्धा थे। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज पहले योद्धा थे, जिन्होंने ऐसे हमलों और आक्रमणों का करार जवाब दिया। विदेशी आक्रमणकारियों से एक के बाद एक युद्ध हारने का युग शिवाजी महाराज के उदय के साथ समाप्त हुआ, क्योंकि उन्होंने इसका समाधान पेश किया। भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज को 'युगपुरुष' कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने देश में मुगल आक्रमण सहित अन्य आक्रमणों के चक्र को रोक दिया था। उन्होंने याद किया कि शिवाजी महाराज कैसे आगरा में मुगल बादशाह औरंगजेब की कैद से

भाग गए थे, जिससे उन्हें क्षेत्रों को सफलतापूर्वक वापस हासिल करने में मदद मिली। संघ प्रमुख ने कहा कि उन्होंने पहले शांति समझौते में जो कुछ भी (छोड़ने) पर सहमति जताई थी, उसे वापस हासिल कर लिया और छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में खुद का राज्याभिषेक किया। उनके राज्याभिषेक से देश में ऐसे आक्रमणकारियों का अंत हो गया।

उन्होंने बाद में अन्य क्षेत्रीय शासकों के नेतृत्व में शुरू हुई प्रतिरोध की लहर का जिक्र किया, जो मराठा शासक से प्रेरित थे। भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज ने देश के दक्षिणी हिस्सों पर जीत हासिल की और बुंदेलखंड में छत्रसाल, राजस्थान में दुर्गादास राठौड़ के नेतृत्व में राजाओं और यहां तक कि कूच बिहार के चक्रध्वज सिंह जैसे शासकों ने भी मुगलों को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि चक्रध्वज सिंह ने एक अन्य राजा को पत्र लिखकर शिवाजी महाराज का उदाहरण दिया था और उनसे 'बंगाल की खाड़ी में राक्षसों को डुबोने' के उनके तरीके पर अमल करने का आग्रह किया था।

एनएसईएल: ईडी ने की 116 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने अपनी धनशोधन जांच के तहत 'नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल)' से जुड़े कुछ कथित उल्लंघनकर्ताओं की 116 करोड़ रुपये की और संपत्ति कुर्क की है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि पीएमएलए के तहत 31 मार्च को मुंबई, दिल्ली और राजस्थान के कुछ शहरों में 15 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का एक अनंतिम आदेश जारी किया गया। उसने कहा कि ये संपत्तियां एनएसईएल के विभिन्न 'उल्लंघनकर्ताओं' जैसे 'मोहन इंडिया ग्रुप', 'विमलादेवी एग्रोटेक लिमिटेड', 'यथुरी एसोसिएट्स' और 'लोटस रिफाइनरीज' की हैं। ईडी ने बताया कि इन संपत्तियों की कीमत 115.86 करोड़ रुपये है।

ईडी का आरोप है कि आरोपियों ने निवेशकों को 'ठगने' के लिए एक आपराधिक साजिश रची, उन्हें एनएसईएल के मंच पर व्यापार करने के लिए प्रेरित किया, 'फर्जी' गोदाम रसीदों जैसे 'जाली' दस्तावेज बनाए, खातों में 'जालसाजी' की और इस तरह आपराधिक विश्वासघात करते हुए निवेशकों से 5,600 करोड़ रुपये की ठगी की। ईडी ने इस जांच के तहत अब तक कुल 3,433 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

मध्यप्रदेश में मुठभेड़ में 14-14 लाख रुपये की ईनामी दो महिला नक्सली ढेर

भोपाल। मध्यप्रदेश के मंडला जिले में बुधवार सुबह पुलिस से मुठभेड़ में 14-14 लाख रुपये की ईनामी दो महिला नक्सली ढेर हो गई। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने बताया कि मुठभेड़ बिछिया थाना क्षेत्र में हुई। मुठभेड़ स्थल से एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), एक साधारण राइफल, एक वायरलेस सेट और कुछ दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। मकवाना ने बताया कि अन्य नक्सलियों की तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि दोनों नक्सलियों पर 14-14 लाख रुपये का ईनाम था। उन्होंने कहा कि मैं सुरक्षा बल के सभी जवानों को उनकी बहादुरी और साहस के लिए बधाई देता हूं। यह सफलता निश्चित रूप से आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मार्च 2026 तक भारत को नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त करने के संकल्प को गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और मध्यप्रदेश आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद से पूरी तरह मुक्त होगा।

मप्र पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों कट्टर

महिला नक्सली माओवादियों के एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन के केबी (कान्हा भोरमदेव) डिवीजन के भोरमदेव एरिया कमेटी की सदस्य थीं। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के मुंडीदादर-गनेरीदादर-परसाटोला वन क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। माओवादियों ने सुरक्षा बलों को हताहत करने और उनके हथियार लूटने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो वर्दीधारी कट्टर महिला माओवादी मारी गईं।

अधिकारी के अनुसार, मारे गए नक्सलियों में से एक की पहचान एसीएम (एरिया कमेटी सदस्य) ममता उर्फ रमाबाई के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के करोंची थाना अंतर्गत मुरकुडी की निवासी एसजेडसीएम, केबी डिवीजन के राकेश ओडी की पत्नी थी। उसके पास से एक सिंगल-शॉट राइफल बरामद की गई। दूसरी नक्सली की पहचान एसीएम प्रमिला उर्फ मासे मंडावी, भोरमदेव एरिया कमेटी के रूप में हुई है। वह छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चिंतलनार थाना अंतर्गत पालीगुढ़ेम की निवासी थी।

अधिकारी ने बताया कि उसके पास से एक एसएलआर बरामद की गई है। अधिकारी के अनुसार, राज्य में यह पहली बार है कि डेढ़ महीने में दो मुठभेड़ों में छह माओवादी मारे गए हैं।

फिर बिगड़ी राजधानी की आबोहवा

ग्रैप -1 की पाबंदियां हुई लागू, 217 दर्ज हुआ एक्यूआई

नई दिल्ली। राजधानी की आबोहवा एक बार फिर बिगड़ गई है। बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 217 दर्ज किया। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता में गिरावट को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के स्टेज-1 की पाबंदियों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश जारी किया है। सीएक्यूएम ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में लिया है।

सीएक्यूएम की सब-कमेटी ने बुधवार को बैठक कर दिल्ली-एनसीआर के वायु गुणवत्ता परिदृश्य की समीक्षा की। आईएमडी व आईआईटीएम की भविष्यवाणी व दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स

फाइल फोटो

(एक्यूआई) के बढ़ते स्तर को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आज दिल्ली का एक्यूआई 217 रिकॉर्ड किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान भी दर्शाता है कि आगामी दिनों में कम वेंटिलेशन कॉफिशिएंट, हवा की गति में कमी व प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी रह सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देश में कहा था कि यदि एक्यूआई 200 से ऊपर होता है तो ग्रैप एक की पाबंदियां लागू होंगी। अगर 300 से ऊपर एक्यूआई चला जाए तो ग्रैप दो की पाबंदियां लागू की जाती हैं।

क्या हैं पाबंदियां

ग्रैप के स्टेज-1 के तहत निर्माण और धूल प्रदूषण नियंत्रण, खुले स्थानों और सड़कों पर धूल के स्तर को कम करने के लिए उपाय किए जाएंगे। सभी संबंधित एजेंसियों को कड़ाई से इन नियमों का पालन करने व एक्यूआई को और अधिक गिरने से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से निर्माण व विध्वंस गतिविधियां, सड़कों और खुले क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के उपायों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एक्यूआई 350 से अधिक होता है तो स्टेज-III और यदि 400 से अधिक होता है तो स्टेज-IV के उपाय लागू किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शनिवार को ग्रैप एक की पाबंदियां हटाईं गई थी।

पुल ढहने की घटना: कोर्ट ने कहा-अधिकारी निलंबित किये गए, बाद में वापस बुला लिये

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पुल ढहने की घटनाओं को लेकर बिहार सरकार को आड़े हाथ लेते हुए बुधवार को कहा कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था लेकिन हंगामा शांत होने के बाद उन्हें वापस बहाल कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका को पटना हाई कोर्ट स्थानांतरित कर दिया जिसमें बिहार में हाल के महीनों में कई पुलों के ढह जाने का दावा करते हुए पुलों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी गयी थी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि पटना हाई कोर्ट बिहार में पुलों के संरचनात्मक और सुरक्षा आडिट को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की मासिक आधार पर निगरानी कर सकता है।

पीठ ने कहा कि पुल ढहने की घटना के बाद कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन घटना पर हंगामा शांत होने के बाद उन्हें वापस बहाल कर दिया गया। शीर्ष अदालत ने वकील एवं याचिकाकर्ता ब्रजेश सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका पर राज्य सरकार और उसके प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जवाब की भी आलोचना की।

पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता एवं वकील ब्रजेश सिंह, राज्य प्राधिकारियों और एनएचएआई को 14 मई को हाई कोर्ट में उपस्थित होने को कहा, जब मामले की अगली सुनवाई की तारीख वहां निर्धारित की जाएगी। इस मामले की संक्षिप्त सुनवाई में राज्य सरकार ने कहा कि उसने राज्य में लगभग 10,000 पुलों का निरीक्षण किया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हमने जवाबी हलफनामे का अध्ययन किया है। हम मामले को पटना हाई कोर्ट में स्थानांतरित कर रहे हैं। जवाबी हलफनामे में उन्होंने (राज्य के प्राधिकारियों ने) विस्तार से बताया है कि वे क्या कर रहे हैं।

1.01 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन ठग गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। थाना साइबर क्राइम ने बुधवार को रियल 11 गेमिंग मोबाइल एप के पेमेन्ट गेट–वे को हैक कर 1.01 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमे दो आरोपित पिता–पुत्र हैं। इनके कब्जे से चेक बुक, पासबुक, एटीएम व मोबाइल फोन बरामद किये गये। आरोपितों के 25 लाख रुपये फ्रीज कराये गए।

एडीसीपी पीयूष सिंह ने पत्रकारों को बताया कि अमित यादव के साथ उनकी कम्पनी के रियल 11 गेमिंग मोबाइल एप पेमेन्ट गेट–वे को साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया। अपराधियों ने यूजर आईडी वालेट बनाकर उसमें कुछ पैसे जमा कर गेमिंग एप के पेमेन्ट गेटवे को हैक कर पैसे जमा किया। इसके बाद जमा किए गए धनराशि से अधिक धनराशि वालेट में जमा दिखाकर अपने वालेट से रिफंड के रूप में विभिन्न खातों में कुल 1,01,14,095 रुपये निकालकर साइबर फ्रॉड की घटना को अंजाम दिया। इस सम्बंध में अमित यादव ने 27 नवम्बर 2024 को थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कराया। कार्रवाई करते हुए साइबर टीम ने अन्तरराज्यीय गिरोह के सदस्य बाराबंकी के फतेहपुर निवासी देशराज, अभिषेक कुमार और आकाश को विजय नगर से गिरफ्तार किया है। देशराज ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उनका बेटा रजनीश पिछले काफी समय से तमिलनाडू में तो दूसरा बेटा आनन्द झारखण्ड में रह रहा है। दोनों कुछ लोगों के साथ मिलकर गेमिंग एप को हैक कर धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दे रहे थे। बेटों के कहने पर मैंने अपने गांव के अन्य लोगों को जोड़ा। बैंक में खाते खुलवाकर तथा अपने–अपने मोबाइल नम्बरों से रियल 11 गेमिंग मोबाइल एप में यूजर आईडी बनाकर गेमिंग एप के वालेट में कुछ पैसे जमा करते थे।

इसके बाद बेटे अपने साथियों के साथ मिलकर गेमिंग एप के प्लेटफार्म पेमेन्ट गेट–वे सॉफ्टवेयर में एपीआईके माध्यम से एप को हैक कर वालेट में जमा की गई धनराशि को कई गुना बढ़ा कर वालेट से धनराशि को लिंक बैंक खातों में निकाल लेते थे। इस प्रकार रिफण्ड के रूप में साइबर धोखाधड़ी कर 20 बैंक खातों में कुल 1,01,14,095 रुपये प्राप्त किये हैं। घटना के पैसे देशराज के बैंक खाते से एटीएम से निकालते हुए सीसीटीवी फुटेज में पैसे निकालने वाले की शिनाख्त देशराज के के रूप में हुई है। आनन्द वर्तमान में थाना शहर पलामू झारखंड के मुकदमे में जेल में बन्द है। अभियुक्त रजनीश की तलाश की जा रही है।

नोएडा के दो नामी बिल्डरों पर प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

एक की आरसी जारी, दूसरे के खिलाफ एफआईआर

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण का बकाया धनराशि जमा न करने पर एक बिल्डर्स के मुख्य द्वार पर चस्पा की गई सार्वजनिक सूचि पर काली स्याही लगाने के मामले में संबंधित थाने में प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

इसके अलावा सेक्टर–78 स्थित अन्तरिक्ष डेवलपर्स एंड प्रमोटर्स प्रालि. के खिलाफ आरसी जारी की गई है।नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मैसर्स अन्तरिक्ष डेवलपर्स एण्ड प्रमोटर्स प्रा०लि० के पक्ष में आवंटित ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड संख्या जीएच–5ए, सेक्टर–78 नोएडा के विरूद्ध प्राधिकरण की अतिदेय धनराशि जमा कराने के लिए समय–समय पर नोटिस जारी किये गए। इसके बावजूद आवंटी द्वारा भूखण्ड के विरूद्ध देय धनराशि जमा नहीं करायी गयी। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि आवंटी को शासनादेश 21 दिसंबर 2023 के क्रम में कोविड–19 का लाभ देते हुए गणना कर देय धनराशि का 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराने को सूचित किया गया था। फिर भी आवंटी द्वारा धनराशि जमा नहीं करायी गयी।

उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा उक्त भूखण्ड के विरूद्ध किश्तों एवं भू–भाटक के मद में 28 फरवरी 2025 तक देय धनराशि लगभग रूपये 272.96 करोड़ की वसूली भू–राजस्व की भाँति करने के लिए आज यानी 2 अप्रैल 2025 को कलेक्टर, गौतम बुद्ध नगर को पत्र प्रेषित किया गया है।उन्होंने बताया कि इसके अलावा मैसर्स जीएस प्रमोटर्स प्रालि. को आवंटित ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड संख्या जीएच–1सी सेक्टर–78 नोएडा के विरूद्ध प्राधिकरण की अतिदेयता जमा न किये जाने के फलस्वरूप प्राधिकरण द्वारा सोसायटी के मुख्य प्रवेश द्वार पर उक्त भूखण्ड के विरूद्ध 30 अप्रैल 2024 तक की अतिदेय धनराशि सम्बन्धी सार्वजनिक सूचना का बोर्ड लगाया गया था। उन्होंने बताया कि आज उक्त के स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्राधिकरण द्वारा लगाये गये सार्वजनिक सूचना सम्बन्धी बोर्ड में प्राधिकरण की देयता सम्बन्धी सूचना को काली स्याही से मिटा दिया गया है। इस सम्बन्ध में प्राधिकरण द्वारा बिल्डर मैसर्स जीएस प्रमोटर्स प्रालि. के विरूद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

संक्षिप्त खबरें

गार्डन गैलेरिया में पार्टी कर रही तीन युवतियों से छेड़छाड़ का आरोप

नोएडा। अक्सर विवादों में रहने वाले गार्डन गैलेरिया मॉल के बार फिर सुर्खियों में है। इस बार तीन युवतियों से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने गलत हरकत की और विरोध पर अपहरण की धमकी दी। मामले में कोतवाली सेक्टर–39 में एक नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़ित युवती ने बताया कि पिछले दिनों वह अपनी दो सहेलियों के साथ गार्डन गैलेरिया में पार्टी करने गई थी। पब में तीनों डांस कर रही थीं तभी तीन युवक उनके पास आए और छेड़खानी करने लगे। युवतियों ने विरोध किया, फिर भी वे नहीं माने। शराब के नशे में धुत्त आरोपियों ने युवतियों के साथ डांस करने की जिद करने लगे। आरोप है कि मना करने पर युवकों ने युवतियों के साथ धक्का–मुक्की की और गलत तरीके से छूने का प्रयास किया। परेशान होकर युवतियों ने मैनेजर से शिकायत की तो उसने युवकों को बाहर जाने को कहा। इस दौरान भी कुछ देर तक दोनों पक्षों में बहसबाजी होती रही। आरोपी दीपंजन घोष ने युवती के कंधे पर हाथ मारा और बाहर निकलने पर अपहरण की धमकी दी। इसके बाद तीनों युवतियां डर गईं और काफी देर तक बाहर नहीं निकलीं। इस दौरान मामले की सूचना पर पुलिस की टीम पहुंची तब युवतियों ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस मॉल के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है।

एचआईएमटी में आज से जॉब फेयर लगेगा

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित एचआईएमटी कॉलेज में आज से दो दिवसीय मेगा जॉब फेयर का आयोजन होगा। जिसमें लगभग 53 कंपनियां हिस्सा लेगी। जॉब क्वेस्ट 25 में इंजीनियरिंग, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मैनेजमेंट, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मेसी और लीगल स्टडीज सहित विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को नौकरी के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। संस्थान के चेयरमैन हेम सिंह बंसल ने कहा कि संस्थान शिक्षा और उद्योग के बीच के अंतर को भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मेगा प्लेसमेंट ड्राइव में 53 कंपनियां भाग ले रही हैं। कौशल विकास और करियर मार्गदर्शन पर जोर देने के साथ, जॉब फेयर में छात्रों को आवश्यक रोजगार कौशल से लैस करने के लिए कार्यशालाएं, रिज्यूमे बिल्डिंग सत्र और विशेषज्ञ वार्ता भी शामिल होंगी।

किसानों को अस्पतालों एवं स्कूलों में छूट नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

ग्रेटर नोएडा। किसानों को अस्पतालों एवं स्कूलों में छूट की मांग को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी नवीन कुमार एवं संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी प्रेम प्रधान के नेतृत्व में बुधवार को बोर्ड रूम में बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में संगठन ने प्राधिकरण को पन्द्रह दिन का समय दिया है। इसके बाद आंदोलन की चेतावनी दी है। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय एवं बलराज हूंण ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के अधिकतर स्कूलों एवं अस्पतालों को प्राधिकरण ने सस्ते दामों पर जमीन आवंटित की थी। इन सभी भूखंडों की लीज डीड में यह शर्त है कि स्थानीय किसानों के बच्चों की पढ़ाई में 25% छूट दी जाएगी। वहीं अस्पतालों में 2 घंटे सुबह 2 घंटे शाम ओपीडी फ्री रखी जाएगी एवं गांवों के गरीब लोगों का इलाज निशुल्क किया जाएगा। इस दौरान चौधरी बलराज हूंण, चौधरी प्रेमराज भाटी, प्रेम प्रधान, कुलबीर भाटी, गौरव भाटी, यतेंद्र नागर, दुलीचंद नागर आदि लोग मौजूद रहें।

हवेली में चोरी करने का आरोप

रबुपुरा। गांव रौनिजा स्थित एक हवेली से केयर टेकर पर चोरी का आरोप लगा। हवेली के मालिक ने पुलिस से शिकायत की है। ग्रेटर नोएडा में रहने वाले डीके गर्ग ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि गांव रौनिजा में उनकी पुश्तैनी हवेली है। इसकी देखभाल और साफ सफाई के लिए गांव निवासी भारत और राहुल को बतौर केयर टेकर रखा हुआ था। आरोप है कि दोनों ने हवेली की दीवार के एक हिस्से को तोड़कर गिरा दिया।

2 जगह पुलिस व बदमाशों के बीच चली गोलियां दो हत्यारोपित समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

पुलिस की गोलियों से दो बदमाश हुए लंगड़े

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। दिल्ली से ट्रांस हिंडन क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार की रात में दो अलग–अलग मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन अपराधियों ने मुठभेड़ के दौरान पुलिस पर फायरिंग कर दी । इसके जवाब में पुलिस ने भी इन बदमाशों पर गोलियां चलाई। जिसमें दो अपराधियों के पैर में गोली लगी और घायल हो गए। घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दो बदमाशों ने पिछले दिनों कौशाम्बी में हत्या करने की घायल का इकबाल किया है।

पहली मुठभेड़ साहिबाबाद क्षेत्र में हुई एसीपी साहिबाबाद श्वेता कुमारी यादव ने बुधवार की सुबह बताया कि साहिबाबाद पुलिस फरुखनगर रोड पर बटर पाठ मोड के पास चैकिंग कर रही थी। तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया लेकिन वे भागने लगे। पुलिस ने इनका पीछा किया और दोनों को घेर लिया। घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं। जिसमें एक बदमाश घायल होकर वहीं गिर पड़ा, जिसे दबोच लिया गया। घायल बदमाश ने अपना नाम शहनवाज बताया। जो ईदगाह के पास इकबाल कॉलोनी पसौडा थाना टीलामोड का रहने वाला है। उसका साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। इसके कब्जे से 01 तमंचा, 01 जिंदा कारतूस व 01 खोखा कारतूस, लूट व चोरी की घटनाओं से संबंधित 7,400 रुपये व चोरी की 01 मोटर साइकिल बरामद हुई है।

दूसरी मुठभेड़ कौशांबी थाना क्षेत्र की 2/5 पुलिया के पास हुई। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव के मुताबिक यह मुठभेड़ उस समय हुई जब पुलिया पर पुलिस संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार में दो युवक संदिग्ध अवस्था में आते हुए दिखाई दिए और पुलिस को देखकर यह लोग तेजी से भागते हुए निकलने लगे। तभी उनकी कार कुछ आगे चलकर टकरा गई। तो पुलिस ने घेर लिया इनमें से एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की और दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया घायल बदमाश का नाम जीशान अंसारी है । जो कविता पैलेस आज़ाद विहार कॉलोनी थाना खोड़ा का रहने वाला है । जबकि दूसरे बदमाश का नाम आले नबी है जो सिंघावली मेरठ का निवासी है। इन दोनों बदमाशों ने कौशाम्बी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की हत्या करने की घटना में शामिल होने का इकबाल किया है। इनके कब्जे से एक तमंचा बरामद किया गया है।

नोएडा पुलिस में बड़ा फेरबदल कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर ने कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। कई थाने को नए प्रभारी मिले हैं। चर्चा है कि कई अन्य थाना प्रभारी निरीक्षकों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया जायेगा।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि फेस–वन थाना प्रभारी अमित कुमार भड़ाना को बादलपुर थाने का प्रभारी बनाया गया है। आगरा से ट्रांसफर पर गौतम बुद्ध नगर आए पुलिस लाइन में तैनात अमित मान को फेस–वन थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि कासना थाना प्रभारी विनोद कुमार को बीटा टू थाने की जिम्मेदारी मिली है। उनकी जगह धर्मेंद्र कुमार शुक्ला को कासना थाने का प्रभारी बनाया गया है।

धर्मेंद्र कुमार मीडिया सेल के प्रभारी निरीक्षक थे। विद्युत गोयल को पुलिस लाइन से अपराध शाखा भेजा गया है। बादलपुर के थाना प्रभारी अमरीश सिंह को आईटी सेल सेंट्रल नोएडा भेजा गया है। इसी तरह राकेश गौतम, विजय कुमार गौतम और हरेलाल मिश्रा को पुलिस लाइन से आईटी सेल सेंट्रल नोएडा और थाना सेक्टर–142 भेजा गया है। आने वाले दिनों में कई अन्य थाने के प्रभारियों के बदलने की अटकलें हैं।

शादी के घर में पसरा मातम, ईद मनाकर लौट रहे युवक की दर्दनाक मौत

❖ जनभावना टाइम्स

● अगले महीने होनी थी युवक की शादी, चल रही थी तैयारियां

गाजियाबाद। साहिबाबाद के पसोंडा में रहने वाले एक परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदल गयी,जब एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गयी। दरअसल मरने वाले युवक की अगले महीने शादी होने वाली थी और वह मंगलवार की रात को अपने मामा के साथ ईद मनाकर लौट रहा था।

मरने वाला युवक 23 साल का समीर है। समीर अपने बहनोई शमीम निवासी सीलमपुर, दिल्ली व बहनोई अफरोज निवासी मुजफ्फरनगर के साथ मंगलवार को देर ईद मनाकर लौट रहा था। जब वह देर रात में डासना फ्लाई ओवर की ओर से कविनगर थाना क्षेत्र में पुलिस लाइन के सामने पहुंचे। तो उन्हें वहां मुख्य मार्ग पर बने स्पीड ब्रेकर दिखाई नहीं दिए और बाइक ब्रेकर से कूदती हुई सड़क किनारे जा गिरी। हादसा इतना भयानक हुआ कि बाइक पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल उन्हें संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल पहुंचाया।

जहां समीर को मृत घोषित कर दिया गया। एसीपी स्वतन्त्र कुमार के मुताबिक समीर का एक दोस्त हापुड़ जिले के पिलखुवा में रहता है। ईद के दिन मोटरसाइकिल से समीर अपने मामा और बहनोई के साथ दोस्त के घर गया था। वहां से देर रात ईद मनाकर तीनों पसोंडा लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिस लाइंस के सामने ये हादसा हुआ। समीर परिवार में छोटा था। पेंट का काम करता था। उसके भाई सलमान ने बताया कि उसकी शादी अगले महीने होनी थी। जिसकी तैयारियां जोर शोर से चल रही थी। परिवार को जैसे ही हादसे की जानकारी हुई ईद की खुशियां अचानक मातम में तब्दील हो गईं। पुलिस ने समीर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

6.5 लाख की साइबर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन और दो चेक बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि ये आरोपी फर्जी कॉल कर खुद को लोन कंपनी का अधिकारी बताकर लोगों को ठगते थे। नोएडा के एक व्यक्ति ने बजाज फिनसर्व से 12 लाख रुपये का लोन लेने की प्रक्रिया शुरू की थी।

इस दौरान पीड़ित को एक कॉल आई, जिसमें खुद को बजाज फिनसर्व कंपनी का रिलेशनशिप मैनेजर बताने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि अगर वह चेक के माध्यम से पैसे जमा करता है, तो उसे कम ब्याज देना होगा और जमा की गई राशि उसके मूल ऋण से समायोजित कर दी जाएगी। आरोपियों की इस बात पर भरोसा कर शिकायतकर्ता ने चेक के माध्यम से 6.5 लाख रुपये जमा कर दिए। जब उसे ठगी का अहसास हुआ, तो उसने 24 मार्च को थाना साइबर क्राइम नोएडा में शिकायत दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना साइबर क्राइम नोएडा पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू की। आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी और साक्ष्य एकत्र किए।

आखिरकार, मंगलवार को नोएडा के सेक्टर 62 से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में एक प्रिंस कुमार (मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले का निवासी) है, जो वर्तमान में नोएडा के सेक्टर 76 के आम्रपाली सिलिकॉन सिटी में रह रहा था।

दूसरा आरोपी सुशील कुमार (मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिले का निवासी) है, जो फिलहाल नोएडा के सेक्टर 122 के जनता फ्लैट में रह रहा था। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लोन लेने वाले लोगों को फोन करते थे। वे खुद को संबंधित लोन कंपनी का कर्मचारी बताकर लोगों को झांसे में लेते थे और ब्याज दर कम करने का लालच देकर बड़ी रकम ऐंठ लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और दो चेक बरामद किए हैं। नोएडा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर अपराधियों से सतर्क रहें और किसी भी अनजान कॉल या मैसेज के झांसे में न आएं।

एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल रिसर्च में भारत की नई ऊंचाई

AIIMS दिल्ली में हुआ EVOLVE 2025 सम्मेलन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल सोसाइटी (InSEV) द्वारा आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, EVOLVE 2025, 24–26 मार्च 2025 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह भारत में अपनी तरह का पहला सम्मेलन था, जो विशेष रूप से एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल (EV) रिसर्च को समर्पित था।

InSEV की स्थापना 2023 में प्रो. सुजाता मोहंती द्वारा की गई थी, जो इसकी संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। यह संगठन भारत में EV रिसर्च और इसके अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। InSEV वैश्विक EV नेटवर्क का हिस्सा है और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स (ISEV) से भी जुड़ा हुआ है, जहां InSEV के अध्यक्ष को बोर्ड सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

EVOLVE 2025 में 13 अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं, 30 से अधिक प्रतिष्ठित भारतीय विशेषज्ञों, और देश–विदेश के लगभग 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन नीति आयोग के सदस्य प्रो. विनोद के. पॉल ने किया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। आईएलबीएस (ILBS) के निदेशक प्रो. शिव के. सरिन इस आयोजन के विशिष्ट अतिथि रहे। इसके अलावा, AIIMS दिल्ली के निदेशक प्रो. एम. श्रीनिवास, डीन (रिसर्च) डॉ. निखिल टंडन, डीन (अकादमिक) डॉ. कौशल वर्मा, THSTI के निदेशक प्रो. जी. कार्तिकेयन, और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अल्का शर्मा जैसी जानी–मानी हस्तियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। ISEV के चार बोर्ड सदस्य – डॉ. सुरेश मथिवानन, डॉ. एना क्लॉडिया ट्रोकॉली टोरेसिल्हास, डॉ. माई जी. महोनी, और डॉ. एंड्रियास मोलर ने भी सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मलेशियाई EV सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. नुरहायाती बिंती लियाकत अली खान ने भी सम्मेलन में भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

EVOLVE 2025 के पहले, 22–23 मार्च को एक हैंड्स–ऑन वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को EV आइसोलेशन, कैरेक्टराइजेशन और फंक्शनल एनालिसिस की अत्याधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। सम्मेलन में EV रिसर्च के मौलिक जीवविज्ञान, ट्रांसलेशनल अनुप्रयोगों और संभावित चिकित्सीय नवाचारों पर विचार–विमर्श किया गया। यह आयोजन भारत को वैश्विक EV अनुसंधान मानचित्र पर मजबूत स्थिति में लाने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण वाले उपाय कड़े किये

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की घोषणा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की है कि सरकार वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अन्य राज्यों के वाहनों को प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक नई नीति पेश करेगी।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 'दिल्ली में वाहनों से होने वाला वायु प्रदूषण' शीर्षक वाली रिपोर्ट के जवाब में यह कदम उठाया गया है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण तंत्र में खामियों को उजागर किया गया है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग सुविधा के विस्तार की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2026 तक राजधानी में 48,000 चार्जिंग पॉइंट होंगे, जिसमें 18,000 सरकार द्वारा संचालित होंगे जबकि 30000 अर्धसरकारी होंगे। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण की निगरानी और उसकी रोकथाम को मजबूती

प्रदान करने के लिए छह नए वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रसंस्करण के लिए समर्पित एक नया इको-पार्क स्थापित करने की योजना का भी खुलासा किया, जिसका उद्देश्य ई-कचरे के अनुचित निपटान से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकना है। रेखा गुप्ता ने कैग रिपोर्ट पर कहा कि कदम प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की लड़ाई को मजबूत करने, सख्त प्रवर्तन और बेहतर बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण लगातार एक चुनौती बना हुआ है, इसलिए सरकार के नवीनतम उपायों का उद्देश्य नीतिगत कमियों को दूर करना और लोगों के लिए स्वच्छ वायु सुनिश्चित करने के लिए विनियामक निगरानी में सुधार करना है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की आठवीं विधानसभा के पहले बजट सत्र के अंतिम दिन ये घोषणायें की ।

जल संकट और फर्जी बिल को लेकर दिल्ली की जनता को जल्द मिलेगी खुशखबरी : प्रवेश वर्मा

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्ली का करीब एक दर्जन विधायकों की ओर पानी के गलत तरीके से आ रहे बिलों की शिकायत पर सदन में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग दस साल सत्ता में रहे है। इसमें समय लगेगा। चीजें ठीक करने में समय लगेगा उन्होंने कहा कि 100 गज और 25 गज के मकानों में लाखों के बिल आ रहे हैं। ऐसा तब की सरकारों ने लोगों को धमकाने के लिए किया था। मारवाह जी कह रहे थे कि हमारे मान-सम्मान की रक्षा कीजिए। उन्हें कहना चाहता हूं मान-सम्मान का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से बात हुई है बहुत ही जल्द खुशखबरी भी देंगे। जब-तक समस्या का निवारण नहीं हो जाता तो कनेक्शन कटेगा नहीं। मीटर रीडर बहुत बदमाशी करते हैं। अगर कोई बदमाशी करता है है तो सेटलमेंट में मत जाना। हम सारी बीमारी ठीक करेंगे। मीटर भी ठीक कराएंगे। उन्होंने कहा किमीटर में करप्शन की भी जांच कराएंगे। दिल्ली में पानी लोगो को नहीं मिल था। हमारी कोशिश साफ पानी देने की है फर्जी बिल न आए और अगर गलत बिल है तो जल्द ही उन्हें खुशखबरी देंगे। बुधवार को बढ़ते पानी के बिलों और अनियमित आपूर्ति को लेकर विधानसभा में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पानी के अधिक बिल आने की शिकायतें गंभीर हैं और सरकार जल्द ही इस पर राहत प्रदान करने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जब तक समाधान नहीं निकलता, किसी भी उपभोक्ता का पानी कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। प्रवेश वर्मा ने मीटर रीडरों पर भी आरोप लगाया कि वे अनियमितताएं कर रहे हैं, जिससे लोगों को गलत बिल मिल रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर कोई मीटर रीडर गड़बड़ी करता है तो उसकी शिकायत करें। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने भी विरोध जताया। दिल्ली में गर्मियों के मौसम में पानी की मांग तेजी से बढ़ जाती है, लेकिन आपूर्ति में कमी से लोग परेशान हैं। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि पुरानी पाइपलाइनें, बढ़ती आबादी और पड़ोसी राज्यों से पर्याप्त पानी न मिलना इस संकट के मुख्य कारण हैं।

विस के इतिहास का सबसे झूठा बजट : आतिशी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने भाजपा सरकार के बजट को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 1 लाख करोड़ के बजट का महज जुमला दिया है, लेकिन उनके ही अधिकारियों ने इस झूठ को बेनकाब कर दिया।

आतिशी ने बताया कि 31 मार्च को दिल्ली सरकार के वित्त विभाग से जारी आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में कुल बजट का केवल 5 प्रतिशत खर्च करने की अनुमति दी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि अप्रैल महीने में सरकार केवल 5,000 करोड़ ही खर्च कर सकती है। इसी आधार पर पूरे साल में सरकार 60,000 करोड़ ही खर्च कर सकेगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार के पास खर्च करने के लिए पैसा ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का यह बजट विधानसभा के इतिहास का सबसे झूठा बजट है। दिल्ली सरकार ने बजट पेश करते समय 1 लाख करोड़ का दावा किया, जबकि हकीकत में यह बजट मात्र 78,000 करोड़ का ही है। यहां तक कि भाजपा सरकार के वित्त विभाग ने खुद इस झूठे बजट को उजागर कर दिया है। आतिशी ने कहा कि जब सरकार के पास 60,000 करोड़ से अधिक का राजस्व ही नहीं है, तो 1 लाख करोड़ का बजट पेश करना पूरी तरह से जुमलेबाजी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को गुमराह कर रही है और झूठे आंकड़ों के सहारे अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। 31 मार्च को जारी वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, किसी भी विभाग को अप्रैल में बजट का मात्र 5 प्रतिशत खर्च करने की इजाजत दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

द्वारका सेक्टर 23 इलाके में मोटर वर्कशॉप में लगी आग

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर 23 इलाके में एक मोटर वर्कशॉप में बीती देर रात अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। उन्होंने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।दमकल विभाग के अनुसार बीती देर रात 3:12 बजे सूचना मिली कि धुलसीरस गांव के पास एक कार में आग लग गई है, आग में कोई नहीं फंसा है। सूचना मिलतेही दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला आग मोटर वर्कशॉप मेंलगी है। बढ़ती आग को देखते हुए तीन और गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिकपूछताछ में रितिक नामक व्यक्ति ने बताया कि वर्कशॉप का वह मालिक है। रितिक के अनुसार बीती देर रात आग लगी थी। घटना में 10-12 कारें जल गईं।

एमटीएनएल के तार के साथ दो चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ थाना पुलिस ने मंगलवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 355 किलोग्राम एमटीएनएल की चोरी की केबल बरामद की है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आरोपितों की पहचान गाजियाबाद के गांव बेरापुर निवासी असलम और बिहार के अररिया स्थित मझुवा निवासी मोइनुद्दीन के रूप में हुई है। पुलिस ने एक अप्रैल की रात अरविंदो मार्ग पर गश्त के दौरान दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। इन्होंने बोरे में चोरी का केबल रखा हुआ था। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर आईआईटी के पास से एमटीएनएल केबल चोरी किया था। वे केबल काटकर उसमें से तांबा निकालकर बेच देते थे। पुलिस को इनके साथी असलम, अयूब और वारिस के ठिकानों के बारे में भी पता चला है। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने झपटमार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक शातिर झपटमार को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान कबीर नगर निवासी फईम उर्फ चिकना के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले दो आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बुधवार को बताया कि 28 मार्च को शिकायतकर्ता सुनील सागर मौजपुर बाबरपुर मेट्रो से बाहर आए तभी स्कूटी सवार दो लड़कों ने उनसे फोन छीन लिया। मौके से भागने के क्रम में स्कूटी गिर गई।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान में कोई समस्या नहीं : नित्यानंद राय

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट के ऑनलाइन भुगतान मॉड्यूल में कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि चालान का ऑनलाइन निपटान करने के लिए वेबपेज दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर होस्ट किया गया है।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्य सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि दिल्ली पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान मॉड्यूल में कोई समस्या नहीं है। चालान का ऑनलाइन निपटान करने के लिए वेबपेज दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर होस्ट किया गया है। किसी भी तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में, ऐसी समस्याओं की जांच और समाधान के लिए तुरंत तकनीकी टीम को सूचित किया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर किए गए भुगतान वास्तविक समय में दिखाई देते हैं और चालान सफलतापूर्वक अपडेट किए जाते हैं। चालान के भुगतान को ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर जाकर सत्यापित किया जा सकता है। यह वेबपेज किसी विशेष चालान को भुगतान के लिए किए गए प्रयासों की संख्या की जानकारी भी प्रदान करता है। राय ने बताया कि इसके अलावा भुगतान किए गए चालान की स्थिति की पुष्टि की जा सकती है और भुगतान की पर्ची भी निकाली जा सकती है। किसी वेबसाइट की कार्यक्षमता और इंटरफेस में सुधार एक सतत प्रक्रिया है और दिल्ली पुलिस लोगों को उपभोक्ता हितैषी सेवा प्रदान करने के लिए अपनी वेबसाइट का समय-समय पर अद्यतनीकरण करती रहती है। उन्होंने बताया कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर किए गए भुगतान से संबंधित शिकायत के मामले दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर दर्ज कराए जा सकते हैं।

विधानसभा में कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर आआपा का हंगामा, 7 विधायक निलंबित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आम आदमी पार्टी के विधायकों ने दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। आआपा विधायकों ने हाथ में कपिल मिश्रा के इस्तीफे के प्ले कार्ड लेकर सदन की वेल में नारेबाजी करने लगे।

हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने आआपा के सातों विधायकों को निलंबित करके मार्शल द्वारा सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। मार्शल द्वारा बाहर निकाले जाने के विरोध में आआपा के अन्य विधायक भी सदन से बाहर चले गए। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन को दस मिनट तक स्थगित कर दिया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आआपा विधायकों ने विधानसभा परिसर में बैनर और प्ले कार्ड लेकर कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। आतिशी ने कहा कि कोर्ट ने दिल्ली दंगों में भड़काऊ भाषण के लिए कपिल मिश्रा के ख़िलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं।

जब दिल्ली दंगों के सभी आरोपित तिहाड़ जेल में हैं तो क्यों दिल्ली पुलिस कपिल मिश्रा को गिरफ़्तार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कपिल मिश्रा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त क्यों नहीं कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों में भूमिका के संबंध में दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच करने का आदेश दिया है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन को स्वीकार कर लिया।

इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने भी कपिल मिश्रा के मामले में लापरवाही बरतने पर ज्योति नगर थाने के एसएचओ पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

दिल्ली भाजपा ने वक्फ बिल के समर्थन में किया प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने बुधवार को विजय चौक और रेल भवन चौराहे पर वक्फ (संशोधन) विधेयक के प्रति समर्थन जताने के लिये प्रदर्शन किया। इस विधेयक को आज लोकसभा में चर्चा और इसे पारित कराने के लिए पेश किया जायेगा। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी के सदस्यों ने तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर लिखा था, ''वक्फ विधेयक में पिछड़े मुसलमानों का हिस्सा सुनिश्चित करने के लिए मोदी जी का धन्यवाद।'' सचदेवा ने कहा, ''इस विधेयक का उद्देश्य गरीब मुसलमानों का उत्थान सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। यह उन लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करेगा, जिनके अधिकार अनुचित तरीके से छीने गए हैं।'' विधेयक का विरोध करने वालों से भाजपा नेता ने पूछा कि वे समुदाय के कल्याण के लिए किए जाने वाले उपायों के खिलाफ क्यों हैं। वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन करने के लिए विधेयक में 1995 के वक्फ अधिनियम में दूरगामी बदलावों से संबंधित प्रस्ताव है, जिसमें ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना शामिल है। इस विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के अनुसार, यह बोर्ड की शक्तियों से संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को हटाने का प्रयास करता है, जिसमें यह तय करने की शक्ति है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। इसमें केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक संरचना का प्रावधान है, तथा बोहरा और आगाखानियों के लिए औकाफ का एक अलग बोर्ड स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें मुसलमानों में शिया, सुन्नी, बोहरा, आगाखानियों और अन्य पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रावधान है। वक्फ (संशोधन) विधेयक में अधिनियम का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 करने का भी प्रावधान है। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा और पारित होने के लिए आठ घंटे का समय निर्धारित किया गया है। सरकार जहां इसे पारित कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है, वहीं विपक्ष प्रस्तावित कानून को असंवैधानिक बताकर इसकी निंदा करने में एकजुट है। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को इस पर चर्चा होने की उम्मीद है।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर कटाक्ष

लोगों के जीवन के साथ जुआ न खेलें

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। सांसद स्वाति मालीवाल ने आज आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तगड़ा कटाक्ष किया। खास बात यह है कि मालीवाल आआपा की राज्यसभा सदस्य हैं। उन्होंने एक्स पर केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि लोगों के जीवन के साथ जुआ न खेलें। सस्ते और निजी स्वार्थ के लिए पंजाब का उपयोग न करें।

स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा कि सिद्धू मूसेवाला और उन लोगों के लिए कोई सुरक्षा नहीं है, जिन्हें इसकी जरूरत है, लेकिन केजरीवाल उनके सहयोगी विभव कुमार और दिल्ली से आने वाले अन्य लोगों के लिए सैकड़ों बंदूकधारी हैं।

स्वाति मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल को सरकारी हेलिकॉप्टर की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। उन्हें लाने-ले जाने के लिए चार्टर विमान है। उनके करीबियों के लिए चंडीगढ़ में बंगले का भी इंतजाम किया गया है। स्वाति मालीवाल ने पंजाब के प्रमुख विपक्षी नेताओं की सुरक्षा हटाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 'पंजाब के सुपर मुख्यमंत्री' केजरीवाल राजनीति की अपनी सीमाएं होती हैं। जो पंजाब में हो रहा है, वह अनैतिक, अलोकतांत्रिक और खतरनाक है।

'विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस' पर सफदरजंग अस्पताल में जागरूकता वॉक का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। विश्व ऑटिज्म दिवस के अवसर पर बुधवार को सफदरजंग अस्पताल के भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग ने सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) से पीड़ित व्यक्तियों की समझ, स्वीकृति और समावेश को बढ़ावा देने के लिए ऑटिज्म जागरूकता वॉक का आयोजन किया।

सफदरजंग अस्पताल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, देखभाल करने वाले, छात्रों और ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के परिवारों ने भाग लिया। यह वॉक सफदरजंग अस्पताल से शुरू हुई और अस्पताल परिसर के प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए जिसमें ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के लिए शीघ्र निदान, चिकित्सा और सामुदायिक सहायता के महत्व पर ध्यान आकर्षित किया गया। इस अवसर पर सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने न्यूरोडाइवर्जेंट व्यक्तियों का समर्थन करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म कोई दिव्यांगता नहीं है। अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक के रूप में सफदरजंग जागरूकता फैलाने और यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को वह देखभाल मिले, जिसके वे हकदार हैं।

वीएमएमसी की प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना ने कहा कि मेडिकल छात्रों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के साथ बातचीत करने और उनका समर्थन करने के लिए ज्ञान और संवेदनशीलता से लैस होना चाहिए। सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं। सफदरजंग अस्पताल के पॉलीमायल्जिया रूमेटिका के विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. अजय गुप्ता ने बहु-विषयक हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म के लिए चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सहायता प्रणालियों को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

निरंतर जागरूकता और नीति वकालत के माध्यम से हमारा लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है, जहां ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति पनप सकें और पूर्ण जीवन जी सकें। यह कार्यक्रम देखभाल करने वालों और आम जनता को ऑटिज्म के लक्षणों, प्रारंभिक निदान के महत्व और स्पेक्ट्रम पर व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में चिकित्सा और सहायता प्रणालियों की भूमिका के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

दिल्ली के नेहरू पार्क में ऑटिज्म अवेयरनेस वॉक का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, चैप्टर ऑफ न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स दिल्ली ने आईएपी दिल्ली के सहयोग से नेहरू पार्क में ऑटिज्म अवेयरनेस वॉक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ASD) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में स्वीकृति, समावेशिता और समर्थन को प्रोत्साहित करना था।

इस वॉक में बाल रोग विशेषज्ञों, स्वास्थ्यकर्मियों, माता-पिता और अन्य पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने ऑटिज्म से जुड़े मिथकों को तोड़ने और इसके शुरुआती निदान व हस्तक्षेप को बढ़ावा देने के लिए एकजुटता दिखाई। इस दौरान 'लेबल नहीं, सक्षम बनाएं' और ;ऑटिज्म एक अलग व्यवस्था है, न कि विकार' जैसे प्रेरणादायक नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने ऑटिज्म के प्रारंभिक पहचान, उपचार और सामाजिक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि अगर समय रहते उचित हस्तक्षेप किया जाए तो ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों का जीवन गुणवत्ता पूर्ण बनाया जा सकता है। ऑटिज्म अवेयरनेस वॉक ने यह संदेश दिया कि जागरूकता और स्वीकृति से एक समावेशी समाज का निर्माण किया जा सकता है, जहां ऑटिज्म से प्रभावित बच्चे भी आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा एक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसमें न्यूरोडायवर्सिटी को अपनाने और समावेश को बढ़ावा देने की अपील की गई।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

प्लास्टिक से बढ़ता खतरा

विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए। वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्त्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये। इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है। हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है। कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं। विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है। वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

वृद्धों के लिये उजाला बना कोर्ट का फैसला

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए।

- ललित गर्ग

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में। पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए।

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए। आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ना त्रासदी है।

भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, उनकी सुविधाओं एवं स्वच्छंदता का शिकार सर्वाधिक वृद्ध हो रहे हैं। आज वृद्धजन अपनों से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। निश्चित ही वृद्ध जीवन अभिशाप बन रहा है, क्योंकि आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके।

मणिकर्ण हादसा: दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन?

- नरेंद्र भारती

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गए। चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गई। कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मणिकर्ण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी। फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे। चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं। भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं।

ताजा घटनाक्रम में बीते रविवार को मणिकर्ण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं। यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते। 2024 में चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था। साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी।

किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहां दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे। हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे। यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके। फोरलेन के लिए सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं। गत वर्ष बरसात में काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं। गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खड़े हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था। पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे। मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा।

12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था। पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था। 12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था। यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है। पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटरा जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी। चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे। हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी। 46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी। अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे। उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी। इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं।

इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं। बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकड़ों पशुओं की दबकर मौत हो गई। दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोड़ों की संपति तबाह हो गई। पहाड़ के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों का मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सांसे उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलों व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है।

सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। बादल फटते रहेंगे, बाढ़े आती रहेगी वक्त अभी संभलने का है।

मृत्यु से पहले मिलने लगते हैं ये संकेत गरुड़ पुराण से जानिए इसका महत्व

हिंदू धर्म में 18 महापुराण हैं और इसमें गरुड़ पुराण भी शामिल है। गरुड़ पुराण में 19 हजार श्लोक हैं और 2 भाग हैं। यह पुराण जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित है। इस वजह से गरुड़ पुराण को महापुराण का दर्जा मिला है। धार्मिक मान्यता है कि इस पुराण का पाठ करने से मृतक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और मृतक के परिवार के सदस्यों को आध्यात्मिक शांति मिलती है। गरुड़ पुराण में व्यक्ति की मृत्यु से पहले मिलने वाले कुछ संकेतों के बारे में भी बताया गया है। गरुड़ पुराण के मुताबिक व्यक्ति को मृत्यु से पहले कौन-सी चीजें दिखाई देती हैं।

पितरों के दर्शन: पुराण में इस बात का भी वर्णन मिलता है कि जिस जातक की मृत्यु होने वाली होती है उसको पितृ दिखाई देते हैं। पितरों को देखने से मृत्यु के नजदीक होने के संकेत मिलते हैं।

परछाई का न दिखाई देना: व्यक्ति के अंतिम समय से पहले कुछ अशुभ संकेत दिखाई देते हैं। मृत्यु से पहले उसको तेल, घी, पानी और शीशे में अपनी परछाई दिखाई नहीं देती हैं।

रहस्यमयी दरवाजा: बताया जाता है कि जब जातक अपनी अंतिम सांसे ले रहा होता है, तो उसको एक रहस्यमयी दरवाजा दिखाई देता है। उस रहस्यमयी दरवाजे से सफेद रोशनी की तेज किरणें दिखाई देती हैं।

यमदूत का दिखना: गरुड़ पुराण के मुताबिक मृत्यु से कुछ समय पहले व्यक्ति को यमदूत दिखाई देते हैं।

कब किया जाता है गरुड़ पुराण का पाठ

माना जाता है कि मृत्यु के बाद पूरे 13 दिनों तक मृतक इंसान की आत्मा घर में रहती है। इसी कारण से गरुड़ पुराण का पाठ करने का विधान है। इससे मृतक को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गरुड़ पुराण पाठ के नियम

गरुड़ पुराण का पाठ विधिपूर्वक और सच्चे मन से करना चाहिए।
गरुड़ पुराण को कभी भी घर पर रखने की गलती नहीं करनी चाहिए।
गरुड़ पुराण का पाठ करने के लिए हमेशा साफ कपड़े पहनने चाहिए।
इसका पाठ करने के दौरान किसी के बारे में गलत नहीं सोचना चाहिए।

आज का इतिहास

1922 - जोसेफ स्टालिन को सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति का महासचिव नियुक्त किया गया।
1933 - माउंट एवरेस्ट के ऊपर से पहली बार विमान ने उड़ान भरी थी।
1942 - जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में अमेरिका पर आखिरी दौर की सैन्य कार्यवाई शुरू की।
1973 - मैनहट्टन की साइडवॉक से पहला पब्लिक मोबाइल टेलीफोन कॉल किया गया। मोटोरोला के मार्टिन कूपर ने बेल लैब्स के जोएल एंजेल को फोन लगाया।
1999 - भारत ने पहला वैश्विक दूरसंचार उपग्रह इनसैट-1 ई का प्रक्षेपण किया।
2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत यात्रा पर पहुंचे।
2002 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ की जनमत संग्रह की योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली।
2006 - नेपाल में माओवादियों ने संघर्षविराम की घोषणा की।
2007 - नई दिल्ली में 14वां सार्क सम्मेलन शुरू।
2008 - प्रकाश करात को माकपा का पुनःमहासचिव चुना गया।
2010 - एपल ने अपना पहला आईपैड लॉन्च किया।
2016 - कोलकाता के ईडन गार्डर्स मैदान पर वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराकर आईसीसी टी-20 विश्वकप जीता।

जन्म

1903 - कमलादेवी चट्टोपाध्याय- समाजसुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी।
1929 - निर्मल वर्मा- जाने-माने हिंदी साहित्यकार।
1931 - मन्नू भंडारी- मशहूर हिंदी साहित्यकार।

यमुना की सफाई और प्रदूषण मुक्त दिल्ली बनाना बड़ी चुनौती

- मनोज कुमार मिश्र

27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 25 मार्च को बतौर वित्तमंत्री एक लाख करोड़ का बजट पेश करके अपनी सरकार के कामकाज की दिशा तय की। दिल्ली के लिए यह ऐतिहासिक बजट माना जा रहा है। बजट में उन सभी कामों के लिए आवंटन किया गया है, जिनके वायदे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए थे। कुछ पर तो काम भी शुरू हो गया है और कुछ पर आने वाले दिनों में काम शुरू होने के संकेत हैं।

मुख्यमंत्री ने पिछले बजट से करीब 31.5 फीसदी की बढ़ोतरी की है और उनका दावा है कि इस वित्तीय साल में राजस्व भी 58,750 करोड़ रुपये के मुकाबले 68,000 करोड़ रुपये मिलने वाला है। वैसे तो हर काम में पैसे के साथ-साथ पूरी तैयारी और चौकसी जरूरी है लेकिन यमुना की सफाई के साथ-साथ पानी का संकट दूर करने और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की बहुत बड़ी चुनौती है। ये सभी काम केवल पैसे से न होंगे। विधानसभा चुनाव के दौरान अन्य मुद्दों से ज्यादा ये दोनों मुद्दे प्रभावी रहे। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री गुप्ता अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ यमुना की आरती में शामिल हुई और यमुना को साफ करने का संकल्प दोहराया। यमुना का पानी मानक के हिसाब से तो यमुनोत्री के आगे कुछ ही दूर तक साफ है लेकिन दिल्ली में पल्ला बांध (वजीराबाद) से ओखला यानी 22 किलोमीटर तो गंदे नाले से भी बदतर हाल में है। इसको साफ करने के नाम पर वर्षों से करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इस सरकार ने बजट में यमुना की सफाई के लिए नौ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

यह वर्षों से प्रयास किया जा रहा है कि यमुना में गंदा पानी जाने से रोका जाए। यमुना को साफ कर उसे अहमदाबाद के सावरमती नदी की तरह विकसित की जाए। यमुना के किनारे कोयले बिजली बनाने वाले संयत्र सालों पहले बंद करा दिए गए। औद्योगिक कचरे या सीवर के गंदे पानी को साफ करने वाले संयंत्रों के माध्यम से साफ करके ही पानी यमुना में जाने दिया जाए। यमुना को प्रदूषित करने में अव्वल माने जाने वाले नजफगढ़ नाले में इंटरसेप्टर लगवाया गया। इस बजट में भी नए इंटरसेप्टर का प्रावधान किया गया है। 1994 में जब यमुना के पानी में दिल्ली को तब के मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना ने हिस्सा दिलाया था, तब दिल्ली का हरियाणा के साथ एक और समझौता हुआ था कि हरियाणा जितना पीने का पानी पल्ला बांध पर दिल्ली को देगा, दिल्ली उसे उतना ही पानी ओखला बांध पर सिंचाई के लिए देगी। अभी यमुना का पानी साफ होने को ही दिल्लीवासी सपना मान रहे हैं। अगर ऐसा हो गया तो दिल्ली पानी के मामले काफी आत्मनिर्भर हो जाएगी और यमुना साफ होकर दर्शनीय बन जाएगी। यमुना सफाई जितना ही कठिन काम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त या यहां का प्रदूषण स्तर कम करना है। दिल्ली सरकार के बजट में इसको भी प्राथमिकता दी गई है। अलग-अलग तरीके से प्रदूषण नियंत्रित करने की बात कही गई है लेकिन बड़ी बात यह है कि सभी तरह के प्रदूषण (वायु, जल और हवा इत्यादि) के साथ-साथ कचरा और आपदा प्रबंधन के लिए एक ही जगह निगरानी व्यवस्था के लिए साझा केंद्र (इंट्रीग्रेटेड कमान एंड कंट्रोल सेंटर) बनाने का प्रावधान किया गया है। कहने के लिए 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली है लेकिन एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के शहर दिल्ली से इस कदर जुड़े हुए हैं कि उन सभी को साथ लिए बिना कोई अभियान सफल नहीं हो सकता। केंद्र सरकार के साथ मिलकर दिल्ली के सभी पड़ोसी राज्यों, दिल्ली नगर निगम और दूसरी सरकारी एजेंसियों को साथ लेकर जनता की सक्रिय भागीदारी से इसका समाधान निकाला जा सकता।

यह साबित हो चुका है कि केवल आधे कारों को हर रोज सड़क पर आने से रोकने से वायु प्रदूषण में ज्यादा कमी नहीं आने वाली है। दूसरे, सरकारी कुव्यवस्था झेल रहे सार्वजनिक परिवहन प्रणाली इस हालत में भी नहीं है कि दिल्ली सरकार इस तरह के प्रयोग बार-बार कर पाए। गिनती के बचे दिल्ली परिवहन निगम और सरकार के अधीन चलने वाली बसों की तादाद तुरंत बढ़ानी होगी। इस बजट में सार्वजनिक परिवहन पर 12,952 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार ने बिजली से चलने वाली पांच हजार बसें तुरंत खरीदने का वायदा किया है।

दिल्ली के चारों ओर ईस्टर्न पेरिफेरियल और वेस्टर्न पेरिफेरियल सड़क बन जाने से दिल्ली होकर एक राज्य से दूसरे राज्य जाने वाले ट्रकों का दिल्ली के भीतर आना कम हुआ है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने दिल्ली के लिए 50 हजार करोड़ की परियोजना बनाई थी, इसमें ज्यादातर पूरे भी हो गए हैं। एनजीटी समेत अनेक अदालतों ने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए बार-बार कड़े आदेश दिए हैं। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की एक बड़ी वजह पराली जलाना भी माना जाता है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के किसान खेत में फसलों के अवशेष जलाते हैं, जिसका धुंआ दिल्ली पर छा जाता है। अदालती आदेश के बाद सरकारों ने पराली न जलाने और पराली के दूसरे बेहतर उपयोग के प्रयास शुरू किए हैं। इसी तरह एनजीटी ने पेट्रोल से चलने वाली 15 साल पुरानी और डीजल से चलने वाली 10 साल पुरानी कारों पर पाबंदी लगा दी है। बावजूद इसके प्रदूषण कम होता नहीं दिख रहा है। दिल्ली में पहले भी सारे व्यवसायिक वाहनों को अदालती आदेश से सीएनजी पर चलाया जा रहा है। हालात एक दिन में खराब नहीं हुए हैं। कुप्रबंधन एवं सरकारी लापरवाही ने दिल्ली के हालात बदतर बना दिए और सुधार के आसार दिख नहीं रहे। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 1998 को आदेश दिया कि दिल्ली में चलने वाली सभी बसों को धीरे-धीरे सीएनजी पर लाया जाए। इसकी तारीख 31 मार्ट 2001 तय की गई। सरकारें एक- दूसरे पर जिम्मेदारी टालती रही तो अप्रैल 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्त आदेश दिए। उसके बाद सीएनजी पर बसों और व्यवसायिक वाहनों को लाने की प्रक्रिया तेज हुई। कायदे में 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में मिले पैसों से दिल्ली की सड़कों पर बसें दिखने लगी।

दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में 15 हजार बसें चलाने का हलफनामा दे रखा है लेकिन अब तो 2010 की बसें भी सड़कों से हटने लगी और बसों की संख्या गिनती की रह गई हैं। डीटीसी के अधीन चलने वाली निजी बसें ही सड़कों पर दिख रही है। दिल्ली मेट्रो अपनी गति से चल रही है। काफी लोग लोकल रेल से भी यात्रा करते थे, उसे भी अभी ठीक से शुरू नहीं किया गया है। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की कमी के चलते जिसके लिए संभव है, वह अपने वाहन से यात्रा कर रहा है। ऐसे में सड़कों पर से वाहनों की भीड़ कम कैसे हो सकती है? दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की तादाद एक करोड़ से ज्यादा है। लाखों वाहन एनसीआर के दूसरे राज्यों में पंजीकृत हैं जो हर रोज दिल्ली में चलते हैं। इसलिए कोई भी योजना पूरे एनसीआर के लिए बनाने के बाद ही प्रदूषण पर काबू पाया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

वक्फ पर प्रस्तावित कानून को लेकर सरकार पर हमलावर हुई कांग्रेस

एक विशेष समुदाय की जमीन पर सरकार की नजर, बढ़ेगी मुकदमेबाजी: गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में बुधवार को आरोप लगाया कि एक विशेष समुदाय की जमीन पर सरकार की नजर है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा वक्फ कानून में संशोधन होने पर देश में मुकदमेबाजी बढ़ेगी। उन्होंने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि वह यह नहीं कर रहे हैं कि संशोधन की जरूरत नहीं है, बल्कि संशोधन होना चाहिए और 'हम इसके विरोध में नहीं हैं।' गोगोई ने कहा कि ...यह कानून को और मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए लेकिन इस विधेयक से देश में और समस्या बढ़ेगी, मसले बढ़ेंगे और मुकदमेबाजी भी बढ़ेगी।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपने भाषण में राजनीतिक आरोप लगाये और सदन को गुमराह किया। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच नोकझोंक देखी गई। गोगोई ने कहा कि आपने संप्रग सरकार के कार्यकाल के बारे में जो कुछ भी कहा, उसे साबित करें। आपने बार-बार आरोप लगाया, भ्रम फैलाया। कृपया आप भी सुनने का धैर्य रखें...। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे पर आक्रमण है। गोगोई ने आरोप लगाया कि इस विधेयक को लाने का मूल उद्देश्य संविधान को कमजोर करना, भ्रम फैलाना, अल्पसंख्यक समुदायों को अपमानित करना तथा भारतीय समुदाय को विभाजित करना है 'ताकि हमारे बीच विवाद चलता रहे और मसला बढता रहे।'

उन्होंने सवाल किया कि लोकसभा में आपके कितने अल्पसंख्यक सांसद हैं, इसी से पता चल जाएगा कि आपके दिल में (मुसलमानों के प्रति) कितनी संवेदना है? कांग्रेस सांसद ने कहा कि मंत्री जी ने कहा कि विधेयक लाने से पहले विस्तार से चर्चा की गई, यह पूरी तरह से गुमराह करने वाली बात है। उन्होंने 2023 में हुई अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की चार बार बैठकों का विवरण सदन के पटल पर रखने की मांग करते हुए दावा किया कि उनमें से एक में भी नये संशोधन विधेयक का जिक्र तक नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा कि जितनी भी बार बैठक हुई, उनमें एक भी बयान नहीं है कि हमें एक नया वक्फ संशोधन विधेयक चाहिए। नवंबर 2023 तक मंत्रालय ने वाजिब ही नहीं समझा कि नया विधेयक लाने की जरूरत है, तो इस विधेयक को किसने बनाया, यह कहां से आ गया? उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के बारे में कहा जा रहा है कि उसमें सबकी राय सुनी गई। उन्होंने दावा किया कि लेकिन विपक्ष के एक भी संशोधन को स्वीकार नहीं किया गया। विभिन्न धाराओं पर एक-एक कर चर्चा भी नहीं हुई। गोगोई ने कहा कि जेपीसी में ऐसे भी लोग थे, जिन्हें वक्फ की कोई जानकारी नहीं थी।

कांग्रेस सांसद ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनकी मंशा कुछ और है। आज एक विशेष समुदाय की जमीन पर इनकी नजर है। कल समाज के दूसरे समुदायों की जमीन पर उनकी नजर होगी। उन्होंने कहा कि वे भाईचारे के वातावरण को तोड़ना चाहते हैं, विधेयक लाने के पीछे यही उनका राजनीतिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून का रूप लेने के बाद देश में मसले बढ़ेंगे और मुकदमेबाजी बढ़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिसने भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी, 1857 में मंगल पांडे की शहादत का साथ दिया, जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में साथ दिया, दांडी यात्रा का समर्थन किया, भारत के बंटवारे का विरोध किया, आप उस कौम पर दाग लगा रहे हैं।

गोगोई ने सत्तारूढ़ दल पर प्रहार करते हुए कहा कि आपने भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का समर्थन नहीं किया लेकिन उस कौम (मुस्लिम) ने इसका समर्थन किया था, जबकि आप अंग्रेजों को दया याचिका दे रहे थे। जिस कौम ने जिन्ना के 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' को पूरी तरह से नकार दिया, आप उस कौम पर दाग लगा रहे हैं। यही है आपकी बांटो और राज करो की नीति। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले देश में विभिन्न जगहों पर लोगों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी, लेकिन जिन राज्यों में इनकी (भाजपा) 'इबल इंजन' सरकार है वहां सड़कों पर लोगों को ईद की नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी गई।

कांग्रेस के समय संसदीय समितियां केवल ठप्पा लगाती थीं, आज चर्चा करके परिवर्तन करती हैं: अमित शाह

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के विचार-विमर्श करने की पृष्ठभूमि में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय संसद की समितियां केवल ठप्पा लगाती थीं, लेकिन आज वे लोकतांत्रिक तरीके से चर्चा करके परिवर्तन करती हैं। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा और पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया गया तो आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन ने दावा किया कि विधेयक में संसद की संयुक्त समिति के प्रावधान शामिल किए गए हैं जो नियम एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने दावा किया कि समिति ने अधिकार से परे जाकर प्रावधान जोड़े हैं और यह बहुत गंभीर तकनीकी मामला है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार के मंत्रिमंडल ने सबसे पहले इस संबंध में एक विधेयक को मंजूरी दी थी जिसे पूर्व में सदन के सामने रखा गया था। उन्होंने कहा कि विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया, जिसके लिए विपक्ष ने भी आग्रह किया था। समिति ने इस पर सुविचारित रूप से अपना मत प्रकट किया। उसके सुझाव के अनुसार विधेयक को फिर से मंत्रिमंडल के सामने भेजा गया। शाह ने कहा कि संसदीय समिति के सुझावों को मंत्रिमंडल ने स्वीकार किया और उसे ही संशोधनों के रूप में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू सदन में लेकर आए हैं। गृह मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आपका ही आग्रह था कि जेपीसी बने। समिति को यदि कोई बदलाव ही नहीं करना था तो क्या फायदा। यह कांग्रेस की सरकार के समय जैसी समिति नहीं थी, यह लोकतांत्रिक समिति है जिसने मंथन किया। उन्होंने कहा कि समिति ने चर्चा करके संशोधन सुझाए। शाह ने कहा कि कांग्रेस के समय समितियां केवल ठप्पा लगाती थीं। जब परिवर्तन स्वीकार ही नहीं तो समिति का क्या उद्देश्य।

संसद को वक्फ के संबंध में कानून पारित करने का कोई अधिकार नहीं: तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने वक्त (संशोधन) विधेयक, 2025 को राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण करने वाला बताते हुए बुधवार को दावा किया कि संसद को इस संबंध में कानून पारित करने का कोई अधिकार नहीं है।

विधेयक पर सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए बनर्जी ने कहा कि मुसलमानों को अपनी संपत्ति का अधिकार है और वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान है। उन्होंने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे कानून पारित करने का अधिकार केवल राज्यों का है और यह विधेयक पूरी तरह असंवैधानिक है। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान संसद को ऐसे विधेयक लाने का अधिकार नहीं देते। उन्होंने कहा कि इस तरह से संसद के माध्यम से राज्य विधायिका के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। बनर्जी ने यह भी कहा कि प्रस्तावित विधेयक कानून के उन भलीभांति स्थापित सिद्धांतों को खारिज करता है जिन्हें उच्चतम न्यायालय और अन्य न्यायालयों ने विभिन्न मामलों में निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह पूछने का अधिकार किसने दिया कि कोई अपनी धार्मिक जिम्मेदारी अदा कर रहा है या नहीं।

बनर्जी ने वक्फ संशोधन विधेयक में पांच साल तक इस्लाम के अनुसरण के बाद ही वक्फ बनाने संबंधी प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं कभी भी हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध में से किसी भी संस्था को अपनी संपत्ति दान में दे सकता हूं। उन्होंने कहा कि अगर लंबित मामलों को इस विधेयक को लाने का आधार बताया गया है तो उच्चतम न्यायालय और अन्य अदालतों में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों को कमजोर करने के लिए बनाया गया है: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों को कमजोर करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने बुधवार को लोकसभा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुझे भाजपा से कोई उम्मीद नहीं है लेकिन धर्मनिरपेक्ष हिंदुओं से मुझे बहुत उम्मीदें हैं, उन्हें आगे आना चाहिए क्योंकि इस देश को संविधान के अनुसार चलना है। उन्होंने कहा कि भारत में मुसलमानों को उत्पीड़न, लक्षित लिंचिंग की घटनाओं और कब्रिस्तानों पर अतिक्रमण का सामना करना पड़ा है और उन्होंने हिंदुओं से ऐसे अन्याय के खिलाफ उठने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक मुसलमानों को कमजोर करने की साजिश है और पिछले 10-11 वर्षों में मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं, मस्जिदों को ध्वस्त किया जा रहा है और लिंचिंग की घटनाएं और कब्रिस्तानों पर अतिक्रमण आम बात हो गई है। पीडीपी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि देश गांधी का है और इसे संविधान के अनुसार चलाया जाना चाहिए, न कि भाजपा के एजेंडे के अनुसार। मुफ्ती ने हिंदुओं से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया ताकि भारत म्यांमार जैसा न बन जाए या मुसलमानों को कश्मीरी पंडितों जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े, जिसके लिए हमें शर्म आती है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस देश को तोड़ रही है और भारत के लोगों से एकजुट होने और विभाजनकारी रणनीति का विरोध करने का आह्वान किया।

हिंदुत्व के नव-फासीवाद का मुकाबला करने की क्षमता केवल वामपंथियों में है: प्रकाश करात

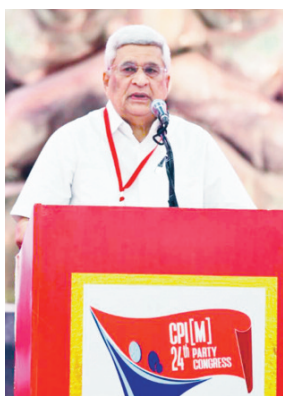

मदुरै (तमिलनाडु)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के अंतरिम समन्वयक प्रकाश करात ने बुधवार को मदुरै में शुरू हुई 24वीं पार्टी कांग्रेस में कहा कि केवल वामपंथियों के पास ही हिंदुत्व के 'नव-फासीवाद' से लड़ने और उसका मुकाबला करने की क्षमता है। करात ने कहा कि माकपा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सामने एक वामपंथी और लोकतांत्रिक विकल्प बनाने की दिशा में काम करेगी। पार्टी कांग्रेस की यह बैठक आगामी दिनों में माकपा की कार्यशैली की दिशा तय करेगी।

पार्टी कांग्रेस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए करात ने कहा कि सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की प्रकृति का अंदाजा तीन सवाल पूछकर लगाया जा सकता है - कौन डोनाल्ड ट्रंप (अमेरिका के राष्ट्रपति) का दोस्त होने का दावा करता है? गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी का करीबी दोस्त कौन है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रति कौन वफादार है? करात ने कहा कि इन तीनों सवालों के जवाब एक ही हैं - नरेंद्र मोदी और भाजपा। करात ने दावा किया कि मोदी सरकार 'हिंदुत्व-कॉरपोरेट गठजोड़ का प्रतिनिधित्व करती है, जो अमेरिकी साम्राज्यवाद से निकटता से जुड़ा हुआ है'। उन्होंने कहा कि अपने तीसरे कार्यकाल में सरकार 'नव-फासीवादी विशेषताओं' को प्रदर्शित कर रही है, जिसमें मुस्लिम अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाना शामिल है।

करात ने कहा कि यह वामपंथ ही है जिसके पास हिंदुत्व नव-फासीवाद से लड़ने और उसका मुकाबला करने के लिए वैचारिक क्षमता और दृढ़ विश्वास है। केवल वामपंथी ही हमारे देश में साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर सकते हैं। वामपंथी लोकतांत्रिक विकल्प बनाने के लिए माकपा सभी वामपंथी ताकतों के साथ मिलकर काम करेगी। वरिष्ठ वामपंथी नेता ने यह भी कहा कि पार्टी कांग्रेस इस मुख्य मुद्दे पर विचार करेगी कि माकपा की ताकत कैसे बढ़ाई जाए। उन्होंने वाम एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। माकपा महासचिव डी. राजा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) लिबरेशन (भाकपा-माले लिबरेशन) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) महासचिव मनोज भट्टाचार्य और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) महासचिव जी. देवराजन भी उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

'अखिल भारतीय पार्टी कांग्रेस' माकपा का सर्वोच्च अंग है जिसकी बैठक आमतौर पर हर तीन साल में एक बार माकपा की केंद्रीय समिति द्वारा बुलाई जाती है। निवर्तमान केंद्रीय समिति एक नयी केंद्रीय समिति के चुनाव के लिए नामों की सिफारिश करेगी। समिति महासचिव सहित पोलित ब्यूरो के सदस्यों का भी चुनाव करेगी। पिछले साल सीताराम येचुरी के निधन के बाद माकपा महासचिव का पद खाली हो गया था और करात ने पार्टी के अंतरिम समन्वयक के रूप में कार्यभार संभाला था।

भारतीय नौसेना ने 2500 किग्रा. मादक पदार्थ बरामद किया

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अग्रणी युद्धपोत आईएनएस तरकश ने पश्चिमी हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 31 मार्च को नौसेना को कुछ जहाजों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद मादक पदार्थों को जब्त करने का अभियान शुरू किया गया।

नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आसपास के सभी संदिग्ध जहाजों या नौकाओं से पूछताछ करने के बाद आईएनएस तरकश ने पी8आई समुद्री निगरानी विमान और मुंबई में समुद्री परिचालन केंद्र के साथ मिलकर एक संदिग्ध नौका को रोका और उसमें सवार हो गये। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, जहाज ने संदिग्ध नौका की गतिविधियों पर नजर रखने और क्षेत्र में संभावित रूप से संचालित अन्य जहाजों की पहचान करने के लिए अपने हेलीकॉप्टर को भी भेजा। अधिकारी ने बताया कि मरीन कमांडो के साथ एक विशेषज्ञ टीम नौका पर सवार हो गयी और गहन तलाशी ली जिसके परिणामस्वरूप कई सीलबंद पैकेट बरामद हुए।

मुख्यमंत्री ने की मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा

अगले तीन वर्ष में मप्र की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए: डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। सड़कों के संधारण और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में प्रदेश, देश में प्रथम रहा है। प्रदेश में मार्गों के संधारण के लिए वर्ष 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केंद्र सरकार द्वारा इसे सम्पूर्ण देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है।

बताया गया कि प्रदेश की 89 हजार बसाहटों में से 50 हजार 658 बसाहटों तक रोड़ कनेक्टिविटी सुनिश्चित कर ली गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 के अंतर्गत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि सामान्य संधारण कार्यों का प्राक्कलन तैयार करने और तकनीकी प्रशासकीय स्वीकृति आदि की ऑनलाइन व्यवस्था सम्वेग पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है।

3 परिजनों की हत्या करने के बाद व्यक्ति ने की आत्महत्या

कर्नाटक। कर्नाटक के चिकमगलुरू जिले के मगलू गांव में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को बताया कि स्कूल में ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले रत्नाकर गौड़ा ने अपनी सास ज्योति, साली नादिनी सिंधु और बेटी मौल्या (6) की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक सिंधु के पति अविनाश के पैर में भी गोली लगी है और उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार देर रात हुई। अपने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के बाद गौड़ा ने एसबीबीएल (सिंगल बैरल ब्रीच लोडिंग) पिस्तौल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। तीन लोगों की हत्या में भी इसी पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस के अनुसार अपराध करने से पहले आरोपी ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसके परिवार ने उसे धोखा दिया है। पुलिस के मुताबिक उसने अपनी पत्नी पर यह भी आरोप लगाया कि वह उसे छोड़कर दो साल से घर से दूर रह रही थी। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद के कारण लोगों की हत्या की गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने यहां बालेहोन्नूर पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और शस्त्र अधिनियम की धाराएं भी लगायी गयी हैं। आगे की जांच जारी है।

दो चरणों में पूरा हुआ भारतीय और रूसी नौसेनाओं का द्विपक्षीय अभ्यास 'इंद्र'

नई दिल्ली। भारतीय और रूसी नौसेनाओं का द्विपक्षीय अभ्यास 'इंद्र' बुधवार को खत्म हो गया। दो चरणों में हुआ यह अभ्यास समुद्री सहयोग का प्रतीक बन गया है, जो दोनों देशों की नौसेना की अंतर-संचालन क्षमता और परिचालन तालमेल को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चेन्नई के तट और बंगाल की खाड़ी में दोनों नौसेनाएं जटिल सामरिक युद्धाभ्यास, हवाई तथा सतही लक्ष्यों पर संयुक्त अभ्यास में शामिल हुईं।

जटिल सामरिक युद्धाभ्यास, हवाई तथा सतही लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया

वर्ष 2003 में शुरू हुआ भारत और रूस के बीच स्थायी समुद्री साझेदारी का प्रतीक यह अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का प्रतीक है। भारत-रूस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास इंद्र का 14वां संस्करण 28 मार्च से चेन्नई के तट पर शुरू हुआ था। दोनों देशों के जहाजों ने बंदरगाह चरण की शुरुआत की और 30 मार्च तक अभ्यास किया। बंदरगाह चरण में विषय वस्तु विशेषज्ञ आदान-प्रदान, पारस्परिक दौरे, खेल कार्यक्रम और दोनों नौसेनाओं के कर्मियों के बीच प्री-सेल ब्रीफिंग हुई।

इसके बाद बंगाल की खाड़ी में समुद्री चरण 31 मार्च से 02 अप्रैल तक चला। समुद्री चरण में उन्नत नौसैनिक अभ्यास हुए, जिसमें सामरिक युद्धाभ्यास, लाइव हथियार फायरिंग, एंटी-एयर ऑपरेशन, अंडरवे रिप्लेनिशमेंट, हेलीकॉप्टर क्रॉस-डेक लैंडिंग और सी-राइडर्स का आदान-प्रदान शामिल रहा।

इस अभ्यास में रूसी नौसेना के जहाज पेचंगा, रेज्की और अलदार त्सिसडेंझापोव के साथ-साथ भारतीय नौसेना के जहाज राणा, कुथार और समुद्री गश्ती विमान पी8आई ने हिस्सा लिया। दो चरणों में हुआ यह अभ्यास समुद्री सहयोग का प्रतीक बन गया है, जो दोनों देशों की नौसेना की अंतर-संचालन क्षमता और परिचालन तालमेल को बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इन अभ्यासों और बातचीत का उद्देश्य समुद्री सहयोग को बढ़ाना, मैत्री संबंधों को मजबूत करना, सर्वोत्तम परिचालन प्रथाओं का आदान-प्रदान करना तथा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को मजबूत करना था।

एल्युमीनियम पाउडर के कारण गोदाम में विस्फोट हुआ था: पुलिस

डीसा (गुजरात)। फोरेंसिक जांच में पुष्टि हुई है कि पटाखा बनाने में इस्तेमाल होने वाले तत्वों में से एक एल्युमीनियम पाउडर की मौजूदगी के कारण गुजरात के डीसा कस्बे के निकट स्थित गोदाम में भीषण विस्फोट हुआ था और आग लग गई थी। एक दिन पहले हुए इस विस्फोट में 21 लोगों की मौत हो गई थी। बनासकांठा जिले के एसपी अक्षयराज मकवाना ने बताया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम को एल्युमीनियम पाउडर के अलावा उस गोदाम से पीला डेक्सट्रिन पाउडर भी मिला है, जहां पटाखे रखे गए थे। एसपी ने स्वीकार किया कि दोनों पदार्थों का इस्तेमाल पटाखा बनाने के लिए किया जाता है। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि यह पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है कि गोदाम में पटाखों का निर्माण किया गया था या नहीं। मंगलवार सुबह लगभग नौ बजकर 45 मिनट पर जिस गोदाम में विस्फोट हुआ, वह बनासकांठा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर डीसा कस्बे के निकट एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित है।

अपराध में लिप्त कार्यकर्ताओं को उपमुख्यमंत्री की चेतावनी

धागे की तरह सीधा कर देंगे: पवार

मुंबई। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बुधवार को बीड जिले में अपराध में लिप्त कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे लोगों को धागे की तरह सीधा कर दिया जाएगा। अजीत पवार ने पार्टी प्रवक्ताओं को भी समाज में अलगाव पैदा करने वाले बयान न देने का आह्वान किया है।

बीड़ जिले में बुधवार को राकांपा एपी की युवा संवाद रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बीड में कई गिरोह हैं, जिनमें रेत गिरोह और राख गिरोह शामिल हैं। अजित पवार ने कहा कि अब वह यहां इन सभी गिरोहों को धागे की तरह सीधा करने जा रहे हैं। अजीत पवार ने कहा कि पार्टी में वे अपराधी कार्यकर्ताओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कोई कार्यकर्ता अपनी गंदी करतूतों की वजह से पुलिस के हत्थे लगता है, तो वे उस कार्यकर्ता को टायर में डालकर पीटने का निर्देश पुलिस को देंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को ध्यान रखना चाहिए कि उनके साथ कौन है। इस तरह के कार्यकर्ताओं की वजह से पार्टी बदनाम होती है। साथ ही इस समय किसी भी तरह की बयानबाजी करने का चलन चल रहा है। लेकिन इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए साइबर क्राइम तेजी से काम कर रहा है। इसलिए प्रवक्ताओं को बहुत सोच समझकर बयान जारी करना चाहिए, जिससे समाज में गलत संदेश न जाएं। पवार ने कहा कि किसी भी हालत में बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाज में सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए काम किया जाना चाहिए।

प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और मैन्युफैक्चरिंग में दिया 408 करोड़ का प्रोत्साहन

प्रदेश मे रोज़गार और निवेश को मिलेगा नया आयाम : सुनील शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 408 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन सहायता (इंसेंटिव) प्रदान की है। इस योजना के तहत कई प्रतिष्ठित कंपनियों को प्रोत्साहित किया गया है। इससे राज्य में औद्योगिक निवेश को गति मिलेगी। रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे। तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

यह जानकारी प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने दी। सुनील शर्मा ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि सरकार द्वारा लागू की गई इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैन्युफैक्चरिंग नीति के तहत पूंजीगत अनुदान एवं अन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। कंपनियां अपने कुल निवेश के आधार पर नोडल एजेंसी के माध्यम से इस प्रोत्साहन

योजना का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का एक प्रमुख केंद्र बनाना है। ताकि प्रदेश की औद्योगिक संरचना को मजबूती मिले और स्थानीय युवाओं को रोज़गार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें। सरकार द्वारा दी गई इस प्रोत्साहन सहायता के माध्यम से प्रदेश में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हज़ारों नये रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे। इस योजना के तहत उन्नत तकनीकी

> आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने एवं विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति पूर्णतः संकल्पित है।

पार्क, उत्पादन इकाइयों और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश में औद्योगिक प्रगति को नया आयाम मिलेगा। साथ ही, यह नीति अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) को भी बढ़ावा देगी, जिससे अत्याधुनिक तकनीकों का विकास संभव होगा।

उत्तर प्रदेश वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस योजना के अंतर्गत ओप्पो मोबाइल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हायर अप्लायंसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों को प्रोत्साहन सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, कई अन्य कंपनियां भी इस नीति के तहत लाभान्वित हुई हैं। इससे प्रदेश में स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को भी पर्याप्त लाभ मिलेगा। इस पहल से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और सरकार को राजस्व में वृद्धि की संभावना रहेगी।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री, सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने एवं विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति पूर्णतः संकल्पित है। यह पहल न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

अवैध ई रिक्शा व ऑटो के खिलाफ बुधवार को भी हुई कार्रवाई

अभियान के दूसरे दिन प्रदेश में 1007 ई-रिक्शा सीज और 3093 का हुआ चालान

लखनऊ। नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा मिले और कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसके लिए प्रदेश में दूसरे दिन बुधवार को भी अवैध ई-रिक्शा व ऑटो के खिलाफ़ कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंगलवार से पूरे प्रदेश में अभियान शुरू किया गया था। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर अभियान मंगलवार से प्रारंभ हुआ था। अभियान के दूसरे दिन 1007 ई-रिक्शा सीज और 3093 का चालान हुआ।

वहीं मंगलवार को 915 ई रिक्शा सीज किया गया था, जबकि 3035 का चालान हुआ था। यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। सिंह ने बताया कि इस दौरान जागरूकता अभियान

भी चलाया गया। अभियान के नोडल अधिकारी अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) संजय सिंह ने बताया कि बुधवार को आगरा संभाग में 444, लखनऊ संभाग में 377, कानपुर में 277, गाजियाबाद संभाग में 257, झांसी में 216, वाराणसी में 161, अलीगढ़ संभाग में 140, अयोध्या में 135 और मुरादाबाद संभाग में 120 अवैध ई-रिक्शा पर कार्रवाई हुई।

स्टंटबाज बुलेटरानी का 22 हजार का चालान कटा, वाहन सीज

फिरोजाबाद। स्टंटबाजों के खिलाफ पुलिस अभियान चलाकर भारी जुर्माना और वाहन सीज करने की कार्रवाई की है। इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस ने एक युवती स्टंटबाज की बुलेट को सीज करते हुए 22 हजार रुपये का चालान किया है। बुलेटरानी युवती इन दिनों सड़कों पर खतरनाक स्टंट कर सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरने में लगी थी। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बुधवार को बताया कि इंस्टाग्राम पर खतरनाक स्टंट करते हुये एक वीडियो वायरल हुआ। इसका संज्ञान लेकर जांच की गई तो पता चला कि बुलेटरानी के नाम से इंस्टाग्राम पर कई रील बनी हुई है। इसमें युवती हाथ छोड़कर बुलेट चला रही है। कई स्टंट भी किए हैं। इसमें लाइनपार थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल स्वामी को चिन्हित कर माफीनामा लिखवाया है। इसके साथ ही यातायात प्रभारी महेश यादव ने बुलेट का 22 हजार रुपये का चालान कर उसे एमबी एक्ट में सीज कर दिया है। साथ ही चालक को कड़ी हिदायत दी गई है कि आगे से ऐसा न हो, वरना सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विदेश भेजने के नाम पर दलित महिला से ढाई लाख रुपये ठगे

भदोही। भदोही की एक दलित महिला के पति को विदेश भेजने के नाम पर ढाई लाख रुपये की ठगी करने के एक मामले में यहां की एक विशेष अदालत के निर्देश पर आरोपी व्यक्ति और उसके पिता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि औराई थाना क्षेत्र में खेतल पुर गांव निवासी मैना देवी (30) ने भदोही की विशेष अदालत (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) (एससी/एसटी) में चार मार्च, 2025 को एक याचिका दायर की थी।

उन्होंने बताया कि अदालत के निर्देश पर प्रयागराज के करैली थाना अंतर्गत जे. के. नगर निवासी मोहम्मद खालिद (50) और उसके बेटे राजू (25) के विरुद्ध मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मैना देवी के पति प्रदीप कुमार को विदेश में एसी और कूलर बनाने वाली कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर खालिद और उसके बेटे राजू ने अपने खाते में मार्च, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच दो लाख रुपये हस्तांतरित करवाए थे। आरोपियों ने इसके अलावा

50,000 रुपये नकद भी लिए और विदेश जाने के लिए एक फर्जी टिकट दलित महिला के पति को भेजकर वीजा दिलाने के नाम पर 12, जनवरी 2025 को और एक लाख रुपये की मांग की। मांगलिक ने बताया कि जब मैना देवी ने एक लाख रुपये नहीं देकर पूर्व में दिए गए दो लाख रुपये वापस मांगे तो बाप-बेटे ने खुद को माफिया अतीक अहमद का आदमी बताते हुए पैसा लौटाने से मना कर दिया और महिला को जातिसूचक गालियां दीं। उन्होंने बताया कि अदालत के आदेश पर मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी (औराई) को सौंपी गई है।

उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने जीता कांस्य पदक

प्रयागराज। मार्च के अंतिम सप्ताह में आयोजित अंतर रेलवे प्रतियोगिताओं में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ज़ोन को गौरवान्वित किया।

उत्तर मध्य रेलवे की टीमों और खिलाड़ियों को महाप्रबंधक उत्तर उपेंद्र चंद्र जोशी ने शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह उपलब्धियां हासिल करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि 22 से 28 मार्च तक एमसीएफ रायबरेली (यूपी) में आयोजित अंतर रेलवे महिला हॉकी चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने कांस्य पदक जीता। टीम की कोच नीलम व मैनेजर रचना चौरसिया थीं। गुरजीत कौर और निशा वारसी सहित अन्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों से सज्जित उत्तर मध्य रेलवे की महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में पिछली बार की चैम्पियन साउथ ईस्टर्न रेलवे को 5-3 से हराया। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 28 से 30 मार्च तक कोलकाता में आयोजित अंतर रेलवे जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने टीम चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस टीम के कोच देवेंद्र झा और सहायक कोच देवेश थे।

प्रतियोगिता में आदित्य सिंह राणा टूर्नामेंट के ऑल राउंड बेस्ट जिम्नास्ट और अंकुर शर्मा टूर्नामेंट के ऑल राउंड दूसरे बेस्ट जिम्नास्ट बने। आदित्य ने फ्लोर में रजत और रिंग्स में स्वर्ण पदक, आशीष कुमार ने फ्लोर में स्वर्ण, सिद्धार्थ वर्मा ने पॉमेल हॉर्स में गोल्ड और अंकुर शर्मा ने पैरेलल बार में रजत पदक प्राप्त किया। इसके अलावा 24 से 26 मार्च तक वाराणसी के बीएलडब्ल्यू में आयोजित इंटर रेलवे गोल्फ चैम्पियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में कार्यरत अमित कुमार ने रजत पदक जीता। इवेंट में इनका स्कोर 36 होल में 4 अंडर स्कोर रहा।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एसपी द्विवेदी, उपाध्यक्ष बीपी सिंह, महासचिव सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अजय सिंह, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमित मालवीय उपस्थित रहे।

एनसीएल कर्मचारी से 2.27 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में प्राथमिकी दर्ज

सोनभद्र। जिले के शक्तिनगर थाना क्षेत्र के बीना इलाके में काम करने वाले नेशनल कोल फील्ड लिमिटेड (एनसीएल) के एक कर्मचारी ने 2.27 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस की साइबर अपराध शाखा में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एनसीएल कर्मचारी युगल किशोर तिवारी ने पुलिस में दर्ज कराई गयी शिकायत में आरोप लगाया कि 13 जनवरी 2025 को उनके व्हॉट्सएप पर एक लिंक आया जिसके जरिए उनसे एक फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया गया। शिकायत के अनुसार ऐप डाउनलोड करने के बाद उन्हें दो डीमेट खातों का नंबर प्राप्त हुआ, साथ ही उन्हें शेयर खरीदने और बेचने पर मुनाफा होने के प्रति आश्वस्त किया गया। संबंधित संचालकों के भरोसे पर उन्होंने और उनकी भतीजी ने कई बार में कुल दो करोड़ 27 लाख रुपये उक्त खातों में हस्तांतरित किए। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। साइबर प्रकोष्ठ के प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि पूरा मामला शेयर बाजार में निवेश के बहाने ठगी का है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने साइबर प्रकोष्ठ में मंगलवार को शिकायत दर्ज कर ली है तथा मामले की जांच की जा रही है।

नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम जामा मस्जिद मामले की सुनवाई 21 अप्रैल तक स्थगित

बदायूं। नीलकंठ महादेव मंदिर और शम्सी जामा मस्जिद से संबंधित विवाद की स्थानीय अदालत में जारी सुनवाई न्यायाधीश के स्थानांतरण के कारण बुधवार को स्थगित कर दी गई। एक वकील ने यह जानकारी दी।

वकील ने बताया कि मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति अमित कुमार का तबादला भदोही कर दिया गया है और उनकी अदालत रिक्त है, इसलिए मामले की सुनवाई 21 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। न्यायाधीश अमित कुमार की त्वरित अदालत ने इससे पहले मुस्लिम पक्ष को अदालत में उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया था। मुस्लिम पक्ष के कानूनी प्रतिनिधि अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। अदालत की ओर से लगातार समन भेजे जाने के बावजूद मस्जिद की प्रबंधन समिति के वकील उपस्थित नहीं

हुए। इसके बाद न्यायाधीश ने उन्हें अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए अंतिम अवसर के रूप में 11 फरवरी की तारीख तय की थी। हालांकि वकीलों की हड़ताल के कारण सुनवाई 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई और फिर इसे 20 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मंदिर पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील वेद प्रकाश साहू के अनुसार, शम्सी जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के वकील अनवर आलम 20 मार्च को अदालत में उपस्थित हुए थे और एक आवेदन प्रस्तुत किया था। साहू ने कहा था कि आलम ने उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला दिया और तर्क दिया कि अधीनस्थ अदालतें ऐसे मामलों में निर्णय नहीं दे सकते।इस पर विचार करते हुए न्यायाधीश कुमार ने अगली तारीख दो अप्रैल तय की। साहू ने कहा कि चूंकि अब नए न्यायाधीश कार्यभार संभालेंगे तो यदि अदालत मामले को आगे बढ़ाने की अनुमति देती है तो दोनों पक्षों की दलीलें नए सिरे से शुरू होंगी।

पार्किंग विवाद में युवक को गोली मारी गई, गंभीर रूप से घायल

अमेठी। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के इटरोर गांव में कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद में 27 वर्षीय युवक को गोली मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार शाम को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के इटरूर गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान इटरूर गांव निवासी इरफान (27) के रूप में हुई है। वह एक दुकान के पास खड़ा था, तभी तेज रफ्तार कार उसके पास आकर रुकी और धूल उड़ाती हुई पार्किंग के लिए चली गई। इरफान ने इसका विरोध किया, जिसके बाद कार में बैठे लोगों से उसका विवाद हो गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान आरोपी ने इरफान पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इरफान को जगदीशपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) हरेंद्र कुमार ने बताया कि इरफान के निचले जबड़े में गोली लगी है। उन्होंने बताया कि हमलावरों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की गई है और सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य माध्यमों से उनकी पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

संभल : शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष की जमानत याचिका पर सुनवाई चार अप्रैल तक टली

संभल। संभल स्थित शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण चार अप्रैल तक के लिए टाल दी गई। एक वकील ने बुधवार को बताया कि शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली को 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उनकी जमानत याचिका पर पहले 27 मार्च को सुनवाई होनी थी।

उस दिन चंदौसी में न्यायाधीश निर्भय नारायण राय की एडीजे-2 अदालत ने अली की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उनकी स्थायी जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए दो अप्रैल की तारीख तय की थी। उन्होंने बताया कि हालांकि, केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण मामले को अब चार अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश सैनी ने बताया कि आज की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील ने केस डायरी नहीं होने

का हवाला देते हुए जफर अली को अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। हालांकि, मैंने दलील दी कि उनकी अंतरिम जमानत पहले ही खारिज हो चुकी है, इसलिए याचिका को फिर से खारिज किया जाना चाहिए। न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार करते हुए अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

उन्होंने कहा कि अदालत ने अब निर्देश दिया है कि चार अप्रैल तक केस डायरी उपलब्ध कराई जाए और तब स्थायी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। अली को मुगलकालीन मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के विरोध में 24 नवंबर को हुई हिंसा के संबंध में पूछताछ के बाद 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उसी दिन चंदौसी की एक अदालत ने अली की जमानत याचिका खारिज कर दी और उसे दो दिन की न्यायिक हिरासत में मुरादाबाद जेल भेज दिया। अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अली ने आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि उन्हें फंसाया गया है। अली के बड़े भाई ताहिर अली ने आरोप लगाया कि पुलिस ने न्यायिक समिति द्वारा गवाही दर्ज किए जाने से पहले ही उनके भाई को जानबूझकर जेल भेज दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वेक्षण को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए समिति गठित की है। 24 नवंबर को हुई हिंसा में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

दो हजार वर्ष से अधिक प्राचीन कर्ण देवी मंदिर का रहस्य आज भी अनसुलझा

जालौन। जनपद जालौन अंतर्गत जिला मुख्यालय उरई से 70 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम के पंचनद तीर्थ क्षेत्र में यमुना तट पर हजारों वर्ष प्राचीन विशाल दुर्ग के खंडहरों में विद्यमान कर्ण देवी मंदिर में विराजमान देवी मां का रहस्य आजतक कोई नहीं जानता है । मुगल आक्रांता बाबर से मेवाड़ के महाराणा संग्राम सिंह और राणा सांगा से हुए युद्ध में उस काल के बहुत अधिक समृद्धशाली कनार राज्य से मेंवाड़ के पक्ष में सैन्य सहायता गई थी।

जिसमें युद्ध के दौरान कनार सेना का नेतृत्व कर रहे राजकुमार शहीद हो गए थे और राणा सांगा की पराजय व आक्रांता बाबर की फतह के साथ गौरवशाली भारत के सौभाग्य का सूर्य अस्ताचलगामी हो चला था। विजय मद में चूर बाबर कनार राज्य की ओर बढ़ चला और तीर कमान ,बर्छी भाला, तलवारों से युद्ध करने वाले राजपूत सैनिकों पर तोप से आक्रमण करते हुए कनार राज्य के

विशाल दुर्ग को क्षतिग्रस्त कर डाला। आत्मरक्षा एवं अपनी प्रजा की रक्षा के लिए तत्कालीन राजा ने कनर दुर्ग को छोड़ दिया। निरंकुश बाबर ने महल के अंदर बने मंदिरों को तोड़फोड़ कर उनकी मूर्तियों को खंडित कर डाला। तत्कालीन पुजारी ने शिव मंदिर के शिव विग्रह एवं राजा की कुलदेवी की मूर्ति की रक्षा करते हुए कुएं में डाल दिया जो वर्ष 1978 में तत्कालीन बाल संत बाबा बजरंगदास ने अपने प्रथम यज्ञ में कर्णखेरा टीला पर साफ सफाई करवाने के दौरान कुआं का भी जीर्णोद्धार करवाया। तब उसमें दो विशाल शिवलिंग एवं देवी मूर्ति का अर्ध भाग प्राप्त हुआ जो आज भी कर्ण देवी मंदिर पर पूजा जा रहा है।

मान्यता है कि यह मंदिर 2000 वर्ष या उससे भी बहुत अधिक पुराना है। जब उज्जैन में महाप्रतापी धर्मात्मा राजा विक्रमादित्य का राज्य था। उसी समय कनार पर महाराज सिद्धराज शासन कर रहे थे । जिस प्रकार जनकपुर के राजा को जनक नाम से जाना जाता था। उसी प्रकार कनार के राजा को कर्ण की उपाधि प्राप्त थी। अतः महाराजा विक्रमादित्य के समकालीन महाराज सिद्धराज कर्ण अपनी दानवीरता के कारण दसों दिशाओं में प्रसिद्धि पा रहे थे। महाराज विक्रमादित्य कनाराधिपति महाराज सिद्धराज कर्ण की यश गाथा सुनकर कनार राज्य में आए और छद्म वेश धारण कर महाराज कर्ण के विशेष सुरक्षा बल का हिस्सा बन गए और प्रतिदिन दान करने के लिए उन्हें प्राप्त होने वाले स्वर्ण भंडार का रहस्य जानने का प्रयास करने लगे।

अंतोगत्वा उन्होंने देखा कि राजा के द्वारा स्वयं का बलिदान करने एवं देवी द्वारा राजा को पुनर्जीवित करने तथा मंदिर में विराजमान देवी मां द्वारा उन्हें प्रतिदिन सवामन अर्थात 50 किलो स्वर्ण प्रदान करने की विधि को देखा। इसके बाद महाराज विक्रमादित्य ने भी महाराज सिद्धराज कर्ण की विधि अपनाकर देवी को प्रसन्न कर अपने साथ उज्जैन चलने को राजी कर लिया। इसी बीच महाराज सिद्धराज कर्ण आ गए और उन्होंने देवी के चरण पड़कर कनार राज्य छोड़कर ना जाने की प्रार्थना की अपने दौनो भक्तों का मान रखते हुए देवी जी के कमर से चरणों तक का हिस्सा यही कनार पर रह गया जिसे लोग आज कर्ण देवी के नाम से पूज रहे हैं और कमर से ऊपर का भाग महाराज विक्रमादित्य के साथ उज्जैन चला गया। जहां उन्हें हरसिद्धि माता के रूप में पूजा जाता है।

कनार राज्य पर कर्ण देवी एवं उज्जैन की हरसिद्धि माता का वास्तविक स्वरूप और नाम क्या है यह आज तक कोई नहीं जानता। न किसी पुस्तक में इस विषय पर प्रकाश डाला गया। दो हजार से अधिक वर्ष से यह परंपरागत ढंग से पूजित माता अपने मंदिर में स्थानीय लोगों द्वारा दिए गए करन देवी , करणी माता , कर्ण देवी नाम से पूजित है।

पूर्वांचल विवि के बायोटेक की छात्रा ने हॉस्टल में की आत्महत्या, मामले की जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बायोटिक विभाग द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाली छात्रा ने मंगलवार रात महिला हॉस्टल मे दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर निवासी सुभाष मिश्रा की पुत्री शिवांगी मिश्रा (23) विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग के दितीय वर्ष की छात्रा थी और 25 सितंबर को इसकी शादी होने वाली थी । विश्वविद्यालय के महिला लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास के कमरा नम्बर 35 में रहती थी। रात में करीब 11 बजे किसी से तेज आवाज में बात कर रही थी।आसपास की लड़कियां बरामदे में टहल रही थी। लोगों ने कुछ देर बाद आवाज शांत हो गई। अन्य छात्राओ ने टहलने के लिए उसे भी बुलाया,जवाब न मिलने पर दरवाजा पीटा तब भी बोली नहीं,न ही उसका मोबाइल उठा ,तो आसपास कमरो में रहने वाली लड़कियों ने वार्डेन को खबर किया

वार्डन पहुंचे और वह सूचना अधिकारियों को दी। अधिकारी भी पहुंचे दरवाजा खुलवाया गया । उसकी लाश पंखे पर दुपट्टे से लटक रही थी । आनन फानन में मृतका के शव को उतरवा कर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर परिजन व पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रखवा दिया । घटना को लेकर तरह-तरह की बातें हैं, चर्चा है कि वह मोबाइल की लास्ट काल उसके मंगेतर से बात हुई थी । चर्चा है कि वह अपनी शादी को लेकर ही अवसाद में थी।इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि घटना की सूचना देर रात मिली। वार्डन और सहपाठियों ने जब शिवांगी ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसे तोड़कर अंदर गए। छात्रा को फांसी से उतारकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि घटना से पहले शिवांगी की अपने होने वाले पति आकाश से फोन पर बात हुई थी। उसकी शादी नवंबर में होनी थी। आकाश ने शिवांगी की सहपाठी को फोन कर बताया कि वह फोन नहीं उठा रही है। इस मामले में आकाश से भी पूछताछ की जाएगी।

अंतिम बार उसकी बात अपने होने वाले पति से हुई है। पुलिस परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों के पैनल द्वारा कराया जाएगा।

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, शोभायात्रा निकाली

वर्ष में एक बार खुलता है दरबार, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से पूरा धाम परिक्षेत्र गुंजायमान

वाराणसी। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर स्थित माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन के लिए विभिन्न संगठनों के साथ श्रद्धालु महिलाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। वर्ष में सिर्फ एक दिन के लिए खुलने वाले माता के दरबार में दर्शन पूजन के लिए मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी महिलाओं व हिंदू पक्ष के पैरोकार, अधिवक्ताओं के साथ ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ता भी पहुंचे।

दरबार में श्रद्धालु महिलाओं ने विधि विधान से माता का दर्शन कर श्रृंगार सामग्री अर्पित कर उनसे सौभाग्य का आर्शीवाद मांगा। इसके पहले वादिनी महिलाओं के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के नेतृत्व में मैदागिन स्थित गोरखनाथ मठ मां श्रृंगार गौरी की पूजा के लिए शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। इसमें चारों वादिनी महिलाएं भी शामिल हुई।

श्रृंगार गौरी केस के मुख्य अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पत्रकारों को बताया कि हम मां श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए जा रहे हैं। उनके चरणों में हम कामना करेंगे कि जो न्यायालय में संघर्ष चल रहा है, उसमें विजय प्रदान करें। इसी क्रम में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के जत्थे ने भी माता रानी की आरती उतारी। इस दौरान ज्ञानवापी परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए। श्रद्धालुओं को सत्यनारायण मंदिर और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार-बी से सुबह 8.30 बजे से प्रवेश दिया गया। दर्शन पूजन में महिला दर्शनार्थियों को वरीयता दी गई, जिससे उनकी लाइन आगे रही। ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के बैनर तले श्रद्धालुओं का दल कलश में गंगा जल लेकर मंदिर में पहुंचा। 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी उद्घोष, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से पूरा धाम परिक्षेत्र गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां श्रृंगार गौरी की प्राचीन प्रतिमा के टूटे पत्थरों पर सिंदूर और चंदन का लेपन किया। इसके बाद पुष्प और नैवेद्य अर्पित किया। पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ माता की आराधना की।

इसी क्रम में चौक चित्रा सिनेमा के पास से भी श्रद्धालुओं की भीड़ गुलशन कपूर के नेतृत्व में दर्शन पूजन के लिए ज्ञानवापी पहुंचा। श्रद्धालु हाथों में पूजन सामग्री, माला फूल, ध्वज लेकर दरबार में पहुंचे। श्रद्धालुओं ने ज्ञानवापी कूप के जल से माता के विग्रह को स्नान कराया। फिर गुलाब, अड़हुल, बेला के फूलों से श्रृंगार कर माता को सिन्दूर अर्पित किया। इसके बाद माता रानी से भव्य मंदिर बनने की गुहार लगाई। माता श्रृंगार गौरी के दर्शन के बाद दल ने ज्ञानवापी कूप के जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। माता अन्नपूर्णा और ढुढ़ीराज गणेश का दर्शन कर जत्थे ने ज्ञानवापी परिसर में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर दर्शन पूजन यात्रा को विराम दिया और वापस अपने घरों को लौटे।

इसके पहले मंगलवार शाम को श्री काशी विश्वनाथ धाम के सभागार में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद की बैठक हुई। इसमें माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन कार्यक्रम, ज्ञानवापी व्यास जी तहखाना और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन की रूप रेखा बनी।

इस बैठक में काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र, मंदिर के डिप्टी एसडीएम शंभू शरण, पुलिस उपायुक्त, ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद से डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र, अधिवक्ता अनघ शुक्ल, पतंजलि पांडेय आदि की उपस्थिति रहीं।

राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि का आधार एकता और अखंडता में निहित: राज्यपाल

हरिद्वार में लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने राष्ट्रीय सैनिक संस्था के कार्यक्रम में की शिरकत

हरिद्वार। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह ने बुधवार को हरिद्वार में राष्ट्रीय सैनिक संस्था की हरिद्वार इकाई एवं अखण्ड हिन्द फौज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान अखण्ड हिन्द फौज के छात्र-छात्राओं द्वारा परेड एवं झांकी का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने अखण्ड हिन्द फौज में बालिकाओं की उपस्थिति और ड्रिल और परेड में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने पर प्रशंसा व्यक्त की।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण और चरित्र निर्माण, समाज से बुराइयों के उन्मूलन, शहीद परिवारों के कल्याण, पूर्व सैनिकों के सशक्तीकरण, नशे और ड्रग्स जैसी बुराइयों को मिटाने, शिक्षा के जरिए नैतिक मूल्यों का विकास और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था सेनानियों और देशभक्त नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधकर राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूती प्रदान कर रही है।

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं से नशे और ड्रग्स जैसी बुराइयों को मिटाने, शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्यों का विकास करने और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों से अपील की। उन्होंने कहा कि देश के सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि हम अपनी एकता को और मजबूत करें, समाज में समरसता और सौहार्द बनाए रखें तथा देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इससे पूर्व डीएम कमैंद्र सिंह एवं एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने पुष्प गुच्छ देकर राज्यपाल का स्वागत किया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष कर्नल टी.पी. त्यागी, डॉ. शैलेन्द्र प्रताप, राजन छिबबर, चेयरमेन राष्ट्रीय आर्थिक काउंसिल, राष्ट्रीय सैनिक संस्था, मेजर जनरल ओपी सोनी, वीएसएम, राष्ट्रीय संयोजक, शिक्षा विंग, राष्ट्रीय सैनिक संस्था, मेजर जनरल एम एल असवाल, बरिष्ठ सदस्य राष्ट्रीय प्रशासनिक काउंसिल, राष्ट्रीय सैनिक संस्था श्री अखंड प्रताप जी भाई, संरक्षक, अखंड हिंद फौज, हेमलता जी, कुलपति, गुरुकुल कांगडी विश्विद्यालय, डॉ. ओम प्रकाश अवस्थी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखंड हिन्द फौज, कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी, बीर चक्र, महापौर हरिद्वार किरण जैसल, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी आरके सिंह, डिप्टी कलेक्ट्रेट लक्ष्मी राज चौहान, एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा, एसपी सिटी पंकज गैरोला, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंभीर तालियांन, गुरुकुल कांगड़ी कुलपति डॉ. प्रेमलता, गुरुकुल कांगड़ी कुल सचिव डॉ. सुनील कुमार, तहसीलदार प्रियंका रानी आदि उपस्थित थे।

> राज्यपाल सिंह ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित है। हमारी विविधता हमारी शक्ति है और जब हम सभी एक सूत्र में बंधकर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को अपनाते हैं। एकता की भावना से देश को अजेय बनाया जा सकता है और हम तभी विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने युवाओं में शिक्षा, नवाचार, विज्ञान, तकनीक और सामाजिक सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि जब हम किसी भी कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेने उत्तरकाशी पहुंचे सचिव खैरवाल

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा को लेकर शासन-प्रशासन के स्तर पर तैयारियां युद्ध स्तर से की जा रही है।

बुधवार को चार धाम की यात्रा व्यवस्थाओं को परखने सचिव उत्तराखंड शासन एवं नोडल अधिकारी यमुनोत्री धाम यात्रा नीरज खैरवाल, अपर सचिव विनीत कुमार और जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यमुनोत्री मार्ग पर विभिन्न व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा व्यवस्था से संबंधित विभिन्न कार्यों और तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को यात्रा से जुड़ी सभी तैयारियों को समय से पूरा करने के साथ ही यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर चिन्हित चोक-पॉइंट्स के चौड़ीकरण और मरम्मत के कार्यों को तेजी से पूरा करने की विशेष हिदायत दी गई।

चारधाम यात्रा की तैयारियों के स्थलीय निरीक्षण से पूर्व बड़कोट में आयोजित बैठक में सचिव उत्तराखंड शासन एवं नोडल अधिकारी यमुनोत्री धाम यात्रा नीरज खैरवाल ने जिले में यात्रा की तैयारियों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक के बाद उच्चाधिकारियों की टीम ने जानकीचट्टी-खरसाली तक यमुनोत्री मार्ग और विभिन्न पड़ावों में स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा व्यवस्था को लेकर किए जा रहे कार्यों एवं तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन किए जाने के साथ ही यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर मेडीकल रिलीफ पोस्ट की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

इस दौरान डॉ. बिष्ट ने यमुनोत्री पैदल मार्ग के अनुरक्षण का काम तेजी से संपन्न कराने के साथ ही नौ कैंची और उन्नीस कैंची क्षेत्र में कैंटीलीवर बनाकर मार्ग को चौड़ा किए जाने और भंडेलीगाड वनमार्ग की मरम्मत व चौड़ीकरण कर इस मार्ग को वैकल्पिक पैदल मार्ग के रूप में उपयोग किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने घोड़े-खच्चरों की सुव्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित करने के साथ ही घोड़ा पड़ावों को सही ढंग से प्रबंधित किए जाने के भी निर्देश दिए।

उच्चाधिकारियों की टीम ने खरसाली गांव में जाकर यमुना मंदिर, हेलीपैड आदि स्थानों का निरीक्षण करने के साथ ही निर्माणाधीन रोप-वे के लोअर टर्मिनल आदि स्थानों का भी जायजा लिया। इस दौरान लोनिवि. के मुख्य अभियंता एनएच दयानंद, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी हरीश पांगती, उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश कुमार तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक देवेंद्र सिंह नेगी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी ऋषिराज, डिप्टी सीएमओ आरसी आर्य, यमुनोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट: बड़कोट पालिकाध्यक्ष के स्टोन क्रशर जब्ती पर रोक

नैनीताल। हाईकोर्ट ने बड़कोट नगर पालिकाध्यक्ष विनोद बर्थवाल के कोटियाल गांव में चल रहे स्टोन क्रशर को सीज करने और प्रशासन द्वारा लगाए गए जुर्माने पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार उपजिलाधिकारी बड़कोट जिला खनन अधिकारी उत्तरकाशी, राजस्व अधिकारियों व पुरोला थाने की पुलिस टीम ने 27 फरवरी 2025 को विनोद के 'मैसर्स अस्तित्व अनन्तराज इंटरप्राइजेज' पर छापा मारा था। इस टीम ने मौके पर अवैध खनन व भंडारण होना पाते हुए स्टोन क्रशर को बंद करने के निर्देश देते हुए 17.50 लाख का जुर्माना लगाया था।

रामगंगा और कोसी नदी के कटान से बचाने के लिए मुरादाबाद में दो जगहों पर बनाए जाएंगे स्टड

शासन ने 2.44 करोड़ रुपये मंजूर किए, माह के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएगा काम

मुरादाबाद। जिले के बीरपुर बरियार को रामगंगा नदी और ग्राम जैतपुर बिसाहट को कोसी नदी के कटान से बचाने के लिए स्टड (बांध रूपी संरचना) बनाए जाएंगे। इसके लिए उप्र शासन ने 2.44 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। अप्रैल माह के पहले सप्ताह में बाढ़ खंड इस कार्य को शुरू करा देगा। इन कामों से हजारों लोगों को बरसात के दिनों में बाढ़ के खतरे से राहत मिलेगी।

पिछले साल बरसात के दौरान उफनाई कोसी नदी ने ग्राम जैतपुर विसाहट में सड़क, खेतों को बड़ी क्षति पहुंचाई थी। आबादी इलाके में भी पानी घुस गया था, जिससे महीनों तक लोगों को परेशानी हुई थी। यहां नदी और आबादी के बीच सिर्फ 20 मीटर का फासला रह गया है। वहीं रामगंगा नदी भी कटान करते हुए ग्राम बीरपुर बरियार तक पहुंच गई थी। बाढ़ खंड की ओर से बरसात के बाद बचाव कार्य का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। शासन से बचाव कार्य के लिए 2.44 करोड़ रुपये मंजूर कर दिए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बचाव कार्य को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं और जल्द ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

जिला बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता राजेश गंगवार ने बुधवार को बताया कि तहसील सदर में रामगंगा नदी के बायीं ओर स्थित ग्राम बीरपुर बरियार में कटाव निरोधक कार्य के लिए 1.39 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है। इसके अंतर्गत 500 मीटर लंबाई और 18 मीटर चौड़ाई में लांचिंग एप्रन का निर्माण किया जाएगा। इसमें 17 मीटर चौड़ाई में दो लेयर में जियो बैग बिछाए जाएंगे तथा स्लोप पर 0.45 मीटर मोटाई में बोल्डर पिचिंग की जाएगी। इससे 20 हजार की आबादी वाले तीन गांवों और करीब 500 हेक्टेयर क्षेत्र को कटान से बचाया जा सकेगा।

इसी तरह सदर तहसील क्षेत्र में कोसी नदी के दायीं ओर ग्राम जैतपुर बिसाहट में कटान रोकने के लिए 1.05 करोड़ रुपये की लागत की परियोजना की मंजूरी मिल गई है। इसके तहत 300 मीटर लंबाई और 17 मीटर चौड़ाई को लांचिंग एप्रन पर दो लेयर में जियो बैग और स्लोब पर दो लेयर में जियो ट्यूब लगाए जाएंगे। इसके अलावा 16 परक्यूचाइन स्टड भी बनाए जाएंगे। इससे जैतपुर बिसाहट की 4500 की आबादी और 700 हेक्टेयर क्षेत्र को कटान से बचाया जा सकेगा।

पानी के बिलों को लेकर कांग्रेसियों का प्रदर्शन

नई टिहरी। शहर कांग्रेस कमेटी ने पानी के बिल माफ करने व कनेक्शन न काटने की मांग को लेकर जल संस्थान कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर रोष जाहिर किया। इस दौरान उन्होंने जल संस्थान के ईई को ज्ञापन सौंपकर कनेक्श काटने की कार्यवाही बंद करने मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी।

शहर कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शहर कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में बुधवार को जल संस्थान के ईई कार्यालय के समक्ष एकत्र होकर पानी के बिलों की वसूली व वसूली न होने पर कनेक्शन काटने की कार्यवाही पर रोष जाहिर करते हुए जमकर धरना-प्रर्दशन करते हुए नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने इस मौके पर कहा कि बांध प्रभावित व विस्थापित नई टिहरी के निवासियों के बिल हनुमंत राव कमेटी के सिफारिश पर माफ होने चाहिए। सीएम सहित पूर्व पेयजल मंत्री इसकी घोषणा तक कर चुके हैं। इस बाबत शहर में होरडिंग्स लगाकर प्रचार तक किया जा चुका है। लेकिन अब पानी के बिलों की वसूली के लिए अभियान चलाकर जल संस्थान लोगों के कनेक्शन काटने की कार्यवाही कर रहा है। जा कि उचित नहीं है। बांध प्रभावितों को भानिवाला, पथरी व बंजारावाला में पानी के बिलों की माफी की सुविधा है, तो फिर नई टिहरी के लोगों के साथ क्यों भेदभाव किया जा रहा है। ईई को ज्ञापन सौंपकर कनेक्शन काटने की कार्यवाही बंद करने की मांग की। नहीं तो उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

इस मौके पर कांग्रेस के शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, जुनेद, चंदू, अनिल कुमार, सुरेंद्र सिंह, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष आशा रावत, गबर सिंह रावत, अनिता देवी, रीना देवी, उषा देवी, कमला आदि मौजूद रहे।

राम नवमी को दोपहर 12 बजे होगा रामलला का जन्म: चम्पत राय

अयोध्या। राम जन्मभूमि में राम जन्मोत्सव श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट धूमधाम से मना रहा है। जन्मोत्सव पर प्रतिदिन रामलला के सामने सायंकाल बधाई गायन प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा हो रहा है। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। राम नवमी के अवसर पर 6 अप्रैल को रामलला का जन्म होगा।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि चैत्र राम नवमी के अवसर पर दोपहर ठीक 12 बजे रामलला का जन्म होगा। उसी समय से उनके कुल देवता सूर्य अपनी किरणों से अगले 4 मिनट तक उनका अभिषेक करेंगे। सूर्य तिलक का सीधा लाइव प्रसारण होगा। राम नवमी को प्रातःकाल भगवान का अभिषेक प्रातः 9 बजकर 30 मिनट से एक घंटे तक किया जाएगा। अभिषेक करने के उपरांत भगवान का श्रृंगार होगा। उसके बाद भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। भगवान श्रीराम ने सूर्यवंश में जन्म लिया है। इसलिए सूर्य तिलक का कार्यक्रम हो रहा है। मंदिर में प्रातः 8 बजकर 30 मिनट से श्रीराम चरित मानस और वाल्मीकि रामायण का राम नवमी तक नवान्ह पाठ किया जा रहा है। राम जन्मभूमि परिसर के अंगद टीला पर सायंकाल राम भक्तों को श्री राम कथा में भगवान राम की लीलाओं का व्याख्यान वृंदावन के चर्चित रामकथा वाचक अतुल कृष्ण भारद्वाज के द्वारा सुनाया जा रहा है।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर हादसे में हरियाणा की दो युवतियों की मौत

मुरादाबाद। मूंढापांडे थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के जीरो प्वाइंट पर बुधवार को सीमेंट के पाइप से भरे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार हरियाणा की रहने वाली दो युवतियों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल है। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान रोहतक निवासी सिमरन और शिवानी के रूप में हुई हैं। वहीं उनके दो दोस्तों में राहुल और संजू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार देर रात्रि चारों दोस्त कार से नैनीताल से हरियाणा जाने के लिए निकले थे। सुबह उनकी कार मूंढापांडे क्षेत्र में जीरो प्वाइंट पर हाईवे पर चढ़ी, तभी दिल्ली से आ रहे ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। फंसने की वजह से ट्रक चालक, कार को 50 मीटर तक घसीटते हुए लेकर चला गया। इसके बाद कार निर्यात फर्म की दीवार से टकरा गई। चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग निकला। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों को बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों युवतियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के संबंध घायलों के परिजनों को जानकारी दे दी गई है।

मेडिकल कॉलेज में 10 करोड से खरीदी जाएंगी 39 जांच मशीनें

अयोध्या। दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज भी आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत कर रहा है। हाल ही में इस मेडिकल कॉलेज के लिए बड़े बजट को मंजूरी मिली है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद जगी है।

मेडिकल कॉलेज के उन्नयन के लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डीजीएमई) ने 9.84 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से 39 अत्याधुनिक जांच मशीनों की खरीदारी की जाएगी। इन मशीनों के संचालन के बाद मेडिकल कॉलेज में छोटी-मोटी बीमारियों से लेकर गंभीर रोगों की जांच संभव हो सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि इसी वित्तीय वर्ष में इन मशीनों की खरीदारी पूरी कर जांच प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इस पहल से न केवल अयोध्या बल्कि आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। अभी तक गंभीर बीमारियों की जांच के लिए लोगों को बड़े शहरों या निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने बताया कि इसका प्रस्ताव भेजा गया था, जो मंजूर हो गया है। कोशिश है कि जल्द से जल्द आधुनिक जांचें शुरू कर दी जाएं। 39 जांच मशीनें ऐसी हैं, जिनके संचालन के बाद मरीजों को महानगरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। मेडिसिन विभाग को टीएमटी मशीन मिलेगी। यह ट्रेड मिल की तरह होती है, जिस पर हार्ट के मरीजों की जांच होती है। वहीं एंडोस्कोपी की भी व्यवस्था शुरू होगी। नेत्र विभाग भी काफी मजबूत होने जा रहा है। इस विभाग में पेरिमीटर (एचएफए), स्लिट लैप विथ कैमरा, क्रियो यूनिट, यग लेजर विथ अब्राहम लेंस, ओसीटी व अल्ट्रासाउंड बी स्कैन की व्यवस्था होने जा रही है। एनेस्थेसिया की 12 जांच मशीनें, पीडियाट्रिक को इंफैन्ट वार्मर, आर्थो को सीआर इमेज, इंस्ट्रूमेंट, सर्जरी व बायोकेमेस्ट्री डिपार्टमेंट के लिए जांच मशीनें आएंगी।

नया कीर्तिमान गढ़ रहा मेडिकल कॉलेज

मेडिकल कॉलेज में इन मशीनों के आने से जांच व स्वास्थ्य सुविधाओं में तेजी आएगी और इलाज की प्रक्रिया भी प्रभावी होगी। योगी सरकार का यह कदम स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की दिशा में बड़ा प्रयास माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मेडिकल कॉलेज के इस विस्तार से अयोध्या स्वास्थ्य के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करने की ओर बढ़ रहा है।

ईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में बनाया रिकॉर्ड 10 लाख से ज्यादा लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली। डिजिटल खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों के लिए 10 लाख से अधिक जनशक्ति संसाधनों की भर्ती करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि जीईएम की यह उपलब्धि पारदर्शिता, अनुपालन और दक्षता के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को बदलने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। जीईएम की इस उपलब्धि पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान में जीईएम प्लेटफॉर्म की सफलता और इसके माध्यम से रोजगार के अवसरों पर अपनी बात साझा की।

उन्होंने इस प्लेटफार्म के जरिए 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के आंकड़े को ऐतिहासिक बताया। पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीईएम विशाल रोजगार सृजन में सहायक बन रहा है और श्रमिकों की भर्ती के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। यह प्लेटफॉर्म वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर चुका है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति और सरकारी संगठनों में प्रभाव को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर जीईएम के सीईओ अजय भादू ने कहा, ₹जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का दोहन किया है और प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर सरकारी खरीदारों द्वारा आवश्यक सभी संभावित सेवाओं की खरीद के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में उभरा है।

हमारी मैनपावर आउटसोर्सिंग सेवा न केवल सरकारी संगठनों के लिए भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि हमारे व्यापक सेवा स्तर समझौते के माध्यम से सख्त श्रम अनुपालन भी सुनिश्चित करती है। जीईएम की मैनपावर आउटसोर्सिंग सरकारी खरीदारों को आउटसोर्स संसाधनों को काम पर रखने के लिए एक सहज समाधान प्रदान करती है। इस प्लेटफॉर्म पर 33 हजार से ज्यादा सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम वेतन और निश्चित पारिश्रमिक सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर मैनपावर को शामिल करने में सक्षम बनाते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सुरक्षाकर्मी, बागवानी कर्मचारी, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सुविधा प्रबंधन पेशेवरों जैसी विभिन्न कुशल और अकुशल भूमिकाओं को पोर्टल के माध्यम से काम पर रखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 2016 में स्थापित जीईएम सरकारी खरीदारों को लागत प्रभावी दरों पर सार्वजनिक खरीद करने के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है।

वित्त वर्ष 2019-20 में इस प्लेटफॉर्म ने एक अलग सेगमेंट के रूप में सेवाओं को शामिल करने के लिए विस्तार किया। इस प्लेटफॉर्म ने शुरुआत में मैनपावर हायरिंग, कैब हायरिंग, सुरक्षा सेवाएं और सफाई और स्वच्छता सेवाएं जैसी बुनियादी सेवाएँ प्रदान कीं। पिछले पांच वर्षों में जीईएम ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार 330 से अधिक सेवाओं तक किया है, जिसमें ड्रोन सेवाएं, एआर/वीआर सेवाएं, क्लाउड सेवाएं और साइबर सुरक्षा सेवाएं जैसी जटिल पेशकश शामिल हैं।

7-9 अप्रैल को होगी अरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (अरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों का शेड्यूल जारी कर दिया है। चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होंगी, जिनमें से पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को शुरू होकर 9 अप्रैल, 2025 तक चलेगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया गवर्नर 9 अप्रैल को एमपीसी के निर्णय की जानकारी देंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक मे रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6.5 फीसदी से 6.25 फीसदी कर दिया था। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष की 7-9 अप्रैल की होने वाली पहली बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों यानी 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है।

दो पैसे टूटकर 85.52 प्रति डॉलर पर पहुंचा रुपया

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया सीमित दायरे में कारोबार के बीच दो रुपये के नुकसान के साथ 85.52 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी शुल्क पर चिंताओं और विदेशी पूंजी की निकासी से भारतीय मुद्रा वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी सत्र में सपाट रही। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी रुपये पर दबाव डाला। उन्होंने बताया कि हालांकि सकारात्मक घरेलू बाजार तथा अमेरिकी डॉलर में कमजोरी ने गिरावट को सीमित किया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.65 प्रति डॉलर पर खुला। यह कारोबार के दौरान 85.50 प्रति डॉलर के उच्चस्तर तक गया तथा 85.73 प्रति डॉलर के निचले स्तर तक आया। कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 85.52 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.50 पर बंद हुआ था। यह वित्त वर्ष 2025-26 का पहला कारोबारी सत्र है। एक अप्रैल को बैंकों की वार्षिक खाता बंदी के कारण मंगलवार को मुद्रा व बॉन्ड बाजार बंद थे। 31 मार्च को 'ईद-उल-फितर' के अवसर पर शेयर, मुद्रा, जिंस और वायदा-विकल्प बाजार बंद रहे थे। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि व्यापार शुल्क अनिश्चितता और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता के बीच रुपया नकारात्मक रहेगा।

हालांकि, विदेशी पूंजी प्रवाह और सकारात्मक घरेलू बाजार से निचले स्तर पर रुपये को समर्थन मिलेगा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.13 पर रहा।

हरियाणा के कृषि मंत्री ने किसानों की आय बढ़ाने की परियोजनाओं में तेजी लाने के अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने विभागों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर जोर देते हुए अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए जारी परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

राणा ने यहां मंगलवार विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की और अंतर-विभागीय समन्वय बढ़ाकर परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश जारी किए। आधिकारिक बयान के अनुसार, कृषि, किसान कल्याण, मत्स्य पालन तथा पशुपालन मंत्री ने जलीय कृषि के जरिये किसानों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने के लिए वैश्विक स्तर पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। भिवानी और सिरसा जिलों की मत्स्य पालन परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों के पानी का उपयोग मत्स्य और झींगा पालन के लिए प्रभावी ढंग से किए जाने की वकालत की जिससे राज्य में एक स्थायी नीली क्रांति को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने अधिकारियों को अतिरिक्त खारे पानी वाले क्षेत्रों की पहचान करने तथा उन्हें जलीय कृषि के लिए उपयोगी बनाने हेतु परियोजनाएं विकसित करने का निर्देश दिया। राणा ने कहा कि जून के बाद सरकार का लक्ष्य एक लाख एकड़ खारी मिट्टी को पुनः प्राप्त कर उसे उत्पादक संसाधन में बदलना होगा। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे वन विभाग के साथ मिलकर लवणीय भूमि पर नीलगिरी और अन्य पेड़ लगाएं, जिससे किसानों के लिए आय का एक वैकल्पिक स्रोत सृजित हो सके।

बैठक में उपस्थित कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू ने आश्वासन दिया कि झींगा पालन के लिए खारे पानी के संसाधनों का प्रभावी ढंग से दोहन करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय को प्राथमिकता दी जाएगी।

रिलायंस, ब्लास्ट ने भारत में ई-स्पोर्ट्स कारोबार का विस्तार करने के लिए बनाया

नई दिल्ली। रिलायंस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी राइज वर्ल्डवाइड ने भारत में ई-स्पोर्ट्स कारोबार के लिए संयुक्त उद्यम बनाने हेतु ब्लास्ट ई-स्पोर्ट्स के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। बयान के अनुसार, रिलायंस और ब्लास्ट भारत में बाजार में अग्रणी बौद्धिक संपदा (आईपी) विकसित करने के लिए साझेदारी करेंगे। प्रशंसकों, खिलाड़ियों और ब्रांडों के लिए भारतीय बाजार में ब्लास्ट की वैश्विक आईपी पेश करेंगे। डेनमार्क स्थित ब्लास्ट एपीएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ब्लास्ट दुनिया की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं के आयोजकों में से एक है। बयान के अनुसार कि संयुक्त उद्यम का लक्ष्य भविष्य में शीर्ष स्तरीय आयोजनों को आकर्षित करना है। ब्लास्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबी डोएक ने कहा कि भारत में अद्वितीय विशेषज्ञता तथा बेहतरीन पहुंच रखने वाली रिलायंस के साथ साझेदारी से हमें स्थानीय ई-स्पोर्ट्स परिदृश्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अनूठा अवसर मिला है। रिलायंस स्पोर्ट्स के प्रमुख देवांग भीमज्यानी ने कहा कि इस संयुक्त उद्यम के साथ रिलायंस खेलों में अपनी रुचि को ई-स्पोर्ट्स में विस्तारित करेगा। खेल आयोजनों तथा टीमों के विपणन व प्रचार के लिए राइज की क्षमता का लाभ उठाएगा, साथ ही इसमें जियो अपनी वितरण व प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 593 अंक चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी आई और दोनों मानक सूचकांक... अच्छी-खासी बढ़त में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगभग 593 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 167 अंक के लाभ में रहा। मजबूत पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स) विनिर्माण के आंकड़े और हाल में गिरावट के बाद निचले स्तर पर लिवाली से बाजार में तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 592.93 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,617.44 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 655.84 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 166.65 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,332.35 अंक पर बंद हुआ। निचले स्तर पर चुनिंदा वाहन, बैंक और आईटी शेयरों में लिवाली के साथ देश के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि मार्च में आठ महीने के उच्चस्तर पर आने से घरेलू शेयर बाजार बढ़त में रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 1,390 अंक लुढ़क गया था जबकि एनएसई निफ्टी में 353 अंक की बड़ी गिरावट आई थी। सेंसेक्स के शेयरों में जोमैटो करीब पांच प्रतिशत चढ़ा। इसके बाद, टाइटन का स्थान रहा जिसमें करीब चार प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, मारुति, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक में भी प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में नेस्ले, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टुब्रो शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में तेजी काफी हद तक इस उम्मीद पर आधारित है कि शुल्क का घरेलू अर्थव्यवस्था पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। इसका कारण भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में सकारात्मक प्रगति का होना है।'' उन्होंने कहा, ''मार्च में भारत के विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े ने भी धारणा को और मजबूत किया, जो आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनियों की कमाई में सुधार का संकेत देता है।

बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर आठ महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गई। बेहतर मांग की स्थिति के बीच कारखाना ऑर्डर और उत्पादन में तीव्र वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) मार्च में 58.1 रहा जो फरवरी में 56.3 था। यह बताता है कि क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 5,901.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,322.58 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने केसी आंग को चिप विनिर्माण का प्रमुख नियुक्त किया

नई दिल्ली। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने ग्लोबलफाउंड्रीज के पूर्व वरिष्ठ कार्यकारी केसी आंग को टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड का अध्यक्ष एवं प्रमुख नियुक्त किया है। आंग, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेश रणधीर ठाकुर के अधीन काम करेंगे। अमेरिका स्थित ग्लोबलफाउंड्रीज क्वालकॉम, एएमडी, इंफिनियन, लॉकहीड मार्टिन आदि के लिए चिप बनाने के लिए पहचानी जाती है। मलेशिया में जन्मे आंग ने नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और टेक्सास यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग में मास्टर किया है। आंग ने कहा कि यह क्षेत्र आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण वैश्विक प्रभाव डालने के लिए तैयार है और मैं टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को वैश्विक चिप विनिर्माण में अग्रणी बनाने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल करने को तैयार हूं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने गुजरात के धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट स्थापित करने के लिए 91,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

वित्त वर्ष 2025 में भारत का रक्षा निर्यात 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ा, 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल ही में जानकारी देते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का रक्षा निर्यात बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये (करीब 2.76 अरब डॉलर) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2024 में 21,083 करोड़ रुपये की तुलना में रक्षा निर्यात में 2,539 करोड़ रुपये यानी 12.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) ने वित्त वर्ष 2025 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच और ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा बनने की भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025 में रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 के लिए यह आंकड़ा क्रमशः 15,209 करोड़ रुपये और 5,874 करोड़ रुपये था। सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2029 तक रक्षा निर्यात को बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर सैन्य बल से विकसित होकर भारत अब आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाला बन गया है। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में गोला-बारूद, हथियार, सब सिस्टम/सिस्टम, पार्ट्स और घटकों से लेकर कई तरह की वस्तुओं का निर्यात लगभग 80 देशों को किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार, रक्षा उत्पादन विभाग के पास निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन रिक्वेस्ट की एप्लीकेशन और प्रोसेसिंग के लिए एक डेडिकेटेड पोर्टल है। वित्त वर्ष 2024-25 में 1,762 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए गए, जबकि इससे पिछले वर्ष 1,507 निर्यात से जुड़े ऑथोराइजेशन जारी किए गए थे, जो 16.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। इसी अवधि में निर्यातकों की कुल संख्या में भी 17.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन में 3 लाख करोड़ रुपये हासिल करना है, जिससे देश की ग्लोबल डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थिति मजबूत होगी। लगभग 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण अब घरेलू स्तर पर निर्मित होते हैं, जो पहले के 65-70 प्रतिशत आयात निर्भरता से एक बड़ा बदलाव है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एक मजबूत रक्षा औद्योगिक आधार में 16 डीपीएसयू, 430 से अधिक लाइसेंस प्राप्त कंपनियां और लगभग 16,000 एमएसएमई शामिल हैं, जो स्वदेशी उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करते हैं।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मार्च में आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। बेहतर मांग की स्थिति के बीच कारखाना ऑर्डर और उत्पादन में तीव्र वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) मार्च में 58.1 रहा जो फरवरी में 58.1 था। फरवरी में, नए ऑर्डर तथा उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई थी। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन को दर्शाता है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि ने फरवरी में खोई हुई जमीन वापस पा ली है, जो मुख्य रूप से इसके सबसे बड़े उप-घटकः नए ऑर्डर सूचकांक के मजबूत योगदान से प्रेरित रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि मार्च में कुल बिक्री में जुलाई 2024 के बाद से सबसे अधिक वृद्धि देखी गई, जिसका श्रेय कंपनियों ने सकारात्मक ग्राहक रुचि, अनुकूल मांग की स्थिति और सफल विपणन पहल को दिया। इसमें कहा गया, कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में उत्पादन की मात्रा बढ़ा दी। विस्तार की दर तेज हुई और अपने ऐतिहासिक औसत से अधिक रही जिससे आठ महीनों में सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। मार्च में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि जारी रही, लेकिन वृद्धि की गति तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बिक्री के मामले में एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में हुई वृद्धि का हवाला दिया।

बढ़ती मांग से कंपनियों को ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने भंडार का उपयोग करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप जनवरी 2022 के बाद से तैयार माल के भंडार में सबसे तेज गिरावट आई। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 विनिर्माताओं के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

एनएचएआई ने देशभर में हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने पूरे देश में संचालित किए जाने वाले हाइवे और एक्सप्रेसवे के टोल चार्जेस में औसत 4 से 5 प्रतिशत का इजाफा कर दिया है। इसकी वजह महंगाई के कारण बढ़ती लागत को समायोजित करना था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह समायोजन एनएचएआई की वार्षिक समीक्षा का हिस्सा है, जो थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति के साथ टोल दरों को संरेखित करता है और अतिरिक्त आय से हाइवे रखरखाव और विस्तार परियोजनाओं को सहायता मिलेगी।

एनएचएआई के नोटिफिकेशन के अनुसार, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ जाने वाली कारों और जीपों के लिए एक तरफ का टोल अब 165 रुपये से बढ़कर 170 रुपये हो जाएगा, जबकि गाजियाबाद से मेरठ जाने के लिए टोल 70 रुपये से बढ़कर 75 रुपये हो जाएगा। इस मार्ग पर हल्के वाणिज्यिक वाहनों और बसों को प्रति ट्रिप 275 रुपये देने होंगे, जबकि ट्रकों को 580 रुपये देने होंगे।

एनएच-9 पर छिजारसी टोल प्लाजा पर कारों के लिए टोल 170 रुपये से बढ़कर 175 रुपये हो जाएगा, हल्के वाणिज्यिक वाहनों को 280 रुपये जबकि बसों और ट्रकों को 590 रुपये देने होंगे। लखनऊ से होकर गुजरने वाले हाइवे पर यात्रा करने वाले मोटर चालकों को, जिनमें राज्य की राजधानी को कानपुर, अयोध्या, रायबरेली और बाराबंकी से जोड़ने वाले हाइवे भी शामिल हैं, हल्के वाहनों के लिए प्रति चक्कर 5 से 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, जबकि भारी वाहनों को 20 से 25 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। इसके अतिरिक्त, अब कारों के लिए मासिक पास की कीमत 930 रुपये से बढ़कर 950 रुपये हो जाएगी, जबकि कैब के लिए यह राशि 1225 रुपये से बढ़कर 1255 रुपये हो जाएगी। हल्के मोटर वाहनों और मिनी बसों के लिए एक तरफ का टोल 120 रुपये से बढ़कर 125 रुपये हो जाएगा। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर खेड़की दौला टोल प्लाजा पर निजी कारों और जीपों के लिए टोल वही रहेगा, लेकिन बड़े वाहनों पर प्रति ट्रिप 5 रुपये की बढ़ोतरी होगी।

कारों के लिए मासिक पास की कीमत अब 930 रुपये से बढ़कर 950 रुपये हो जाएगी और वाणिज्यिक कारों और जीपों के लिए यह राशि 1225 रुपये से बढ़कर 1255 रुपये हो जाएगी। हल्के मोटर वाहनों और मिनी बसों के लिए सिंगल- ट्रिप टोल 120 रुपये से बढ़कर 125 रुपये हो जाएगा। भारत के नेशनल हाइवे नेटवर्क पर लगभग 855 प्लाजा हैं, जिनमें से 675 सरकार के द्वारा फंडिड हैं, जबकि लगभग 180 प्लाजा निजी ऑपरेटरों द्वारा मैनेज किए जाते हैं।

सरकार ने पूनम गुप्ता को RBI का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया

नई दिल्ली। सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को तीन साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। माइकल देबब्रत पात्रा के जनवरी में पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का पद खाली हो गया था। सूत्रों ने कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने गुप्ता की आरबीआई में डिप्टी गवर्नर पद पर नियुक्ति को उनके कार्यभार संभालने की तारीख से तीन साल के लिए मंजूरी दी है। वर्तमान में, गुप्ता एनसीएईआर की महानिदेशक हैं। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य और 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद की संयोजक भी हैं। वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक में लगभग दो दशक तक वरिष्ठ पदों पर काम करने के बाद वह 2021 में एनसीएईआर में शामिल हुईं।

वित्त वर्ष 2024-25 में हुई 13 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2024-25 में देश में 13 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई है। यह दिखाता है कि देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को लोग तेजी से अपना रहे हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 11,49,334 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन (ई-2डब्ल्यू) बेचे गए, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बेची गई 9,48,561 यूनिट्स की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है।

इसके अलावा, बीते वित्त वर्ष में 1,59,235 यूनिट्स तिपहिया वाहनों की बिक्री हुई है, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष में हुई 1,01,581 यूनिट्स की बिक्री से 57 प्रतिशत अधिक है। केंद्र सरकार की ओर से पिछले साल सितंबर में पीएम ई-ड्राइव स्कीम की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग और ईवी इकोसिस्टम को बढ़ाना था। इस योजना का परिव्यय 10,900 करोड़ रुपये है। यह योजना 31 मार्च, 2026 तक चलेगी। मंत्रालय द्वारा 01.04.2024 से 30.09.2024 तक छह महीने की अवधि के लिए कार्यान्वित की गई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस) 2024 को पीएम ई-ड्राइव योजना में शामिल कर लिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 10,10,101 ई-दोपहिया वाहन, 1,22,982 ई-तिपहिया वाहन, पोर्टल पर पंजीकृत किए गए हैं। इस वित्त वर्ष 2024-25 में दस लाख से अधिक ईवी की बिक्री हुई है। केंद्रीय भारी उद्योग और स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर सस्टेनेबल मोबिलिटी की ओर अग्रसर है। 10 लाख से अधिक ईवी वाहनों की बिक्री की उपलब्धि एमएचआई की प्रमुख योजनाओं की सफलता का प्रमाण है, जिसमें फेम, ईएमपीएस और पीएम ई-ड्राइव शामिल हैं।

यह उपलब्धि स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। ऑटो सेक्टर के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से देश की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है और यह तेजी से सस्टेनेबिलिटी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रही है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम होगा प्राचीन बाराही मेले, तैयारियां हुई शुरू

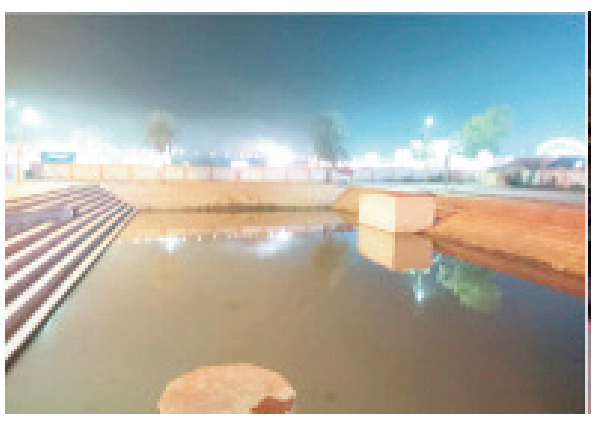

ग्रेटर नोएडा। ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला-2025 के आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। यह मेला अपने सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, जहां हर वर्ष हजारों श्रद्धालु और पर्यटक एकत्र होते हैं। इस बार मेले का आयोजन और भी भव्य बनाने की योजना बनाई गई है।

मेले के आयोजन को लेकर संबंधित विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठकें हो रही हैं। प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं कि इस बार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस और प्रशासन के संयुक्त दल लगातार निगरानी कर रहे हैं। इस वर्ष मेले में पारंपरिक झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक अनुष्ठानों को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, लोक संगीत, और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा, जो मेले को और आकर्षक बनाएगा। प्रशासन ने मेले में स्वच्छता और यातायात प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। पार्किंग क्षेत्र को विस्तारित किया गया है, और स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। साथ ही, मेले में आने वाले बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाराही मेला न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्थानीय व्यापारियों के लिए भी यह एक बड़ा अवसर लेकर आता है। हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र और स्थानीय व्यंजन इस मेले में मुख्य आकर्षण होंगे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों से अपील की है कि वे मेले में अनुशासन बनाए रखें और स्वच्छता का विशेष ध्यान दें। साथ ही, किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर प्रशासनिक हेल्पलाइन का उपयोग करने की सलाह दी गई है। बाराही मेले का ऐतिहासिक महत्व सदियों पुराना है। यह मेला आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। हर वर्ष यह आयोजन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करता है। मेले की तिथियों और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के लिए प्रशासन शीघ्र ही आधिकारिक घोषणा करेगा। श्रद्धालु और पर्यटक इस ऐतिहासिक आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

थार गाड़ी पर पुलिस की लाइट लगाकर घूम रहा शख्स पकड़ा, 52 हजार का काटा चालान

नोएडा। लोगों के बीच अपनी धाक जमाने के लिए एक शख्स ने अपनी थार गाड़ी पर पुलिस की लाइट लगा ली। इसके बाद वह ग्रेटर नोएडा शहर में घूमने लगा। इसी दौरान किसी ने थार गाड़ी की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट फार्मों पर वायरल कर दिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थार गाड़ी पर पुलिस की लाइट लगाकर घूम रहे युवक को पकड़कर 52 हजार रुपए का चालान काट दिया है।

जानकारी के अनुसार जनता के बीच अपना रौब कायम करने के लिए एक युवक ने अपनी थार गाड़ी पर पुलिस की लाइट लगा ली। सोशल मीडिया पर इस मामले की जानकारी मिलते ही थाना बिसरख पुलिस ने 52 हजार का चालन कर तथा थार गाड़ी को सीज करते हुए आरोपी देवांशु आनंद को हिरासत में लेकर इस मामले में पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है कि युवक ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इको विलेज-2 सोसाइटी में अपनी थार गाड़ी पर पुलिस की लाइट लगाकर घूम रहा था। उसी दौरान कुछ लोगों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद थाना बिसरख पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थार चालक को हिरासत में ले लिया और थार गाड़ी का 52 हजार का चालान काटकर उसे सीज कर दिया।

शिक्षक सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त गुरुजनों को दी विदाई

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश द्वारा ग्रेटर नोएडा के जीएन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में एक भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जबकि सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनकी दीर्घकालिक सेवा के लिए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया, जिससे यह समारोह और भी गरिमामयी बन गया। शिक्षा का क्षेत्र सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को संस्कार, चरित्र, और आत्मनिर्भरता की सीख देकर समाज को मजबूत करता है। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया और समाज में उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, दादरी विधायक तेजपाल नागर, भाजपा एमएलसी श्रीचंद शर्मा और भाजपा गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

अधिकारियों से मुलाकात कर महिला शक्ति उत्थान मंडल ने गिनाई समस्याएं

ग्रेटर नोएडा। पानी की घटिया गुणवत्ता, बार-बार पाइपलाइन फटने से पानी की बर्बादी, सीवर ओवरफ्लो और हर्टिकल्चर से जुड़ी समस्याओं को लेकर महिला शक्ति उत्थान मंडल ने एसीईओ सुनील कुमार और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में महिलाओं ने पानी के बढ़ते बिलों पर सवाल उठाए और मांग की कि जब तक पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक बिलों में बढ़ोतरी न की जाए।

उन्होंने बार-बार मेंटेनेंस कार्यों की विफलता पर नाराजगी जताई और प्राधिकरण से ठोस समाधान की मांग की। इसके अलावा, सामाजिक संगठनों के लिए सेक्टर में निशुल्क कम्युनिटी सेंटर उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई, जिससे छोटे संगठनों को अपनी गतिविधियों के लिए स्थान मिल सके।

एसीईओ सुनील कुमार ने जानकारी दी कि सीवर लाइन की समस्या अगले डेढ़ महीने में पूरी तरह हल कर दी जाएगी, जबकि घरों के सामने मौजूद ओवरफ्लो की दिक्कत एक सप्ताह में दूर करने का प्रयास किया जाएगा। पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक स्टडी कमेटी हायर की गई है, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस मौके पर संगीता सक्सेना, विनीता सिंह, सुशीला गड़ोदिया, मनीषा शर्मा, एस. वासु, प्रभात राय, विनोद कटियार, सीमा पुंडीर, मंजू सिरोही, गीता मिश्रा, ज्योति सिंह, राजेश कश्यप, रूपा गुप्ता, विद्या सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राधिकरण की भूमि पर अवैध निर्माण, दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे दो लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर-49 में प्राधिकरण के एक अवर अभियंता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी ने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता प्रदीप कुमार ने ने राधे चौहान तथा देवेंद्र चौहान नाम शख्स को नामित करते हुए थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि अवर अभियंता का आरोप है कि उक्त लोग ग्राम बरौला में स्थित नोएडा प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार कई बार नोएडा प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्य को रुकवा दिया। इसके बावजूद आरोपी देर सवेर कार्य को जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार अवैध निर्माण से नोएडा का सुनियोजित विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई की जायेगी।

प्लाट बेचने के नाम पर दो महिलाओं के लाखों रुपए हड़पे, मुकदमा दर्ज

नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थाना कासना और थाना बीटा-टू में अलग-अलग मामलों में दो महिलाओं ने मुकदमा दर्ज कराया है कि प्लाट बेचने के नाम पर उनसे 79 लाख और 35 167 लाख रुपयों की दबंगों ने धोखाधड़ी की गई है। पुलिस दोनों मामले की जांच कर रही है।

थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रेखा भाटी पत्नी अनित भाटी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि रामपाल पुत्र रामरिख निवासी ग्राम घंघोला को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने भूमि अधिग्रहण के एवज में आबादी के लिए 1190 वर्ग मीटर का प्लाट आवंटित किया था। पीड़िता ने रामपाल और उनके परिजनों से उक्त प्लाट को खरीदने की बात की तथा 49 लाख 10 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। पीड़ता के अनुसार उन्होंने 49 लाख रुपए आरोपियों के खाते में ट्रांसफर कर दिया। 10 हजार रुपए रजिस्ट्री के समय देना तय हुआ। महिला के अनुसार जब उन्होंने आरोपियों से प्लाट की रजिस्ट्री करने की बात की तो उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 30 लाख रुपए विकास शुल्क के रूप में डिमांड किया है। जिसे जमा करना है। आरोपियों ने महिला से 30 लाख रुपए ले लिया। उनके अनुसार जब 8 जनवरी 2025 को वह अपने पति के साथ ग्राम घंघोला में आरोपियों से प्लाट की रजिस्ट्री के लिए बात करने गई तब रामपाल, बीरम, मनोज, अजीत उर्फ कल्लू और अमित ने उनके साथ गाली-गलौज कर मारपीट की तथा कहा कि हम तुम्हें प्लाट नहीं देंगे। अगर प्लाट लेना है तो एक करोड़ रुपया और दो।

उन्होंने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि यह मुकदमा कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है। दूसरे मामले में थाना बीटा-टू के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि इशरत नामक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह शाहदरा की रहने वाली है। पीड़िता के अनुसार उन्होंने वशीरन आदि से 410 वर्ग मीटर का प्लॉट लिया था। यह प्लाट ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा जमीन अधिग्रहण के बाद आबादी के एवज में दिया गया था। पीड़िता के अनुसार 13 मई 2022 को दोनों पक्षों के बीच सौदा तय हुआ। प्लाट 35 लाख 67 हजार रुपए में बेचने की बात हुई। महिला के अनुसार उन्होंने 24 लाख 81 हजार रुपए ऑनलाइन तथा शेष राशि नकद के रूप में आरोपियों को दे दी। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने प्लाट को अपने नाम ट्रांसफर करने की बात की तो आरोपी टालमटोल करते रहे।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 10 दिसंबर वर्ष 2024 को आरोपी गणों ने उसे सब रजिस्टार ऑफिस ग्रेटर नोएडा में बुलाया तथा वहां पर उक्त लोगों ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। कहा कि तुम्हारे नाम प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करेंगे, ना ही तुम्हारा पैसा वापस करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मामले में महिला ने वशीरन, समयददीन, यूनुस, अनीस, और इसरायल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वेतन मांगने पर मालकिन ने सहेली संग मिलकर पीटा, मामला दर्ज

नोएडा। नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक घरेलू सहायिका ने अपनी मालकिन और उसकी सहेली पर उससे मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईकोटेक-3 के थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडे ने बताया कि घरेलू सहायिका रजनी ने मंगलवार रात को इस संबंध में मामला दर्ज कराया है।

पीड़िता का आरोप है कि उसने ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र अंतर्गत एक सोसाइटी में रहने वाली महिला के घर पर एक महीने तक काम किया, लेकिन जब उसने अपना 15 हजार रुपये का मेहनताना मांगा तो चेतना आनंद नामक महिला और उसकी सहेली डिंपल बजाज ने उससे मारपीट की जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के अनुसार, उसने 22 फरवरी से 22 मार्च तक आरोपी महिला के घर पर काम किया।

वह 31 मार्च को अपना वेतन लेने के लिए चेतना आनंद की सोसाइटी में गई थी, लेकिन चेतना ने उसे गाली देना शुरू कर दिया और अपनी सहेली डिंपल बजाज के साथ मिलकर उससे मारपीट की। उन्होंने बताया कि पीड़िता के अनुसार सुरक्षा गार्ड और महिला सुरक्षा गार्ड ने उसे दोनों महिलाओं से बचाया। अधिकारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज का पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

ग्रेटर नोएडा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ग्रेटर नोएडा ने "नशा मुक्त अभियान – जीवन कल्प अभियान" के तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और समाज को नशा मुक्त बनाने की प्रेरणा देना है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने जीएनआईओटी कॉलेज चौराहा, एनआईइटी कॉलेज चौराहा, शारदा विश्वविद्यालय, आईआईएमटी कॉलेज और पेंट्रा चौराहा पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इन नाटकों के जरिए यह संदेश दिया गया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की संरचना पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने सभी को नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ग्रेटर नोएडा के मीडिया संयोजक अभिनव गौड़ ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह के और भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

युवराज और अर्जुन को आमंत्रण गोल्फ में बढ़त

ग्रेटर नोएडा। युवराज संधू और अर्जुन प्रसाद ने बुधवार को यहां अडानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर के बाद कुल सात अंडर 137 के स्कोर से संयुक्त रूप से बढ़त बना ली। मौजूदा सत्र में पीजीटीआई पर दो बार के विजेता चंडीगढ़ के युवराज ने दूसरे दौर में 67 का शानदार स्कोर बनाते हुए नौ स्थान की लंबी छलांग लगाई। वह पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थे। पहले दौर के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर मौजूद दिल्ली के अर्जुन भी 69 के स्कोर से दो स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए। हरेंद्र गुप्ता के 66 का दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया ओर वह छह अंडर 138 के कुल स्कोर से दिल्ली के हनी बैसोया (68) के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

15 दिन में किसानों को मिले शिक्षा और इलाज में छूट वरना होगा बड़ा आंदोलनः चौधरी प्रवीण

ग्रेटर नोएडा। करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने ग्रेटर नोएडा के किसानों को अस्पतालों और स्कूलों में दी जाने वाली छूट को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि यदि 15 दिनों के भीतर अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों में किसानों को लीज डीड के अनुसार सुविधाएं नहीं दी गईं, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर के विभिन्न अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को सस्ती दरों पर भूखंड आवंटित किए थे, जिसमें यह शर्त थी कि स्थानीय किसानों के बच्चों को शिक्षा में 25% छूट दी जाएगी और अस्पतालों में गरीब किसानों को मुफ्त इलाज और ओपीडी की सुविधा मिलेगी। लेकिन अस्पतालों और स्कूलों ने इस शर्त को दरकिनार कर दिया, जिससे स्थानीय किसानों में आक्रोश है। इस मुद्दे को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी नवीन कुमार और करप्शन फ्री इंडिया संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी प्रेम प्रधान के नेतृत्व में बोर्ड रूम में बैठक हुई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने स्कूलों और अस्पतालों द्वारा किसानों के साथ की जा रही वादा खिलाफी पर कड़ा विरोध जताया।

चौधरी प्रवीण भारतीय और बलराज हूंण ने बताया कि इस बैठक में ओएसडी नवीन कुमार ने आश्वासन दिया है कि सभी स्कूलों और अस्पतालों को नियमों के पालन के निर्देश दिए जा चुके हैं। यदि 15 दिनों के भीतर किसानों को तय छूट नहीं दी गई, तो संगठन बड़े आंदोलन की रणनीति बनाएगा। इस दौरान चौधरी बलराज हूंण, चौधरी प्रेमराज भाटी, प्रेम प्रधान, कुलबीर भाटी, गौरव भाटी, यतेंद्र नागर, दुलीचंद नागर, पवन यादव, रणधीर सिंह नागर और विजय प्रताप सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

एचआईएमटी करेगा जॉब क्वेस्ट 25 का आयोजन 53 कंपनियां लेंगी भाग

ग्रेटर नोएडा। एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा आगामी 4 और 5 अप्रैल को मेगा जॉब फेयर "जॉब क्वेस्ट 25" का आयोजन करने जा रहा है। इस दो दिवसीय रोजगार मेले में देश-विदेश की 53 अग्रणी कंपनियां हिस्सा लेंगी। इस आयोजन को लेकर 2 अप्रैल को एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें संस्थान के चेयरमैन हेम सिंह बंसल ने कहा कि एचआईएमटी छात्रों को उद्योग जगत से जोड़ने और उन्हें उज्ज्वल करियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस बार न केवल संस्थान के छात्र बल्कि उप्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मप्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से करीब 2000 छात्रों ने इस जॉब फेयर में पंजीकरण कराया है। कैंपस में होने वाला यह रोजगार मेला इंजीनियरिंग, कमैनेजमेंट, बायोटेक्नोलॉजी, फार्मेसी और लीगल स्टडीज जैसे क्षेत्रों के छात्रों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आ रहा है। इस दौरान रिज्यूमे बिल्डिंग, करियर गाइडेंस और विशेषज्ञ वार्ता जैसी कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी, जिससे छात्रों को आवश्यक कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी। प्रेस वार्ता में समूह निदेशक प्रो. (डॉ.) सुधीर कुमार ने कहा कि रोजगार मेले अकादमिक उत्कृष्टता के शक्तिशाली प्रदर्शन के रूप में कार्य करते हैं। यह संस्थान द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की क्षमता को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण मंच है, जो प्रतिष्ठित नियोक्ताओं को आकर्षित करता है

राष्ट्रीय स्तर की एनएसएस पोस्टर प्रतियोगिता में शारदा विश्वविद्यालय को तृतीय पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा। एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में जन सहयोग समिति और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की एनएसएस पोस्टर प्रतियोगिता में शारदा विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल ने शानदार प्रदर्शन किया।

नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम, इसके अधिनियम, प्रवर्तन और जागरूकता विषय पर प्रस्तुत पोस्टर को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। शारदा विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के हेड डॉ. कृष्ण कुमार पांडे ने बताया कि उन्हें उत्कृष्ट योगदान के लिए जन जागरूकता राष्ट्रीय पुरस्कार और राष्ट्रीय कानूनी जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रानी अस्त्या को महिला नेतृत्व राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा, शारदा विश्वविद्यालय के पांच एनएसएस स्वयंसेवकों को पोस्टर निर्माण और प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. सिबाराम खारा और एनएसएस सेल को भी जन जागरूकता राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है और इसे सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहती हैं मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने बचपन की कुछ 'यादें' पोस्ट कीं

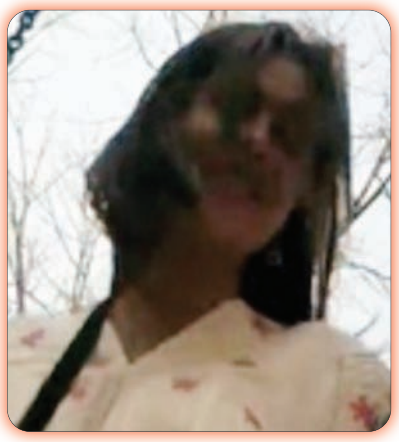

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने बचपन की कुछ 'यादें' पोस्ट कीं। इनमें वो अपने पिता उदयसिंह बी. ठाकुर के साथ दिख रही हैं। मृणाल ठाकुर ने झूले पर बैठे हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनके पापा पास खड़े दिखे। इस खूबसूरत पल को शेयर करते हुए मृणाल ने कैप्शन में लिखा, "बचपन की यादें! लव यू पापा।" उन्होंने वीडियो में आतिफ असलम का गाना 'मेरी कहानी' को भी साझा किया। मृणाल अक्सर अपने पिता के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके रिश्ते की खूबसूरती दिखती है। पिता से उनकी खूबसूरत बॉन्डिंग नेटिजन्स को पसंद भी खूब आती है। पिछले साल अपने पिता के जन्मदिन पर 'सुपर 30' की अभिनेत्री ने एक प्यारा सा नोट लिखकर उन्हें परिवार का 'स्टार' बताया था। मृणाल ने लिखा, "पापा, आप मेरी दुनिया हैं, मेरी प्रेरणा हैं, मेरी ताकत हैं, मेरी खुशी का स्रोत हैं और मेरे सबसे बड़े सपोर्टर हैं। मैं चाहती हूं कि हर पिता आपके जैसे शानदार और अद्भुत हों। आपने हमेशा मुझ पर विश्वास किया और मुझे अपना सबसे अच्छा रूप बनने के लिए प्रेरित किया। मैं आपके साथ के लिए आपकी आभारी रहूंगी, लेकिन हां कभी भी ये पर्याप्त नहीं होगा इसका मतलब यह नहीं है कि मैं कोशिश करना बंद कर दूंगी। पापा आप जैसे हैं, उसके लिए धन्यवाद। आप सच में हमारे परिवार के स्टार हैं। जन्मदिन मुबारक हो पापा।" वहीं, वर्कफ्रंट की बात करें, तो मृणाल ठाकुर अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म "डकैत" की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह अदिवी सेश के साथ रोमांटिक भूमिका में नजर आएंगी। मोस्ट अवेटेड पैन-इंडिया फिल्म में अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में हैं। शनील देव द्वारा निर्देशित और सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा निर्मित इस फिल्म को सुनील नारंग ने सह-निर्मित किया है और इसे अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। डकैत के अलावा, मृणाल 2012 की हिट फिल्म "सन ऑफ सरदार" के बहुप्रतीक्षित सीक्वल "सन ऑफ सरदार 2" में भी दिखेंगी।

हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर का निधन

मुंबई। हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता वैल किल्मर का मंगलवार की रात लॉस एंजिल्स में निधन हो गया। वे 65 वर्ष के थे। यह जानकारी उनकी बेटी मर्सिडीज किल्मर ने की है। हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर के अचानक निधन से उनके प्रशंसक और फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूबी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता वैल किल्मर का निधन निमोनिया के कारण हुआ है। उनके परिवार में बेटी मर्सिडीज और बेटा जैक है। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता वैल किल्मर उन चुनिंदा कलाकारों में से थे, जिन्होंने अपनी बेहतरीन अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से लाखों प्रशंसकों का दिल जीता। उन्होंने वर्ष 1980 के दशक में अपने करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे इंडस्ट्री के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार हो गए। किल्मर की प्रतिभा और अभिनय कौशल ने उन्हें हॉलीवुड में एक अलग पहचान दिलाई, जिसे उनके प्रशंसक हमेशा याद रखेंगे। उनकी चर्चित फिल्मों में 'टॉप गन', 'रियल जीनियस', 'विलो', 'हीट' और 'द सेंट' शामिल हैं। उनके अभिनय को हमेशा याद रखा जाएगा। कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में उनकी बेटी मर्सिडीज किल्मर ने बताया था कि अभिनेता किल्मर को वर्ष 2014 में गले के कैंसर होने का पता चला था, जिसके बाद सालों तक उनका इलाज चला। इस गंभीर बीमारी ने उनकी आवाज और सेहत पर गहरा असर डाला था। पिछले एक दशक से किल्मर अपनी सेहत को लेकर सुर्खियों में बने रहे। हालांकि वर्ष 2021 में उन्होंने खुद को कैंसर फ्री घोषित किया, जिससे उनके प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली थी।

'द भूतनी' के सेट पर पलक तिवारी को मिला था खास दोस्त, सुनाया किस्सा

मुंबई। अभिनेत्री पलक तिवारी जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने फिल्म के सेट से जुड़े किस्सों को शेयर किया। पलक ने बताया कि उन्होंने और निर्देशक सिद्धांत सचदेव ने फिल्म 'द भूतनी' की शूटिंग के दौरान एक कुत्ते को गोद लिया था। पलक तिवारी ने बताया कि फिल्म के सेट पर शरारतें, हंसी-मजाक और नॉनस्टॉप मस्ती का माहौल रहता था। पलक और सिद्धांत का एक छोटे से पपी (कुत्ते का बच्चा) के साथ लगाव हो गया था, जो सेट पर ही रहता था। पर्दे के पीछे से किस्सों को शेयर करते हुए पलक ने एक इमोशंस से भरे अनुभव को शेयर करते हुए बताया, "यह एक कॉमेडी फिल्म थी, इसलिए सेट पर हर दिन माहौल शानदार था"। अभिनेत्री ने बताया कि सेट की एनर्जी शानदार थी, जिसमें खूब चुटकुले, हंसी मजाक होते रहते थे। सेट पर एक ऐसी टीम थी, जो परिवार की तरह थी, लेकिन इस उत्साह के बीच, कुछ खास हुआ। उन्होंने आगे बताया, "सिद्धांत सर और मैंने शूटिंग के दौरान एक कुत्ते के बच्चे को गोद लिया और हमारा उस प्यारे, सुंदर पिल्ले से लगाव हो गया।" वह जल्दी ही सेट पर सभी का दुलारा बन गया। वह शॉट्स के बीच घूमता रहता, सीन के बीच में आकर उसे बाधित करता और कलाकारों और क्रू के के साथ खूब मस्ती करता था। चाहे ब्रेक के दौरान उनके बगल में बैठना हो या उत्सुकता से अभिनेताओं को रिहर्सल करते देखना हो, उसकी मौजूदगी से सभी खुश रहते थे।

फिल्म 'सिकंदर' की कमाई में तीसरे दिन गिरावट

सलमान खान अभिनीत फिल्म 'सिकंदर' पिछले कुछ दिनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म ने पहले दो दिनों में बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना उसे करना चाहिए था। अब 'सिकंदर' की तीसरे दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। सलमान खान की 'सिकंदर' ने अपने ओपनिंग डे यानी 30 मार्च को कुल 26 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके अलावा सलमान की फिल्म ने सोमवार का टेस्ट भी पास कर लिया। दूसरे दिन फिल्म ने कुल 29 करोड़ की कमाई की। हालांकि, तीसरे दिन मंगलवार को फिल्म की कमाई में 32.76 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। सैनिलक की रिपोर्ट के अनुसार भाईजान की फिल्म ने तीसरे दिन सिर्फ 19.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही 'सिकंदर' का पहले 3 दिन का कलेक्शन 74.5 करोड़ हो गया है। फिल्म अभी तक अपना मूल बजट भी नहीं वसूल पाई है। इसके अलावा सलमान की फिल्म पर विक्की कौशल का 'प्रभाव' हावी हो गया है। विक्की की फिल्म ने कम स्क्रीन होने के बावजूद पहले तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अभूतपूर्व कमाई की थी। इसलिए ऐसी अफवाहें हैं कि सलमान का जादू बॉक्स ऑफिस पर बिल्कुल भी नहीं चला। इसके अलावा नेटिजेन्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट, एडिटिंग और निर्देशन को लेकर एक्स-पोस्ट शेयर कर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सलमान खान की 'सिकंदर' 200 करोड़ रुपये के बजट पर बनी है। फिल्म अभी भी अपने मूल बजट से काफी दूर है, इसने 3 दिनों में केवल 74.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

फिल्म 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' रिलीज, दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ी

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल को आखिरी बार 'गदर-2' में देखा गया था, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को जबरदस्त सराहना मिली। अब सनी देओल जल्द ही कई दमदार फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक है 'जाट'। इस फिल्म का निर्देशन गोपिचंद मालिनेनी ने किया है। फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए अब निर्माताओं ने फिल्म 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' रिलीज कर दिया है। गाने के लॉन्च के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। फिल्म 'जाट' के पहले गाने 'टच किया' में उर्वशी रौतेला अपने जबरदस्त डांस से सभी का ध्यान खींच रही हैं। भले ही एक्टिंग को लेकर अलग-अलग राय हो, लेकिन उर्वशी के डांस नंबर हमेशा धमाकेदार होते हैं। इस गाने में उनके किलर मूव्स और कातिलाना अंदाज ने माहौल बना दिया है। अक्सर फिल्मों की कहानी को बैलेंस करने के लिए डांस नंबर जोड़े जाते हैं और 'जाट' का यह गाना 'टच किया' में उर्वशी रौतेला का जबरदस्त डांस दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। इस गाने को मधुबंती बागची और शाहिद माल्या ने अपनी आवाज दी है। निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी की आगामी फिल्म 'जाट' का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री की ओर से किया जा रहा है। फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जबकि रणदीप हुड्डा, प्रशांत बजाज, सैयामी खेर, रेजिना कैसेंड्रा और विनीत कुमार सिंह भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है फाइबर

कभी वर्क कभी फोटो शूट तो कभी मार्केटिंग कॉल पर आउटडोर जाना इनके काम में शुमार है। होटल की ब्रैंडिंग के लिए लोगों से मिलना और होटल में ही खाना इनके रुटीन में शामिल होता है। जी हां, होटल्स मार्क कॉम मैनेजर का प्रोफेशन ही कुछ ऐसा है कि इन्हें अपने लिए भी समय नहीं मिलता। ऐसे में यह अपनी सेहत और खानपान का खयाल कैसे रखते हैं, डीडी ने की पड़ताल। साथ ही इनकी लाइफस्टाइल को दुरुस्त करने के लिए डाइटीशियन से जानें कुछ खास टिप्स।

दिनचर्याः मेरे दिन की शुरुआत सुबह 7 बजे होती है। मुझे घर से होटल के लिए लगभग 8.30 बजे निकल जाना होता है। 7.30 से 8 के बीच मैं ब्रेकफास्ट करती हूं। सुबह का इतना बिजी शेड्यूल होता है कि कोई एक्सरसाइज या वर्कआउट तक नहीं कर पाती। मैं पिछले एक साल से इस जॉब में हूं। व्यस्तता के कारण वॉक नहीं कर पाती। सुबह भा ग म भा ग रहती है।

ब्रेकफस्टः मैं सुबह 7.45 बजे ब्रेकफास्ट करती हूं जिसमें आमतौर पर एक ग्लास दूध या चाय, कॉर्नफ्लेक्स, फ्रूट्स, ब्रेड बटर या फिर ऑमलेट होते हैं। इससे ज्यादा समय नहीं होता। मैं नॉनवेजटेरियन हूं। मैं होटल पहुंचने के बाद 9.30 तक ग्रीन टी लेती हूं। मन हुआ तो साथ में बिस्किट भी ले लेती हूं। 12.30 बजे तक कोई फल खाती हूं या ज्यादा भूख हो तो लंच जल्दी कर लेती हूं। मैं 2-3 घंटे के अंतर पर थोड़ा-थोड़ा कुछ न कुछ खाती रहती हूं।

लंचः आमतौर पर मैं लंच 1 बजे तक कर लेती हूं। होटल में ही खाती हूं, जिसमें दाल, चपाती, सब्जी और दही या सैलेड होते हैं।

स्नैक्सः शाम 4-5 बजे कभी कोल्ड कॉफी-बिस्किट या जूस या फिर सैंडविच लेती हूं। कोल्ड कॉफी पंद्रह दिन में एक बार लेती हूं। फिर घर पहुंचकर 7.00-7.30 बजे तक मेयोनीज चिकेन या हैम सैंडविच लेती हूं या फिर 1 ग्लास दूध लेती हूं। मैं सप्ताह में 2-3 दिन रात में या शाम को दूध लेती हूं।

डिनरः रात 10 बजे तक डिनर में दाल, रोटी, सब्जी और थोड़ा चावल लेती हूं। जब बाहर जाती हूं तो सिर्फ सैलेड, फ्रूट्स या सूप ही प्रेफर करती हूं। रात 12 बजे तक सो जाती हूं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी।

वृषभ राशि :- कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग।

मिथुन राशि :- रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा।

कर्क राशि :- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

सिंह राशि :- बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कन्या राशि :-घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

तुला राशि :- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृश्चिक राशि :-नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

धनु राशि :- धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

मकर राशि :-शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशि :-शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा।

मीन राशि :- नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्यः पंडित जितेंद्र तिवारी

हॉकी इंडिया ने महिला खिलाड़ियों का कोर ग्रुप 65 से 40 का किया

बेंगलुरू। हॉकी इंडिया ने यहां चल रहे राष्ट्रीय शिविर में पिछले दो सप्ताह के प्रदर्शन के आकलन के बाद कोर खिलाड़ियों का समूह 65 से 40 खिलाड़ियों का कर दिया। शिविर बेंगलुरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र पर 23 मार्च को शुरू हुआ था।

इसमें 28 सीनियर खिलाड़ियों की जगह बरकरार है जबकि 12 नये खिलाड़ियों को 15वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और राष्ट्रीय शिविर के पहले चरण में उनके प्रभावी प्रदर्शन के आधार पर चुना गया। गोलकीपिंग में सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी और माधुरी किंडो हैं। इनके साथ असम की समीक्षा सक्सेना को भी चुना गया है। डिफेंस में मौजूदा कोर ग्रुप की आठ सदस्यों महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू , उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति और अक्षता अबासो धेकाले को बरकरार रखा गया है।

बंगाल की अंजना डुंगडुंग और मणिपुर की सुमन देवी टी को इसमें जोड़ा गया है। मिडफील्ड में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान , अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी और बलजीत कौर हैं। चार नयी खिलाड़ियों बंगाल की सुजाता कुजूर, झारखंड की महिमा टेटे और अलबेला रानी टोप्पो और उत्तर प्रदेश की पूजा यादव को इसमें शामिल किया गया है। फॉरवर्ड पंक्ति में दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग और मुमताज खान की जगह कायम है।

उनके साथ पांच नये स्ट्राइकरों दीपिमोनिका टोप्पो (ओडिशा), रितिका सिंह (मध्यप्रदेश), अन्नु और चंदना जगदीश (कर्नाटक) और काजल अत्पडकर (महाराष्ट्र) को शामिल किया गया है। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा ,'' हमने अच्छे सत्र और टेस्टिंग की है। चयनकर्ताओं ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप देखने के बाद हमने कुछ अच्छी प्रतिभाओं को तलाशा है और मुझे यकीन है कि वे लंबे समय तक भारतीय हॉकी की सेवा कर सकतीं हैं।''

भारतीय महिला हॉकी टीम का 40 सदस्यीय सीनियर कोर ग्रुप

गोलकीपर : सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी , माधुरी किंडो , समीक्षा सक्सेना।
डिफेंडर : महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू , उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता अबासो धेकाले , अंजना डुंगडुंग और सुमन देवी टी।
मिडफील्डर : वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान , अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी , बलजीत कौर सुजाता कुजूर, महिमा टेटे ,अलबेला रानी टोप्पो और पूजा यादव।
फॉरवर्ड : दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान , दीपिमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह , अन्नु ,चंदना जगदीश और काजल अत्पडकर।

महासंघों के बीच टकराव खेलों के हित में नहीं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने खेल महासंघों में भीतरी कलह और विवादों पर चिंता जताते हुए बुधवार को कहा कि ऐसा माहौल खेलों के लिये अच्छा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की अपील पर यह टिप्पणी की। बीएफआई ने उसकी चुनाव प्रक्रिया को लेकर एकल पीठ के आदेश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान महासंघ के सचिव और कोषाध्यक्ष की ओर से वकील ने कहा कि अपील विधिवत दायर नहीं की गई थी, क्योंकि इसे

बीएफआई अध्यक्ष ने बिना किसी अधिकार के दायर किया गया था। अपीलकर्ता के वकील ने हालांकि कहा कि सचिव और कोषाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। पीठ ने पक्षों से विवाद का हल निकालने को कहा और यह भी कहा कि देश का हर खेल महासंघ मुकदमेबाजी में उलझा हुआ है और "आपसी विवाद" "खेल के हित" के आड़े आ रहे हैं। अदालत ने कहा ,"हर खेल महासंघ में कोई न कोई विवाद है। आपका कार्य पूरे देश को प्रभावित करता है। इस तरह की अंदरूनी लड़ाई क्यों? इस तरह की चीजें आपको अंतरराष्ट्रीय निकाय द्वारा अयोग्य ठहराए जाने का रास्ता बनाती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक चार्टर द्वारा शासित होते हैं। चार्टर में कहा गया है कि (राष्ट्रीय) निकाय को स्वायत्त होना चाहिए। मुकदमेबाजी से स्वायत्तता से समझौता किया जा रहा है।'' पीठ ने कहा ,'' इस तरह की भीतरी लड़ाई समझ से परे है। हर खेल महासंघ किसी मुकदमे में उलझा है।'' मामले की अगली सुनवाई सात अप्रैल को होगी।

आज ईडन गार्डन स्टेडियम पर होगी KKR बनाम सनराइजर्स की टक्कर

कोलकाता। तीन में से दो मैच हार चुकी गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और पिछले साल फाइनल खेलने वाली सनराइजर्स हैदराबाद बृहस्पतिवार को आईपीएल मैच में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सत्र के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से मिली हार के बाद कहा था कि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन तीन मैचों में दो हार के बाद अब टीम का मनोबल थोड़ा गिरा होगा।

पिछले सत्र में केकेआर ने सिर्फ तीन मैच गंवाये थे। अब फोकस एक बार फिर ईडन गार्डंस की पिच पर होगा चूंकि आरसीबी से सात विकेट से मिली हार के बाद इसकी काफी आलोचना हुई है। केकेआर के पूर्व

सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और विराट कोहली ने 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 51 गेंद में 95 रन की साझेदारी करके आरसीबी को जीत दिलाई थी। बंगाल क्रिकेट संघ पर दबाव है कि स्पिनरों से भरी केकेआर टीम के अनुकूल पिच बनवाई जाये। केकेआर के पास सुनील नारायण, मोईन अली और वरूण चक्रवर्ती जैसे धुरंधर स्पिनर हैं। पिछले महीने चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करके आये स्पिनर चक्रवर्ती ने आरसीबी के खिलाफ 10 . 75 प्रति ओवर की दर से रन दिये। रिपोर्ट की मानें तो ईडन गार्डंस के पिच क्यूरेटर सुजन मुखर्जी ने पहले मैच में स्पिनरों की मददगार पिच बनाने का केकेआर का अनुरोध खारिज कर दिया था और यह फैसला टीम पर भारी पड़ गया। चक्रवर्ती ने उस मैच में 45 रन दिये। मुखर्जी ने अपने फैसले को सही ठहराया लेकिन अब कैब अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली खुद क्यूरेटर के साथ पिच का मुआयना कर रहे हैं जिससे आगामी मैचों में पिच में बदलाव देखा जा सकता है। पिच के अलावा केकेआर टीम संयोजन को लेकर भी काफी सवाल हैं। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में तालमेल नजर नहीं आ रहा और स्टार खिलाड़ी चल नहीं रहे हैं।

केकेआर ने जिन चार खिलाड़ियों को नीलामी से पहले रिलीज किया था , उन सभी ने आईपीएल के पहले दस दिन में शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर (पंजाब किंग्स), उपकप्तान नीतिश राणा (राजस्थान रॉयल्स), फिल साल्ट (आरसीबी) और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (दिल्ली कैपिटल्स) शामिल हैं। स्टार्क के जाने से केकेआर की तेज गेंदबाजी काफी कमजोर हुई है। वहीं स्टार्क ने दिल्ली के लिये सनराइजर्स के खिलाफ 35 रन देकर पांच विकेट लिये। स्टार्क की जगह आये स्पेंसर जॉनसन प्रभावित नहीं कर सके हैं जबकि एनरिच नॉर्किया चोट के कारण बाहर हैं।

दोनों टीम इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जाम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्से, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।
कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिच नॉर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडेय, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और वरुण सकारिया।
समय: मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके

हार्दिक पंड्या ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर

दुबई। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पंड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के अकील हुसैन (707) से पीछे हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमशः सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं। दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस का नंबर आता है।

संक्षिप्त खबरें

संजू सैमसन को एनसीए से मिली हरी झंडी, रॉयल्स की कप्तानी के लिए तैयार

बेंगलुरु। संजू सैमसन को आईपीएल में विकेटकीपिंग करने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी मिल गई है और वह राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच फरवरी में खेली गई टी20 श्रृंखला के दौरान तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गेंद पर सैमसन के दाहिने हाथ की बीच की उंगली पर चोट लग गई थी जिसकी उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। वह राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल में पहले तीन मैच में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेले थे तथा रियान पराग ने उनकी जगह कप्तानी का दायित्व संभाला था। राजस्थान रॉयल्स ने विज्ञप्ति में कहा, ''राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को विकेटकीपिंग करने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी मिल गई है। वह टीम के पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले अगले मैच में कप्तान के रूप में वापसी करेंगे।'' राजस्थान रॉयल्स को पहले तीन मैच में से दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

जदुमणि विश्व मुक्केबाजी कप के सेमीफाइनल में, तीन अन्य भारतीय बाहर

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह मांडेंगबाम ने ब्राजील के फोज डो इगुआकु में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 50 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है लेकिन भारत के तीन अन्य खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गये। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन 20 वर्षीय जदुमणि ने मंगलवार देर रात 50 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में पिछले साल के विश्व मुक्केबाजी कप के रजत पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को कड़े मुकाबले में 3-2 के विभाजित निर्णय से हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन उज्बेकिस्तान के असिलबेक जालिलोव से होगा। इस बीच एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक), निखिल दुबे (75 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र ने कजाकिस्तान के सपरबे डेनियल को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पहले राउंड में सर्वसम्मति से जीत के बावजूद उन्हें आखिर में करीबी मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

निशानेबाजी विश्व कप: सौरभ चौधरी पर टिकी रहेंगी निगाहें

ब्यूनस आयर्स। भारतीय निशानेबाजी दल गुरुवार को यहां पुरुषों की 10 मीटर पिस्टल और स्कीट स्पर्धाओं के साथ आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ) विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगा जिसमें राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले निशानेबाज सौरभ चौधरी पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की स्कीट स्पर्धाओं में भारतीय निशानेबाज अपना भाग्य आजमाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 15 फाइनल होंगे जिनकी शुरुआत गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल से होगी।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 83 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढत बनाई

हैमिल्टन। बेन सीयर्स के पांच विकेट के दम पर न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 208 रन पर आउट करके दूसरा एक दिवसीय क्रिकेट मैच 84 रन से जीत लिया और तीन मैचों की श्रृंखला में 2 . 0 की अजेय बढत भी बना ली। पाकिस्तान के लिये फहीम अशरफ ने सर्वाधिक 73 रन बनाये और नौवे विकेट के लिये नसीम शाह के साथ 60 रन की साझेदारी भी की। नसीम ने 51 रन बनाये। दोनों का यह पहला वनडे अर्धशतक है।

पाकिस्तानी टीम41 . 2 ओवर में आउट हो गई। न्यूजीलैंड के लिये विल ओराउरकी ने पहले छह ओवर में आठ रन देकर एक विकेट लिया। उनकी गेंद पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को दो बार लगी। इसके बाद हारिस रऊफ को भी उनका बाउंसर हेलमेट पर लगा।रऊफ कनकशन (चोट के कारण अचेत होना) टेस्ट में नाकाम रहकर रिटायर्ड हर्ट हो गए और

नसीम ने उनकी जगह ली। वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सीयर्स ने पांच विकेट लिये जबकि जैकब डफी को तीन विकेट मिले। इससे पहले न्यूजीलैंड ने आठ विकेट पर 292 रन बनाये जिसमें मिच हे ने 99 रन का योगदान दिया। उन्होंने पारी के आखरी ओवर में दो छक्कों और दो चौकों के साथ 22 रन निकाले लेकिन शतक से एक रन से चूक गए। न्यूजीलैंड ने नेपियर में पहला मैच 73 रन से जीता था। तीसरा मैच शनिवार को माउंट माउंगानुइ में शनिवार को खेला जायेगा।

मुंबई को छोड़कर अब गोवा के लिये खेलेंगे यशस्वी जायसवाल

मुंबई। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने निजी कारणों से अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ने का फैसला किया है। जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट संघ को मंगलवार को लिखे पत्र में कहा कि वह मुंबई छोड़कर गोवा के लिये खेलना चाहते हैं। एमसीए ने उनका अनुरोध मान लिया। अब जायसवाल 2025 . 26 सत्र में गोवा के लिये खेलेंगे। एमसीए के एक अधिकारी ने बताया ,'' यह हैरानी की बात है। उसने कुछ सोचकर ही यह कदम उठाया होगा। उनसे हमने कहा कि उसे रिलीज कर दिया जाये और हमने उसका अनुरोध मान लिया।'' जायसवाल ने मुंबई के लिये आखिरी मैच 23 से 25 जनवरी के बीच रणजी ट्रॉफी में जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेला था। उन्होंने चार और 26 रन बनाये जबकि मुंबई को टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार जम्मू कश्मीर ने पांच विकेट से हराया। गोवा क्रिकेट संघ के सचिव शंबा देसाई ने पीटीआई से कहा ,'' वह हमारे लिये खेलना चाहता है और हम उसका स्वागत करते हैं। वह अगले सत्र से हमारे लिये खेलेगा।'' भारतीय टीम के लिये नहीं खेलने के समय जायसवाल गोवा की कप्तानी भी कर सकते हैं। इस बारे

में पूछने पर देसाई ने कहा ,'' हां, ऐसा हो सकता है। वह भारतीय क्रिकेट टीम के लिये खेलता है और वह हमारा कप्तान हो सकता है। उसकी उपलब्धता को देखते हम बात करेंगे।'' अर्जुन तेंदुलकर और सिद्धेश लाड के बाद मुंबई को छोड़कर गोवा जाने वाले जायसवाल तीसरे क्रिकेटर हैं। तेंदुलकर और लाड 2022 . 23 सत्र में गोवा चले गए थे।लाड हालांकि पिछले सत्र में मुंबई के लिये लौटे हैं। जायसवाल ने जुलाई 2023 में भारत के लिये टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और अब तक 19 मैचों में 52 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं।

हार के बाद लखनऊ की पिच पर फूटा जहीर खान का गुस्सा

कहा-ऐसा लग रहा था कि पंजाब के क्यूरेटर ने इसे बनाया

लखनऊ। आईपीएल 2025 में घरेलू मैदान की पिच से परेशान होने वाली टीमों की सूची में अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) भी शामिल हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद, अब एलएसजी भी अपने होम ग्राउंड की पिच से निराश नजर आई। टीम के मेंटॉर जहीर खान ने मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली 8 विकेट की हार के बाद अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा कि ऐसा लग रहा था मानो ₹यहां पंजाब का क्यूरेटर काम कर रहा हो। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में एलएसजी को आठ विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद जहीर खान ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी जताई। मैच के बाद जहीर खान ने कहा, ₹यह थोड़ा निराशाजनक है, क्योंकि यह हमारा घरेलू मैदान है। आईपीएल में आपने देखा होगा कि टीमें अपने घरेलू मैदान का फायदा उठाने की कोशिश करती हैं। लेकिन यहां क्यूरेटर ने इस बारे में नहीं सोचा। ऐसा लग रहा था जैसे यह पंजाब का क्यूरेटर था।₹ उन्होंने कहा, ₹यह मेरे लिए भी एक नई जिम्मेदारी है, लेकिन उम्मीद है कि यह पहला और आखिरी मैच होगा जहां ऐसा हुआ। हमारे प्रशंसक हमें यहां जीतते हुए देखना चाहते हैं। हमें अपनी घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की जरूरत है।₹ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जहीर से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कप्तान ऋषभ पंत ने पिच को गलत पढ़ा, तो उन्होंने जवाब दिया, ₹देखिए, हम तो वही करेंगे जो क्यूरेटर कहेगा, नहीं? इसे बहाने के रूप में नहीं ले रहे, लेकिन पिछले सीजन में भी हमने देखा कि यहां बल्लेबाजों को दिक्कत होती थी और गेंदबाज हावी रहते थे। लेकिन यह घरेलू टीम के समर्थन की बात है, और हर किसी को इसे समझना चाहिए।₹ ऋषभ पंत ने भी मैच के बाद कहा कि एलएसजी इस मुकाबले को धीमी पिच पर खेलना चाहती थी, लेकिन मैदान की स्थिति वैसी नहीं थी। पंजाब किंग्स ने 172 रनों के लक्ष्य को 22 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया। रवि बिश्नोई भी स्पिनरों के लिए मदद न मिलने से संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने 3 ओवर में 43 रन लुटा दिए। एलएसजी ने इस सीजन के अपने तीन में से दो मुकाबले गंवा दिए हैं, और उनका घरेलू रिकॉर्ड अब 15 मुकाबलों में केवल 7 जीत तक सीमित हो गया है। इकाना स्टेडियम में खेले गए इन मैचों में केवल एक बार ही 200 से अधिक का स्कोर बना है, जिससे यह साफ होता जा रहा है कि पिच टीम की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। जहीर ने कहा,₹यही तो आईपीएल की चुनौती है,₹ । ₹आपको घरेलू और बाहरी मैदानों पर खेलना होता है। यह हमारा पहला घरेलू मुकाबला था और उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं। पंजाब ने हमें पूरी तरह से मात दी, और यही खेल की प्रकृति है।

IPL 2025: लखनऊ के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर लगा मैच फीस का 25% जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है जिन्होंने आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद 'पत्र लिखने की मुद्रा में ' जश्न मनाया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने राठी को पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच इकाना स्टेडियम पर हुए मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता तोड़ने के लिये दंडियत किया। पंजाब ने वह मैच आठ विकेट से जीता। आईपीएल मीडिया सूचना में कहा गया ,'' दिग्वेश सिंह को धारा 2.5 के तहत लेवल एक के अपराध का दोषी पाया गया। उन्होंने मैच रैफरी द्वारा सुनाई गई सजा स्वीकार कर ली है।'' इसमें कहा गया ,'' लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।'' यह विवादित जश्न उन्होंने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर प्रियांश को आउट करने के बाद मनाया। प्रियांश जब पवेलियन लौट रहे थे तब दिल्ली टी20 लीग के उनके साथी खिलाड़ी दिग्वेश ने उनके पास जाकर हाथ से पत्र लिखने का इशारा किया। अंपायरों ने इस पर उनसे बात की। इसकी तुलना वेस्टइंडीज के केसरिक विलियम्स से भी की गई जो विरोधी बल्लेबाज को आउट करने पर 'नोटबुक' जश्न मनाया करते थे। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर और मोहम्मद कैफ ने भी कमेंट्री करते हुए दिग्वेश की इस हरकत की आलोचना की थी।

तीसरे गियर में बनी हुई है रॉल्स रॉयस, कप्तान अय्यर की पारी पर बोले पोंटिंग

लखनऊ। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत में शानदार अर्धशतक जमाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर की तुलना ' तीसरे गियर में रॉल्स रॉयस ' से की है। अपनी टीम से बातचीत में पोंटिंग ने खिलाड़ियों को याद दिलाया कि आईपीएल 2025 अभियान में कुछ भी हलके में नहीं लेना है। अय्यर ने लगातार दूसरा नाबाद अर्धशतक जमाते हुए 52 रन बनाये जिसके दम पर पंजाब ने 172 रन का लक्ष्य दो विकेट खोकर 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंद में 69 रन बनाये जबकि

निहाल वढेरा ने 25 गेंद में नाबाद 43 रन की पारी खेली। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने जीत के बाद टीम बैठक में कहा ,'' कप्तान ने फिर इसे आसान बना दिया। रॉल्स रॉयस अधिकांश समय तीसरे गियर में ही रही। इससे ज्यादा आक्रामक होने की जरूरत नहीं है।'' अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले मैच में नाबाद 97 रन बनाये थे। वह आईपीएल के इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 149 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं। पोंटिंग ने टीम से कहा ,'' कुछ भी हलके में नहीं लेना है। हमारा रवैया ठीक है और हम बतौर एक परिवार मेहनत करते रहेंगे। मैच दर मैच प्रदर्शन में निखार आयेगा।'' उन्होंने आगे कहा ,'' पहले गेंदबाजी करते हुए अर्शदीप ने पहले ओवर में सिर्फ तीन रन दिये। लॉकी फर्ग्युसन ने दूसरे ओवर में चार ही रन दिये। पावरप्ले के दो ओवरों में सात रन देकर एक विकेट चटकाया।

अमेरिका में 'ट्रंप के टैरिफ' की घोषणा से पहले बाजार में भूचाल, जीडीपी में आएगी गिरावट : मूडीज

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बहुप्रतीक्षित टैरिफ कुछ लोगों की अपेक्षा से पहले ही लागू होने जा रहे हैं। पूर्व की घोषणा के अनुसार दो अप्रैल देररात या अगले दिन की सुबह अमेरिका शुल्क लागू कर देगा। इस टैरिफ से बाजार में डर का माहौल है।

सीएनएन की खबर में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। खबर में कहा गया कि टैरिफ कुछ लोगों की अपेक्षा से पहले ही प्रभावी हो जाएंगे। ट्रंप प्रशासन की 'मुक्ति दिवस' व्यापार नीति की घोषणा को अब तक के इतिहास में सबसे अधिक आक्रामक कहा जा रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ट्रंप आज अपनी व्यापार नीति से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं। अगले दिन शाम चार बजे रोज गार्डन में टैरिफ की घोषणा की जाएगी। घोषणा के साथ यह प्रभावी हो जाएंगे। उधर, निवेशकों, अर्थशास्त्रियों और प्रमुख कंपनियों के सीईओ को आशंका है कि आयात करों से लाभ की बजाय नुकसान होगा। ट्रंप ने सोमवार देररात संवाददाताओं से कहा था कि उन्होंने व्यापक नए टैरिफ की योजना पर सहमति बना ली है। बताया जा रहा कि वह 20 प्रतिशत अधिक के ट्रैफिक की घोषणा कर सकते हैं। ट्रंप के सलाहकारों ने सार्वजनिक रूप से टैरिफ एजेंडे का समर्थन किया है।

मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जांडी ने कहा कि अगर टैरिफ 20 प्रतिशत से अधिक का हुआ तो यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब स्थिति होगी।

मूडीज के अनुसार, इस व्यापार युद्ध में 5.5 मिलियन नौकरियां खत्म हो जाएंगी। बेरोजगारी दर सात प्रतिशत तक बढ़ जाएगी और अमेरिकी जीडीपी में 1.7 फीसद की गिरावट आएगी। जांडी ने कहा कि ट्रंप इस तरह के नुकसान से बचने के लिए उपायों की भी घोषणा कर सकते हैं। टैक्स फाउंडेशन में संघीय कर नीति की उपाध्यक्ष एरिका यॉर्के ने कहा कि ट्रंप का यह अभूतपूर्व और क्रांतिकारी कदम होगा। संघीय व्यापार डेटा के अनुसार, आयातित वस्तुओं पर लगभग 3.3 ट्रिलियन डॉलर का टैरिफ लगाया जाएगा। टैक्स फाउंडेशन के अनुसार, व्हाइट हाउस में अपने पूर्व के चार वर्षों के दौरान ट्रंप ने लगभग 380 बिलियन डॉलर के आयात पर टैरिफ लगाया था। इस बार यह टैरिफ तब की तुलना में लगभग 10 गुना बड़ा होगा। पूर्व राष्ट्रपति विलियम मैककिनले ने 1890 के दशक में आयात पर करों को लगभग 50 फीसदी तक बढ़ा दिया था। इस साल जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से ट्रंप ने चीन पर टैरिफ में 20, कनाडा और मैक्सिको पर 25 और स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ को 25 प्रतिशत तक बढ़ा चुके हैं। ट्रंप ने अब तक मेन स्ट्रीट और वॉल स्ट्रीट की चिंता की परवाह नहीं की है।

बी. रिले वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य बाजार रणनीतिकार आर्ट होगन ने कहा कि लोगों के लिए महंगाई की उच्च दरों की उम्मीद करना स्वाभाविक है, क्योंकि हमने मैककिनले के बाद से इस तरह का व्यापार युद्ध नहीं देखा है। मुक्ति दिवस से पहले अमेरिकी शेयरों में तेजी से गिरावट आई है। निवेशक व्यापार नीति से भ्रमित हैं। अमेरिप्राइज के मुख्य बाजार रणनीतिकार एंथनी सैग्लिम्बेन का मानना है कि संभावित टैरिफ से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। वॉल स्ट्रीट की चिंता बढ़ रही है कि ट्रंप की व्यापार नीति अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगी।

डेमोक्रेटिक बुकर 25 घंटे तक सीनेट में लगातार बोलते रहे राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के खिलाफ

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद (सीनेटर) कॉरी बुकर ने मंगलवार को सीनेट के इतिहास में सबसे लंबा भाषण देकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया। न्यूजर्सी से डेमोक्रेटिक सीनेटर बुकर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विरोध जताते हुए 25 घंटे और पांच मिनट लगातार बोलकर1957 में सीनेटर स्ट्रॉम थरमंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। थरमंड ने सिविल राइट्स एक्ट के खिलाफ 24 घंटे 18 मिनट तक भाषण दिया था। सीबीएस न्यूज की खबर में बुकर के इस ऐतिहासिक भाषण पर विस्तार से चर्चा की गई है। 55 वर्षीय बुकर ने सोमवार शाम सात बजे (स्थानीय समय) सीनेट के मंच पर अपनी बात शुरू की और मंगलवार रात 8:05 बजे तक लगातार बोलते रहे। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य 'संयुक्त राज्य सीनेट के सामान्य कामकाज को तब तक बाधित करना है, जब तक मैं शारीरिक रूप से सक्षम हूं।' अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं आज रात इसलिए खड़ा हूं क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश संकट में है। बुकर का यह भाषण तकनीकी रूप से फिलिबस्टर नहीं था। इसका सीधा मतलब है कि यह किसी खास विधेयक को रोकने के लिए नहीं था। न ही कार्यवाही को रोकने के लिए किसी विशिष्ट उपाय पर बहस के दौरान हुआ। यह ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ था। बुकर ने भाषण में ट्रंप प्रशासन पर अमेरिकियों की सुरक्षा, वित्तीय स्थिरता और लोकतंत्र की मूलभूत नींव को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया। कॉरी ने कहा कि पिछले 71 दिन में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकियों को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। बुकर ने मेडिकेड और सोशल सिक्योरिटी में कटौती की आशंका, शिक्षा विभाग पर हमला और ट्रंप की विदेश नीति का तीखा विरोध किया। उन्होंने अपने मतदाताओं के पत्र भी पढ़े। इनमें ट्रंप की नीतियों से होने वाली परेशानियों का जिक्र था। बुकर ने सिविल राइट्स आंदोलन के प्रतीक जॉन लुईस का कई बार उल्लेख किया। इस दौरान कई डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने बुकर का समर्थन किया। इनमें चक शूमर प्रमुख हैं। शूमर ने रिकॉर्ड टूटने के बाद कहा, क्या आपको पता है कि आपने अभी रिकॉर्ड तोड़ा है? क्या आपको पता है कि यह समूह आप पर कितना गर्व करता है? क्या आपको पता है कि अमेरिका आप पर कितना गर्व करता है? उल्लेखनीय है कि बुकर पहली बार 2013 में सीनेट में पहुंचे थे। बुकर के कार्यालय ने विज्ञप्ति में कहा कि वे इस अवसर के लिए तैयार की गई सामग्री के 1,164 पृष्ठ लेकर गए थे। बुकर के रिकॉर्ड तोड़ने पर सीनेट कक्ष तालियों से गूंज उठा। बुकर ने अपने भाषण में दिवंगत कांग्रेसी और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन लुईस जैसे नेताओं की विरासत का हवाला दिया।उन्होंने कहा कि जब यह देश मुसीबत में था, तब लुईस ने साहस के साथ खड़े होकर साथ दिया। मैं ईमानदारी से मानता हूं कि हमारा देश संकट में है। बुकर ने भाषण पूरा करने के बाद संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने शुक्रवार को खाना बंद कर दिया और भाषण देने से एक दिन पहले पानी पीना बंद कर दिया ताकि बाथरूम ब्रेक के बिना विस्तारित समय के लिए तैयार हो सकें।

इजराइल की सेना बमबारी करके दक्षिणी गाजा में घुसी, 17 की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल की सेना (आईडीएफ) रातभर बम बरसाते हुए आज सुबह दक्षिणी गाजा में प्रवेश कर गई। इस बमबारी में कम से कम 17 लोग मारे गए। हमास के कई महत्वपूर्ण ठिकाने पलक झपकते ही मटियामेट हो गए। सेना के दक्षिणी गाजा में घुसने पर इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि देश की सेना गाजा पर अपने जमीनी हमले का विस्तार कर रही है। अब गाजा पट्टी में व्यापक क्षेत्र पर कब्जा किया जाएगा। साथ ही आतंकवादी समूह हमास के हमदर्द भी मिट्टी में मिला दिए जाएंगे।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार रक्षामंत्री काट्ज ने आज कहा कि देश की थल और नभ सेना गाजा पर अपने जमीनी हमले का विस्तार कर रही है। जल्द ही गाजा पट्टी के बड़े भू-भाग पर नियंत्रण कर उसे गाजा पट्टी के तथाकथित बफर जोन में शामिल किया जाएगा। बताया गया है कि दक्षिणी गाजा पट्टी में इजराइल ने रातभर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। आईडीएफ ने क्षेत्र में एक और डिवीजन तैनात किया है। फिलिस्तीनी मीडिया के अनुसार, इजराइल की फौज ने राफाह और खान यूनिस में रातभर कहर बरपाया है। आज सुबह इजराइल के सैनिक राफाह में आगे बढ़ते दिखे। आईडीएफ ने सोमवार को पूरे राफाह क्षेत्र और खान यूनिस के बीच की भूमि के एक बड़े क्षेत्र के लिए निकासी की चेतावनी जारी की थी। अब तक इस क्षेत्र में शांति रही है। कैट्ज ने कहा कि सेना हर हाल में हमास के आतंकवादियों और उसके बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करेगी।

इस बीच गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि बुधवार भोर खान यूनिस और नुसेरात शरणार्थी शिविर में हुए इजराइली हवाई हमलों में बच्चों सहित कम से कम 17 लोग मारे गए। हमास नियंत्रित गाजा पट्टी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इजराइल के सैन्य अभियान पुनः शुरू करने के बाद से इस क्षेत्र में 1,042 लोग मारे गए हैं। दरअसल, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को हमास नेताओं के सामने सशर्त गाजा छोड़ने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि हमास अगर बिना खूनखराबे के बंधकों को रिहा कर दे तो उसके लड़ाकों को गाजा को खाली करने से नहीं रोका जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

ताइपे। चीनी सेना ने ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका उद्देश्य 'ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर चेतावनी देना' था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है। हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं।

सोमालिया में सेना ने IS के कई आतंकियों को मार गिराया

मोगादिशु। सोमालिया की सेना ने देश के पूर्वी भाग में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) (रूस में प्रतिबंधित) के कई ठिकानों पर हवाई हमले कर कई आतंकवादियों को मार गिराया है। सोमाली मीडिया ने यह जानकारी दी है। गारोवे समाचार पोर्टल ने सेना का हवाला देते हुए बताया कि मंगलवार को पंटलैंड के कैल मिस्काट पहाड़ों में आईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन कथित तौर पर अमेरिकी सेना की सहायता से किया गया था।

गाजा में अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा इजराइल

यरूशलम। गाजा पट्टी में 'बड़े क्षेत्रों' पर कब्जा करने के उद्देश्य से इजराइल अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। काट्ज ने एक लिखित बयान में कहा कि इजराइल फलस्तीनी क्षेत्र में 'आतंकवादियों और आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को कुचलने और क्षेत्र को साफ करने के लिए अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है और इसका उद्देश्य गाजा पट्टी के बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करना है।

नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत के तौर पर मैट व्हिटेकर के नाम पर मुहर

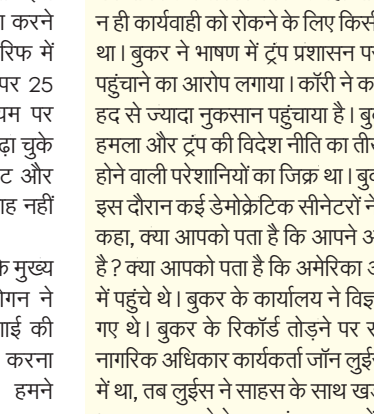

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के लिए अमेरिकी राजदूत के रूप में मैट व्हिटेकर के नाम पर मंगलवार देर रात मुहर लगाई। व्हिटेकर ने ट्रंप के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवाएं दीं थीं। उन्हें कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में लंबा अनुभव है। नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान व्हिटेकर ने सांसदों से कहा कि सैन्य गठबंधन के लिए ट्रंप प्रशासन की प्रतिबद्धता 'अटूट' है।

ट्रंप अनेक बार नाटो के प्रतिकूल विचार व्यक्त कर चुके हैं। नाटो को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और अन्य देशों ने तत्कालीन सोवियत संघ से संभावित खतरे को रोकने के लिए बनाया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए मैट व्हिटेकर के नाम की सिफारिश की थी और एक बयान में कहा था कि व्हिटेकर 'एक शक्तिशाली योद्धा और बड़े देशभक्त' हैं जो यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के हितों की अनदेखी नहीं हो और उनकी रक्षा हो।

ट्रंप और मस्क को बड़ा झटका, विस्कॉन्सिन सुप्रीम कोर्ट में डेमोक्रेट समर्थित जज क्रॉफोर्ड विजयी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में आज हर जुबान पर जज सुसान क्रॉफोर्ड की जीत की चर्चा है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी डेमोक्रेटिक समर्थित उम्मीदवार जज सुसान क्रॉफोर्ड के विस्कॉन्सिन राज्य के सुप्रीम कोर्ट की दौड़ जीतने की सुर्खी है। इस दौड़ के लिए हुए चुनाव में वो जीत गई हैं। उन्होंने इसके लिए मतदाताओं का आभार जताया है। मीडिया में इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके करीबी अरबपति एलन मस्क के लिए सबसे तगड़ा झटका बताया गया है।

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में तीन महीने से भी कम समय में डेन काउंटी में एक उदार सर्किट कोर्ट जज क्रॉफोर्ड ने रूढ़िवादी उम्मीदवार ब्रैड शिमेल को हरा दिया। वो वौकेशा काउंटी के जज हैं। उन्हें चुनाव अभियान के अंतिम चरण में ट्रंप का खुला समर्थन प्राप्त था। क्रॉफोर्ड की जीत को विस्कॉन्सिन और देशभर में डेमोक्रेट के लिए एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। मतदाताओं ने राष्ट्रपति के पसंदीदा उम्मीदवार को पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा में हरा दिया। एलन मस्क ने इस जनमत संग्रह में अपनी निजी संपत्ति के लाखों डॉलर फूंक दिए। यह अमेरिकी इतिहास की सबसे महंगी न्यायिक प्रतियोगिता बन गई।

मंगलवार रात मैडिसन की विजय रैली में क्रॉफोर्ड ने समर्थकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विस्कॉन्सिन के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर अभूतपूर्व हमले को विफल कर दिया। विस्कॉन्सिन के लोगों ने साबित कर दिया कि अदालतें बिक्री के लिए नहीं हैं। क्रॉफोर्ड ने मस्क का नाम तो नहीं लिया, लेकिन प्रतियोगिता में उनके बड़े खर्च का संदर्भ दिया। क्रॉफोर्ड ने एक निजी वकील के रूप में प्लांड पैरेंटहुड का प्रतिनिधित्व किया है। वह गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करती हैं।

क्रॉफोर्ड 10 साल का कार्यकाल पूरा करेंगी। यूएसए टुडे की खबर के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और प्रगतिशील अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने क्रॉफोर्ड को बधाई दी। ओबामा ने मंगलवार रात एक्स पर लिखा, "जज क्रॉफोर्ड को उनकी जीत पर बधाई। विस्कॉन्सिन के लोगों को भी ऐसी जज को चुनने के लिए बधाई, जो कानून के शासन में विश्वास रखती हैं। हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करती हैं।र बर्नी सैंडर्स ने भी क्रॉफोर्ड को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत ने एलन मस्क को हराया है।

भारत और नेपाल ने सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए 10 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

काठमांडू। भारत और नेपाल ने हिमालयी देश में अत्याधिक प्रभाव डालने वाली सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए 10 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन परियोजनाओं के लिए भारत 62.5 करोड़ नेपाली रुपये की मदद करेगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति क्षेत्रों में विकास के लिए मंगलवार को समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि इन उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) का निर्माण भारत सरकार की 62.5 करोड़ नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता से नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति क्षेत्रों में किया जा रहा है।

विज्ञप्ति के मुताबिक इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से 'नेपाल के लोगों को बेहतर शैक्षिक, स्वास्थ्य देखभाल और सांस्कृतिक सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिलेगी। इन परियोजनाओं में तीन विद्यालयों, एक मठ, एक विद्यालय में एक ई-लाइब्रेरी तथा दो स्वास्थ्य केन्द्र भवनों का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही, भारत ने 2003 से अब तक नेपाल में 573 से अधिक एचआईसीडीपी परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें से 495 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

जापान में आ सकता हैं महाभूंकप, एक झटके में 3 लाख लोगों की जान जाएगी

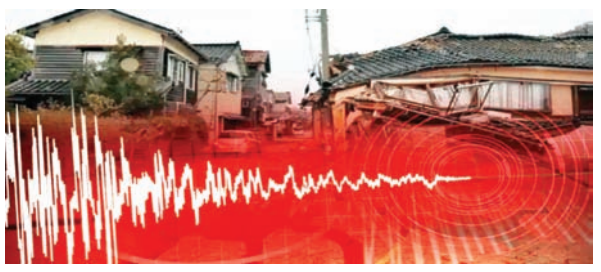

टोक्यो। म्यांजमार-थाईलैंड में भूकंप से तबाही से दुनिया उबरी भी नहीं हैं कि जापान ने एक नई चेतावनी जारी कर दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक मेगाक्वेएक यानी महाभूकंप आ सकता है, जो एक झटके में तीन लाख से ज्युादा लोगों की जान ले सकता है। इससे समुद्र में सुनामी उठेगी और कई देशों में व्या पक तबाही मच सकती है।

रिपोर्ट में इसकी चेतावनी दी गई कि देश के प्रशांत तट पर एक लंबे समय से प्रतीक्षित मेगाक्वेक आ सकता है, जो विनाशकारी सुनामी लाएगा। सैकड़ों इमारतें जमींदोज होगी। पिछले साल जापान ने पहली बार मेगाक्वेक की चेतावनी जारी की थी कि ट्रफ के किनारे पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आने के बाद 9 तीव्रता के भूकंप की संभावना है। अगर ऐसा होता हैं तब जापान की अर्थव्यवस्था खरबों डॉलर का नुकसान होगा। इसकारण इस महाभूंकप से निपटने के लिए अभी से तैयारियां तेज हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 9 की तीव्रता वाला भूकंप आने पर 13 लाख लोगों को बाहर निकालना पड़ सकता है।

यह जापान की कुल जनसंख्याप का 10 फीसदी होगा। अगर ऐसा भूकंप सर्दियों में देर रात के समय आता है, तब सुनामी और इमारतों के गिरने से 2,98,000 लोग अपनी जान गंवा सकते हैं। जापान दुनिया के सबसे खतरनाक जोन में हैं। यहां समुद्री क्षेत्र में 8 से 9 तीव्रता के भूकंप की लगभग 80 प्रतिशत संभावना है। यह ट्रफ जापान के दक्षिण-पश्चिम प्रशांत तट से लगभग 900 किमी (600 मील) तक फैला हुआ है, जहां फिलीपीन सागर प्लेट यूरेशियन प्लेट के नीचे धंस रही है। जमा हो रहे टेक्टोनिक तनाव के कारण करीब हर 100 से 150 साल में एक मेगाक्वेक आ सकता है।

2011 में 9 तीव्रता के भूकंप ने एक विनाशकारी सुनामी और उत्तर-पूर्व जापान में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में तीन रिएक्टरों के पिघलने का कारण बना, जिसमें 15,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

म्यांमा में भूकंप के बाद मलबे में फंसे व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला

बैंकॉक। म्यांमा में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे बचाव दल ने बुधवार सुबह राजधानी नेपीता के उस होटल के मलबे से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला, जहां वह काम करता था।

हालांकि, देश में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ने की ही आशंका है क्योंकि भूकंप के पांच दिन बाद भी अधिकतर बचाव दल को केवल शव ही मिल रहे हैं। मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक 'एंडिस्कोपिक कैमरे' का उपयोग किया गया था। व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था।